हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 06.03.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 223 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

हेमन्त सोरेन ने 49 प्रशिक्षण अधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

एआई को आईटीआई पाठ्यक्रम में किया जाए शामिल : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के हाथों 49 नवचयनित प्रशिक्षण पदाधिकारियों को जब नियुक्ति पत्र मिला तो उनके चेहरे की मुस्कान देखते ही बन रही थी। झारखंड मंत्रालय में श्रम, प्रशिक्षण, नियोजन एवं कौशल विकास विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह युवाओं के लिए खुशियों से भरा अवसर था। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि नियुक्तियों का यह कारवां बढ़ता रहेगा। युवाओं को रोजगार से जोड़कर राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

जिम्मेदारियों से भरे एक नए सफर की हो रही शुरूआत

मुख्यमंत्री ने नवचयनित प्रशिक्षण अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से सरकार की एक अभिन्न अंग के रूप में जिम्मेदारियों से भरे नए सफर की आप शुरूआत कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आप प्रशिक्षण देकर युवाओं के हुनर को इस तरह से निखारेंगे कि उन्हें रोजगार के लिए मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें रोजगार के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। वे अपने हुनर तथा क्षमता की बदौलत देश-विदेश में मान सम्मान और गर्व के साथ कार्य कर अपने परिवार और राज्य का नाम आगे बढ़ाएंगे।

एक-एक कड़ी को जोड़ने का हो रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान कई बार पॉलीटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थियों ने मुलाकात कर पठन-पाठन एवं प्रशिक्षण को लेकर हो रही समस्याओं से अवगत कराया था। इसी बात को संज्ञान में लेकर आईटीआई संस्थानों को मजबूत और संसाधनयुक्त बनाने का कार्य चल रहा है। इसी कड़ी में आईटीआई संस्थानों में पढ़ाई और प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रशिक्षण पदाधिकारियों की नियुक्ति हुई है। यह हमारे द्वारा किए जा रहे प्रयासों का एक हिस्सा है और आने वाले दिनों में इसमें कई और कड़ियां जुड़ेंगी। हमारी कोशिश है कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में रोजगार को लेकर नौजवानों की चिंताएं दूर हों।

हुनर अनमोल होता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हुनर का कोई मोल नहीं होता है। हुनर तो अनमोल है। अगर आपके पास हुनर हो तो आपको रोजगार के लिए दौड़ने की जरूरत नहीं है। रोजगार खुद आपके दरवाजे पर आएगा, क्योंकि हुनरमंद को हर कोई अपने साथ जोड़कर रखना चाहता है। यही वजह है कि हमारी सरकार राज्य के नौजवानों के कौशल विकास के लिए कई कदम उठा रही है। अब नौजवानों के प्रशिक्षण के लिए टेक्नोलॉजी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण में नई- नई तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तेजी से तकनीकें बदल रही हैं। औद्योगिक जगत में अत्याधुनिक मशीनों का इस्तेमाल हो रहा है। मजदूरों के कार्य भी मशीनों के जरिए हो रहे हैं। ऐसे में अगर समय के अनुरूप आप अपने हुनर को नहीं निखारेंगे तो जमाने से काफी पीछे रह जाएंगे। रोजगार प्राप्त करना आपके लिए बड़ी चुनौती बन जाएगी। हमारा प्रयास है कि नई -नई तकनीको के माध्यम से आपको प्रशिक्षण मिले ताकि रोजगार के रास्ते आपके लिए हमेशा खुले रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तकनीक काफी आगे बढ़ चुका है। आज कृषि हो या उद्योग अथवा कोई और क्षेत्र- हर जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल तेज होता जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से अब आप अपने को अलग नहीं रख सकते हैं। ऐसे में हमारे नौजवान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए आईटीआई संस्थानों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों की मरम्मत का प्रशिक्षण देने के लिए भी कोर्स संचालित करने पर जोर दिया।

प्रखंड स्तर पर कौशल विकास के प्रशिक्षण की है व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अब प्रखंड स्तर पर ही कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। मेरा नौजवानों से आग्रह है कि वे कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में आएं और अपने को दक्ष बनाएं।

युवाओं को एंटरप्रेन्योर एवं स्टार्टअप शुरू करने के लिए तैयार करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हम एक ऐसी व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जहां युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर ना सिर्फ उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं बल्कि उनके हुनर को इस तरह से निखारने का प्रयास हो रहा है कि वे एक एंटरप्रेन्योर के रूप में आगे आकर अपना स्टार्टअप स्थापित कर सकें। इससे ना सिर्फ वे रोजगार प्राप्त करेंगे बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ने में सफल होंगे।

कौशल विकास के साथ रोजगार उपलब्ध करा रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं का कौशल विकास के साथ उनके रोजगार के लिए भी कार्य कर रही है। कैंपस प्लेसमेंट और रोजगार मेला तथा कई अन्य माध्यमों से पिछले वर्ष 50 हजार से अधिक युवाओं को देश-विदेश के संस्थानों में सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराया गया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि किसी एक व्यक्ति के बलबूते राज्य आगे नहीं बढ़ सकता है।

झारखंड मंत्रालय में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने नवचयनित प्रशिक्षण पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवचयनित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पाने वाले सभी अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और राज्य के कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करने में योगदान दें। इस अवसर पर श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, श्रम विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह, श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा एवं कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उज्जवला योजना केंद्र सरकार की महज चुनावी योजना : वित्त मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बजट सत्र में बुधवार को भोजनावकाश के बाद बजट पर हुए वाद-विवाद का जवाब देते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि उज्जवला योजना केंद्र सरकार की केवल चुनाव जीतने वाली योजना थी। उन्होंने कहा कि 38 लाख 44 हजार 961 करोड़ रुपए की यह योजना केंद्र सरकार ने बंद कर दी। उन्होंने कहा कि इससे गरीबों का चूल्हा बंद हो गया। उन्होंने कहा कि झारखंड को दी जानेवाली अनुदान की राशि में केंद्र सरकार धीरे धीरे कमी करती जा रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में पेयजलापूर्ति के लिए जल जीवन मिशन के तहत बकाया छह हजार करोड़ रुपए नहीं दिए। इसके अलावा वृद्धावस्थार, विधवा और दिव्यांग लोगों की पेंशन के लिए भी एक अरब 41 करोड़ रुपए केंद्र ने नहीं दिया।

मनरेगा में बकाया 11 सौ करोड़ नहीं दिया

वित्ता मंत्री ने कहा कि मनरेगा का काम कर जीविका चलानेवाले लोगों की राशि को भी केंद्र सरकार ने रोक रखा है। उन्होंने कहा कि इसके तहत मैटेरियल के मद में छह सौ करोड़ और मजदूरी के मद में 500 करोड़ केंद्र ने झारखंड को नहीं दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष कहता है कि केंद्र सरकार राज्य को भरपूर पैसे दे रही है, यह कहना बिल्कुल निराधार है। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष मार्च तक बजट की सभी राशि खर्च कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व से ही राज्य में राजस्व संग्रह की स्थिति खराब है। उन्होंने कहा कि 2019-20 में राजस्व संग्रह 75.75 प्रतिशत था, जबकि सिर्फ जनवरी माह तक ही यह 65.54 प्रतिशत तक पहुंच गया है। वर्ष के अंत तक 80 से 85 प्रतिशत हो जाएगा।

फाइलों तक सिमटा एसटी परिषद

वित्त मंत्री ने विपक्ष पर राज्य के अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जातियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व की अर्जुन मुंडा सरकार में एसटी और एससी की स्थिति में सुधार के लिए अनुसूचित जनजाति परामर्शदाता परिषद का गठन किया गया था, लेकिन तत्कालीन रघुवर सरकार ने इसे सक्रिय नहीं किया। वित्त मंत्री ने कहा कि भाजपा का जनजातीय प्रेम केवल उसके घर में खाना खाने तक ही सीमित है।

सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करेगी सरकार

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक श्वेता सिंह के मामले को सरकार ध्यान देगी। विधायक श्वेता सिंह ने सदन में कहा था कि डीसी फोन नहीं रिसिव करती हैं और पूछने पर चिल्लाने लगती हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या कोई विधायक अधिकारी को समस्या नहीं बता सकता है। उनकी इस बात पर विधायक उमाकांत रजक ने भी सहमति जताई और अधिकारियों के ऐसे आचरण पर सरकार को गंभीर होने का आग्रह किया।

औरंगजेब वाले बयान के मामले में विधायक अबू आजमी पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित

मुंबई : मुगल शासक औरंगजेब के बारे में बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी को विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। विधानसभा में यह प्रस्ताव संसदीय कार्यमंत्री चंद्रकांत पाटिल ने पेश किया, जिसे सभी विधायकों ने सहमति दी थी। विधानसभा में आज भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि औरंगजेब बहुत ही क्रूर शासक था, लेकिन सपा विधायक ने सिर्फ अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए औरंगजेब का गुणगान किया था। मुनगंटीवार ने कहा कि औरंगजेब ने हिंदू महिलाओं का अपमान किया था। मंदिरों को तोड़ा था। हिंदुओं की हत्या की थी। इसलिए औरंगजेब किसी भी कीमत पर हमारा आदर्श नहीं हो सकता। इसलिए औरंगजेब का गुणगान करने वाले सपा विधायक को तत्काल निलंबित कर देना चाहिए। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री चंद्रकांत पाटिल ने अबू आसिम आजमी को बजट सत्र समाप्त होने तक निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव पर सत्तापक्ष और विपक्ष के सभी विधायकों ने सहमति व्यक्त की। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि सपा विधायक अबू आसिम आजमी को बजट सत्र समाप्त होने तक निलंबित किया जा रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा की सलाहकार समिति ने बजट सत्र 3 मार्च से 26 मार्च तक चलाए जाने का निर्णय लिया है। दरअसल, सोमवार को अबू आसिम आजमी ने औरंगजेब को अच्छा शासक बताया था। इसके बाद ठाणे जिले के वागले पुलिस स्टेशन में अबू आसिम आजमी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। अबू आसिम आजमी पर कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को विधानसभा और विधान परिषद का कामकाज स्थगित कर दिया गया था।

एक नजर

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 12 मार्च को

रांची : झारखंड सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक 12 मार्च को पूर्वाह्न 11:00 बजे प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित की जाएगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी की है।

17 मार्च को विधानसभा में रहेगी छुट्टी

रांची : झारखंड विधानसभा की कार्यवाही सोमवार 17 मार्च को नहीं होगी। होली के त्योहार के कारण विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। 17 मार्च को होनेवाली कार्यवाही के विषय अब 22 मार्च को सदन में आएंगे। 22 मार्च को पहले सदन की कार्यवाही स्थगित थी। लेकिन अब 22 मार्च को सदन की कार्यवाही होगी।

100 करोड़ के घोटाले पर विधानसभा में हंगामा, मंत्री ने मांगा सात दिन का वक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 100 करोड़ रुपये के घोटाले का मुद्दा उठाया। इसके बाद विभागीय मंत्री और सदन के सदस्यों के बीच जमकर खींचतान हुई।

विधायक प्रदीप यादव ने सवाल किया कि स्वर्णरखा परियोजना के अधीन शीर्ष कार्य प्रमंडल में फर्जी खाता खोलकर करोड़ों रुपये की फर्जी निकासी का मामला वित्त विभाग की जांच रिपोर्ट में आया है। रांची और लोहरदगा में कार्यपालक अभियंता ने एल एंड टी कंपनी की जगह रोकड़पाल के खाते में बिल भुगतान कर बंदरबांट किया है। इस मामले में मुख्य अभियंता प्रभात कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर समेत अन्य अभियंताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि चलते सत्र में जांच कर सभा को अवगत कराया जायेगा। इस पर सत्ता पक्ष की ओर से झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने कहा कि कार्यपालक अभियंता को बचाने की साजिश चल रही है। स्टीफन मरांडी का साथ देते हुए कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव ने कहा कि कार्रवाई को तीन तरीके से पेश किया जाता है। पहला फंसा दो, दूसरा धंसा दो और तीसरा दूध का दूध और पानी का पानी कर दो। उन्होंने कहा कि इस मामले में धंसा दो वाला काम हो रहा है। इसका मतलब है कि अधिकारी को बचाया जा रहा है। पूरे मामले को सिर्फ संतोष कुमार रोकड़पाल पर सिर्फ एफआईआर कर मामले को समाप्त नहीं किया जा सकता।

इस पर झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो और झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने प्रदीप यादव का पक्ष लेते हुए कहा कि विभागीय जांच का मतलब लीपापोती है। इसलिए प्राथमिकी होनी चाहिए, क्योंकि इस मामले में सिर्फ रोकड़पाल संतोष कुमार पर कार्रवाई की गयी है। जब वित्त विभाग ने सभी को दोषी पाया है तो कार्रवाई एक पर क्यों।

इस बीच पूरे मामले में चुटकी लेते हुए भाजपा विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि यदि सत्ता पक्ष के विधायकों को दोषियों पर कार्रवाई करने में इतनी मशक्कत करनी पड़ रही है, तो विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई करने में क्या स्थिति होगी।

फिर प्रभारी मंत्री द्वारा एफआईआर नहीं कराने पर प्रदीप यादव ने कहा कि ऐसे में वह सदन में धरना पर बैठ जायेंगे। वहीं हेमलाल मुर्मू ने कहा कि बिना कार्यपालक अभियंता के रोकड़पाल गबन नहीं कर सकता है। प्रभारी मंत्री के रूख से लग रहा है कि वह कार्यपालक अभियंता को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी नीयत पर सवाल उठता है।

देर तक चली बहस में प्रभारी मंत्री ने कहा कि सात दिन के भीतर कार्रवाई कर अवगत कराया जायेगा। इस पर प्रदीप यादव ने आसन से आग्रह किया कि इस प्रश्न को सात दिन के लिए स्थगित कर दिया जाये। जिसके बाद स्पीकर ने इस प्रश्न को सात दिन के लिए स्थगित कर दिया। अब इस प्रश्न पर सात दिन के बाद चर्चा होगी।

चाईबासा में आइईडी विस्फोट, सीआरपीएफ के तीन जवान घायल, रांची में चल रहा इलाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

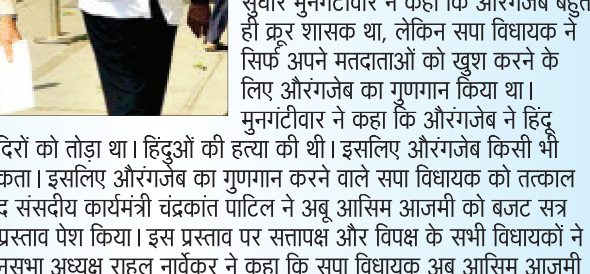

पश्चिमी सिंहभूम/रांची : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में सुरक्षाबलों के सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोट में तीन जवान घायल हो गए। चाईबासा एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि बुधवार को छोटानागरा थाना क्षेत्र के वनग्राम बालीबा के पास जंगल और पहाड़ी इलाके में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए पहले से आईईडी प्लांट किया था। इसके अलावा, नक्सलियों ने रास्ते में गड्ढा कर लोहे का तीर (स्पाइक होल) भी लगाए थे, जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 197 बटालियन के एसी जीजे साई, एचसी/आरओ वीटी राव और सीटी/जीडी धर्मेंद्र कुमार घायल हो गए। घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से रांची लाकर राज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल जवानों से झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता और आईजी अखिलेश झा ने राज अस्पताल में मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में महिला नक्सली गिरफ्तार

नयी दिल्ली : बाहरी दिल्ली के पीतमपुरा इलाके से झारखंड की रहने वाली एक महिला नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। वह राष्ट्रीय राजधानी में फर्जी पहचान बताकर रह रही थी और एक घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। पुलिस ने यहां बुधवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय महिला नक्सली मूल रूप से पूर्वी राज्य के पश्चिमी सिंहभूम के कुदाबुरु गांव की रहने वाली है। वह पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के कई मामलों में वांछित थी। नक्सली के खिलाफ आईपीसी, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। झारखंड की एक अदालत ने 26 मार्च 2023 को उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस ने बताया कि महिला नक्सली संभवत: 2020 में दिल्ली आई थी। पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया, कई महीनों की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के बाद अपराध शाखा को एनसीआर में एक माओवादी चरमपंथी की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की टीम ने चार मार्च को महाराणा प्रताप एन्क्लेव, पीतमपुरा में छापेमारी की थी और इस दौरान ही महिला नक्सली को गिरफ्तार किया गया।

एक नजर

गहरी नींद में सो रहे यात्री के पर्स और मोबाइल की चोरी

सरिया (गिरिडीह) : मंगलवार की रात लगभग 12 बजे चलती ट्रेन में जब रेल यात्री गहरी नींद में सो रहे थे। तो कुछ अज्ञात अपराधियों के द्वारा इसका फायदा उठा कर लगभग 5 महिला रेल यात्री के मोबाइल, पैसा और जेवर भरे पर्स को चोरी कर लिया गया। इसकी भनक जब रेल यात्री को हुआ तो ट्रेन में हो हल्ला चालू किया गया तब सभी यात्री अपने सामानों की जांच शुरू किया। उक्त घटना दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन से ओडिशा के भुनेश्वर के बीच चलने वाली ट्रेन नंबर 12820 बी बी एस संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का बताया जा रहा है। घटना को लेकर रेलवे सुरक्षा कर्मियों के द्वारा बताया जा रहा है कि उक्त ट्रेन का ठहराव पंडित दिन दयाल स्टेशन के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो में है। संभवत: इसी बीच अपराधियों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया होगा और ट्रेन में जब रेल यात्रियों को अपने सामान की चोरी होने की एहसास हुआ और हो हल्ला होने के बाद इन शातिर अपराधियों के द्वारा अचानक इस ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के अधीन पड़ने वाले गड़िया बिहार स्टेशन पर खड़ी हो गई।

बराकर नदी से मिला अज्ञात शव

बरही : बरही और चौपारण थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके रसोइया धमना में उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने अनुमंडलीय कारा के पीछे बहने वाली बराकर नदी में एक शव को तैरते हुए देखा। शव मिलने की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। शव को नदी में तैरता देख ग्रामीणों ने तत्काल बरही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम में पृथ्वी हरिजन मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला। शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस शव की पहचान करने की कोशिश कर रही है। आसपास के थाना क्षेत्रों को भी इस संबंध में सूचित किया गया है ताकि किसी गुमशुदगी की रिपोर्ट के आधार पर शव की पहचान की जा सके। बरही पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि किसी को इसके बारे में कोई जानकारी हो या किसी गुमशुदगी की सूचना मिली हो, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाए : संजय

हजारीबाग : हजारीबाग में अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। हाल ही में सिंदूर में जिला परिषद सदस्य मुकेश के घर हुई सनसनीखेज चोरी की घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। इस वारदात में चोरों ने न सिर्फ घर में लूटपाट की बल्कि घर की एक महिला सदस्य पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। फिलहाल महिला का इलाज मेडिका अस्पताल में चल रहा है। इस घटना को लेकर आजसू नेता संजय कुमार मेहता ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और इस गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस प्रशासन से बात की। उन्होंने हजारीबाग एसपी, डीएसपी और थाना प्रभारी से संपर्क कर चोरों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। संजय कुमार मेहता ने कहा कि हाल के दिनों में हजारीबाग में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे आम जनता में भय का माहौल है।

कौशल इंजीनियरिंग कंपनी पर कार्रवाई की मांग, डीसी और एसपी को पत्र

निर्माण कार्य में मनमानी और लापरवाही का आरोप, कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने उठाई आवाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही/चौपारण : झारखंड में सड़क निर्माण में हो रही मनमानी और लापरवाही के खिलाफ कांग्रेस ओबीसी जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने जिला उपायुक्त नैन्सी सहाय और पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह को पत्र लिखकर कौशल इंजीनियरिंग कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दीपक गुप्ता ने कहा कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और कौशल इंजीनियरिंग पिछले कई महीनों से सड़क निर्माण कार्य में मनमानी कर रही हैं। न तो निर्माण कार्य सही तरीके से किया जा रहा है और न ही नियमों का पालन हो रहा है। इन कंपनियों ने निर्माण कार्य को सरकारी धन की लूट का अड्डा बना लिया है। मशीनरी के बजाय मैनुअल कार्य, नियमों की अनदेखी

दीपक गुप्ता ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण में मशीनरी का इस्तेमाल करने के बजाय स्थानीय मजदूरों से मैनुअल कार्य कराया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा है, जिससे धूल के कारण राहगीरों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि कई ओवरब्रिज निर्माण के तुरंत बाद ही खराब हो गए हैं। चौपारण और बरकट्ठा फ्लाईओवर वर्षों से अधूरा पड़ा है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एनएचआई अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप

दीपक गुप्ता ने आरोप लगाया कि जिला एनएचएआई के कई बड़े अधिकारी और अभियंता भी इस गड़बड़ी में शामिल हैं। वे निर्माण एजेंसी को खुली छूट दे रहे हैं। इतना ही नहीं, एनएचएआई परियोजना अधिकारी शिकायतों पर कॉल उठाने तक से परहेज कर रहे हैं।

अवैध डायवर्जन और जला कोयला डस्ट से बढ़ा हादसों का खतरा

कांग्रेस नेता श्री गुप्ता ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान कई जगह अवैध डायवर्जन बनाए गए हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की समस्या गंभीर हो गई है। चौपारण-बरकट्ठा के बीच कई जगहों पर जला हुआ कोयला और डस्ट गिराया गया है, जिससे सड़क धूल और पत्थरीले पाउडर से ढक गई है।

फूड सेफ्टी ऑफिसर ने कई खाद्य प्रतिष्ठानों में चलाया जांच अभियान

प्रत्यूष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय एवं एसीएमओ डॉ शशि जायसवाल के निर्देशानुसार खाद्य प्रतिष्ठानों में नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी के द्वारा शहरी क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने शारदा स्वीट्स एंड फैमिली रेस्टोरेंट, बाला जी होटल, चिकन राइस बॉक्स आदि खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी होटल एवं रेस्टोरेंट के संचालकों द्वारा उनके यहाँ कार्यरत कर्मियों का नियमानुकूल वार्षिक स्वास्थ्य जाँच कराना एवं मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र रखने को कहा। साथ ही पानी की गुणवत्ता की जाँच ससमय करवाना सुनिश्चित करने को कहा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा संचालकों को निर्देश दिया कि अपने रसोईघर को अच्छी तरह से हाईजीन कंडीशन में रखें। फूड विक्रेता आदि मिठाईयों को सुरक्षित एवं अत्याधिक आकर्षक बनाने एवं रखने के लिए अवांछित केमिकल एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालने वाले अखाद्य/औद्योगिक रंगों का उपयोग नहीं करने का निर्देश दिया। इस दौरान कई खाद्य प्रतिष्ठानों से गुड़ का सैंपल भी एकत्रित किया गया।

वित्तीय वर्ष अबुआ बजट 2025-26 सभी वर्गों के हित का वर्ष है : संजीव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय सचिव सह मुख्य संयोजक संजीव बेदिया ने झारखंड सरकार के द्वारा वित्तीय बजट 25- 26 वर्ष का स्वागत किया है। कहा की इस बजट में सभी वर्गों पर विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। झारखंड सरकार जनहित में बजट पास की है। जैसे की 1 मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना 13 हजार 363 करोड़ 35 लाख ,2 सर्वजन पेंशन योजना 3085 करोड़ 60 लाख ,3 मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना 2 सौ 55 करोड़ ,4 बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 3

▶ बजट में लाखों किसान के अनुदान के लिए 24 करोड़ 50 लाख लिया गया है : संजय सिंह

सौ 50 करोड़ ,5 खाद्य सार्वजनिक वितरण 2 हजार 864 करोड़ 49 लाख 22 हजार रुपया , लिया गया है वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह ने कहा कि वित्तीय वर्ष बजट 25-26 के लिए पेश किया गया है उसमें ,वन विभाग के लिए 1 हजार 381 करोड़ 99 लाख ,2 बिरसा बीज उत्पादन एवं फसल विस्तार योजना के लिए 95 करोड़ ,3 लाखों किसानों को अनुदान के लिए 24 करोड़ 50 लाख आवंटन किया गया है। यह बजट झारखंड को मजबूती प्रदान करेगा।

तीन महीने में 633 एकड़ में लगी अफीम की फसल को किया गया नष्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण में दिसंबर माह से प्रशासन द्वारा चल रही अफीम विनिष्टिकरण अभियान अब तक की सबसे सफल अभियान साबित हो रही है। चौपारण में जहां अफीम (पोस्ता) की खेती चरम पर थी। वहीं अफीम तस्कर का मनोबल बढ़ता जा रहा था। चौपारण थानेदार अनुपम प्रकाश अब तक की सबसे सर्वश्रेष्ठ थानेदार साबित हो रहे हैं। नशीले पदार्थ की खेती करने वालों पर प्रशासन शिकंजा कसा है। पिछले तीन माह में घने जंगलों की तलहटी में 633 एकड़ में लगी अफीम की खेती को पुलिस ने नष्ट किया है। इस अभियान में शामिल थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने बताया एसपी अरविंद कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इस अभियान में डीएसपी अजीत कुमार विमल, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, प्रभारी वनपाल पंकज कुमार का योगदान भी सराहनीय रहा है। चौपारण के पंचायत चोरदाहा, देहर, ताजपुर, बसरिया में बसे गांव मुड़िया, मोरानिया, सीकदा, दुरागड़ा, जमुनियातरी, अहरी, नावाडीह,

गरमोरवा, करगा, पथलगड्डा, ढोढीया, रतवातरी, खैरीगढ़ा, लकराही, बेलवाकोल, करमातरी, मूर्तियां, दुरागढ़ा, मोरनिया, आंजन, बिल्हैरिया, अहरी, जागोडीह, कालीदाग, बुकाड जैसे गांवों में अफीम खेती के विरुद्ध पुलिस एवं वन विभाग ने संयुक्त रूप से करवाई कर चौपारण को नशामुक्त बनाने का कार्य किया है। ढोढ़िया जंगल में अभियान चलाने के दौरान प्रशासन को महिलाओं के विरोध का सामना भी करना पड़ा। 17000 हेक्टेयर में है प्रादेशिक वन प्रक्षेत्र सरकार के दस्तावेज में चौपारण में 17000 हेक्टेयर भूमि पर प्रादेशिक वन प्रक्षेत्र है। यह 121 किमी में फैला है। कुछ हिस्सा चतरा जिला में पड़ता है। अधिकतर अफीम-पोस्ता की खेती वनभूमि पर हो रही थी। इस अवैध कारोबार में स्थानीय लोगों के अलावा बाहरी अफीम तस्कर शामिल थे। 5 को जेल 130 लोगों पर मामल दर्ज अफीम की खेती करने वालों के विरुद्ध 130 मामले दर्ज किये गये हैं। इसमें नौ मामले चौपारण थाना में दर्ज हैं। इसमें 130 लोगों को एनडीपीएस एक्ट के तहत नामजद अभियुक्त बनाया गया है एवं पुलिस ने पांच नामजद अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा आउटरीच कैंप का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय रांची में मंगलवार के दिन आउटरीच कैम्प का आयोजन किया गया। आयोजित कैम्प में झारखंड सरकार के एमएसएमई विभाग के संयुक्त निदेशक इंद्रजीत यादव, केंद्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक अनिल कुरील, अंचल प्रमुख वैजनाथ सिंह,क्षेत्रीय प्रमुख आलोक कुमार सहित रांची जिले के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सभी शाखा प्रबंधक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुरी शाखा के शाखा प्रबंधक दिनेश कुमार के नेतृत्व में सिल्ली मुरी के विभिन्न समितियों की महिलाओं के बीच कुल 75 लाख की ऋण स्वीकृत पत्र बांटे गए। दिनेश कुमार ने बताया कि शिविर के माध्यम से महिलाओं को रोजगार सृजन करने में काफी मदद मिलेगी तथा अन्य कई तरह की कारोबार कर सकती हैं। बैंक कम ब्याज दर पर महिलाओं को लोन देती है ताकि महिलाएं व्यापार कर स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बन सके। मौके पर यूनियन बैंक मुरी के कृषि विभाग अधिकारी रवि राजधन के साथ रीता देवी, रीना देवी, पपीता देवी, उषा देवी, मंगली देवी, लतिका देवी, सिंधु देवी समेत अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम सह एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सांस्कृतिक निदेशालय पर्यटन कला संस्कृति खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग झारखण्ड सरकार के सौजन्य से प्रज्वलित विहार के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम सह कार्यशाला का आयोजन जलडेगा प्रखंड के ओड़गा पंचायत परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुखिया मुकुट समद विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्वती शर्मा इंटर महिला कॉलेज के प्राचार्य सह छोटानागपुरी लोक संगीत नृत्य प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक सत्यव्रत ठाकुर, सारु बहार के ग्राम प्रधान रखवाल जोजो सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम

का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुखिया मुकुट समद ने जनजातीय नृत्य गीतों को बचाने की बात कही। वहीं सत्यव्रत ठाकुर ने झारखंडी संस्कृति के संवर्धन हेतु ऐसे कार्यक्रम में कला संस्कृति विभाग के सहयोग के लिए, धन्यवाद देते हुए अखरा संस्कृति के संवर्धन के लिए युवा युवतियों को आगे आने, साथ ही डीजे संस्कृति से बचने की बात कही वहीं उरांव जनजाति की कलाकार अगस्ती टोप्पो ने जनजातीय संस्कृति के बारे बताते हुए कहा की झारखण्ड में बोलना ही गीत है और चलना ही नृत्य है इसे जीवंत करने के लिए सभी को एक अखरा में आने की बात कही, इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान प्रज्वलित विहार के सुषमा नायक के द्वारा एक से बढ़ कर एक नागपुरी गीत और नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित ग्रामीणों को झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं चक्रीय विकास संस्थान सिमडेगा के कलाकारों में खिलेश्वर सिंह, बिमला देवी और तनीषा देवी ने भी नागपुरी राग रागिनी पर आधारित गीत गाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया, मौके पर मुंडारी गीत व नृत्य के साथ अन्य गीत गाकर सभों को झुमाया गया। कार्यक्रम से पूर्व प्रज्वलित विहार के निदेशक आर आर मेहता के द्वारा अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़ा कर एवं बुके देकर किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज सेवी अभिनन्दन सिंह, रोजगार सेवक सीता कुमारी सहित अन्य गण मान्य लोग उपस्थित थे कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से प्रज्वलित विहार संस्था सदस्यों में विजय सिंह, वीरेंद्र महतो, बंधन उरांव, रामसुंदर महली, सोहराई उरांव, शशि लोहरा, विनोद उरांव, धर्मेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

बाइक दुर्घटना में शंकर नायक गंभीर रूप से घायल

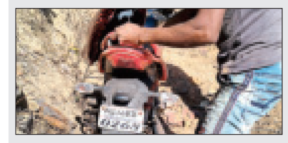

चैनपुर : चैनपुर थाना क्षेत्र के बेन्दोरा पंचायत के अंतर्गत छतरपुर चट्टान के पास एक दर्दनाक बाइक दुर्घटना हुई। दोपहर के लगभग दो बजे पोड़ा गांव लोदाम छत्तीसगढ़ के छत्तीस वर्षीय शंकर नायक पिता जनक नायक बाइक चलाते समय अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सर और पैरों में चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल ही घटना स्थल पर पहुंच कर बाइक को अपने कब्जे में लेते हुए घायल शंकर नायक को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां इलाज के पश्चात उन्हें छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकर नायक हर्रा गांव से किसी रिश्तेदार के यहां से लौट रहे थे। तेज रफ्तार होने की वजह से बाइक अनियंत्रित होकर नीचे गड्ढे में गिर गई। स्थानीय लोगों की मदद से बाइक को बाहर निकाला गया।

अनुमंडल मुख्यालय में अग्निशामक कार्यालय और वाहन की मांग

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय से लगभग 50 से 60 किलोमीटर दूर चैनपुर अनुमण्डल मुख्यालय में आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए अग्निशामक कार्यालय और अग्निशामक वाहन की काफी आवश्यक है। चैनपुर अनुमंडल जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर है और वहां अग्निशामक वाहन एवं कार्यालय नहीं होने से आगजनी जैसी घटनाएं होने पर तुरंत में उपलब्ध नहीं हो पाती है ऐसे में वहाँ के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए गुमला विधायक भूषण तिर्की ने सदन के माध्यम से सरकार से मांग की है कि चैनपुर अनुमण्डल मुख्यालय में अग्निशामक कार्यालय और अग्निशामक वाहन उपलब्ध कराए जाएं।चैनपुर अनुमण्डल मुख्यालय में अग्निशामक कार्यालय और वाहन की आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि यहाँ के लोगों को आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।

आरटीसी बीएड महाविद्यालय में इंटरनेशनल वूमेंस डे का हुआ आयोजन

अनगड़ा : आरटीसी बीएड महाविद्यालय में इंटरनेशनल वूमेंस डे वीक का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य ' डॉ ऋचा पदमा कहा कि 1 मार्च से 8 मार्च तक महाविद्यालय में महिला दिवस सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्रशिक्षु शिक्षक इस प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने नेतृत्व क्षमता का विकास कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का सामाजिक, राजनीतिक जैसे क्षेत्रों में सफल नारी शक्ति को महाविद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु शिक्षकों को प्रोत्साहित करना उद्देश्य है ' कार्यक्रम में सत्र 2024- 26 के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में व्याख्याता विनोद प्रसाद, आलोक रंजन, डॉ पूनम मेहता, डॉ भारती, डॉ प्रिया पांडे, डॉक्टर निकू, डॉ रश्मि संध्या, डॉक्टर अंकित दुलारी गुड़िया, विनीत चौधरी, बबीता कुमारी, सीमा कुमारी, प्रियंका कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीएसआर और राजकुमारी फाउंडेशन के पोषित बचपन अभियान के तहत शिविर का हुआ समापन

मुरी : मुरी हिंडालको मुरी वर्कस सीएसआर और राजकुमारी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे पोषित बचपन अभियान के तहत बांसारूली पंचायत में आयोजित 15 दिवसीय पोषण शिविर का समापन सोमवार को किया गया। बांसारूली पंचायत में कुल 38 कुपोषित बच्चे पाए गए थे जिसमें बच्चों को 15 दिनों तक देखरेख कर संतुलित आहार दिया गया। हिंडाल्को के एचआर हेड अरुण राय ने लाभार्थी के माताओं से अपील किया कि बच्चों को समय पर संतुलित आहार जरूर दें ताकि बच्चों का शारीरिक विकास तेजी से हो पाए। हिंडालको सामाजिक कार्य के प्रति हमेशा तत्पर है और भविष्य में भी समाज के प्रति अपने दायित्व को निर्वहन करने के लिए प्रतिबद्ध है। डाइटिशियन मौसम ने बताया कि बच्चों को संतुलित आहार मिलने से शरीर तंदुरुस्त हो रहा है और वजन में भी वृद्धि हुई है। संतुलित भोजन मिलने से बच्चों का विकास तेजी से होता है। पोषण कैंप के समापन पर सभी लाभार्थी बच्चों के माताओं को एक माह का पोषण किट वितरण किया गया ताकि संतुलित आहार से बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ रह सके साथ साथ हिंडाल्को और राजकुमारी फाउंडेशन टीम की ओर से समुदाय को पौधे और बच्चों के बीच खिलौने का भी वितरण किया गया।

विधानसभा में बेड़वारी डिग्री कॉलेज संचालन हेतु सरकार से विधायक ने की मांग

अनगड़ा : झारखंड विधानसभा सत्र सुन्य काल में डिग्री कालेज का मामला को सदन में रखा कहा कि खिजरी विधानसभा क्षेत्र अनगड़ा प्रखंड के बेरवारी गांव में भवन निर्माण विभाग झारखंड सरकार के के द्वारा करीब 18 करोड़ की लागत से डिग्री कालेज संचालन हेतु भव्य भवन का निर्माण 3 वर्ष पूर्व बन कर तैयार विभाग्य अधिकारी एवम संवेदन के उदासीनता रवैया के कारण अभी तक हैंडओवर नहीं हुआ भवन के उपर 33000 हाईटेंशन विद्युत तार के उपर भवन निर्माण के स्वीकृति कैसे दी गई विधायक राजेश कच्छप ने सरकार से आसान के माध्यम हाईटेंशन विद्युत तार को हटा कर से उक्त भवन में अभिलंब डिग्री कालेज की संचालन किया जाय।

मधुमक्खी के दंश से स्कूटी सवार पति-पत्नी बुरी तरह हुए घायल

हजारीबाग : जिले के दारू थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम कोय निवासी श्यामसुंदर प्रसाद और उनकी पत्नी रूबी देवी सहित एक अन्य व्यक्ति मधुमक्खी के हमले से बुरी तरह घायल हो गए। श्यामसुंदर प्रसाद और उनकी पत्नी रूबी देवी अपने स्कूटी पर सवार होकर अपने बच्चे के स्कूल कोय जा रहे थे तभी अचानक रास्ते में एक झाड़ी से मधुमक्खियों का झुण्ड निकला और उनपर हमला कर दिया और दोनों के चेहरा, सिर, हाथ सहित शरीर के कई अंगों में डंक मारते रहे। इसी क्रम में एक अन्य स्थानीय युवक को भी मधुमक्खियों ने डंक मारा। हो- हल्ला करने के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से किसी तरह मधुमक्खियों के झुंगल से तीनों को बाहर निकाला गया। मधुमक्खियों के दंश के बाद दर्द के कराहते हुए पति- पत्नी सहित एक अन्य युवक ने अपने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद बुरी तरह प्रभावित हुए पति- पत्नी को उनके परिजनों और दारू क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश प्रसाद के सहयोग से इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया और तत्काल उनके द्वारा इसकी सूचना सांसद मनीष जायसवाल को दी गई।

बोकारो विधायक ने विस्थापितों की बदहाली का मामला उठाया, सीएम ने दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने विधानसभा में सेल द्वारा अधिग्रहित भूमि पर बसे पुराने गांवों में बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विस्थापित ग्रामीणों को अब तक मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं, जिससे वे खानाबदोश जैसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं। इन गांवों को पंचायत सूची में शामिल नहीं किया गया है, जिससे 50-60 हजार की आबादी सरकारी योजनाओं से वंचित है।

इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जवाब देते हुए कहा कि इन गांवों को पंचायती राज व्यवस्था में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार से बातचीत करनी होगी। हालांकि, सरकार अधिग्रहित गांवों में बुनियादी सुविधाएं बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए जल्द ही सेल प्रबंधन से चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेल के अधिकारी आज उनसे मुलाकात करने आ रहे हैं और अधिग्रहित इलाकों के रखरखाव व सुविधाओं की बहाली को लेकर उनसे बातचीत की जाएगी।

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने सदन में धनबाद नगर निगम में शामिल 27 गांवों को अलग करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इन गांवों को निगम क्षेत्र में शामिल किये हुए 15 साल हो गये हैं। लेकिन अब तक यहां बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गयी हैं।

इस पर जवाब देते हुए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि गांवों को निगम क्षेत्र से बाहर करना समाधान नहीं है, बल्कि सरकार की प्राथमिकता वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इस दिशा में जल्द कदम उठाएगी।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरा

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही 11 बजकर 8 मिनट बजे शुरू हुई। सत्ता पक्ष के विधायकों ने मंत्री योगेंद्र प्रसाद को घेरा। कांग्रेस के प्रदीप यादव ने अवैध निकासी से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में तत्कालीन कार्यपालक अभियंता सहित अन्य पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग की जांच रिपोर्ट में दोषियों पर एफआईआर करने की अनुशंसा की गई है। यदि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह सदन में धरने पर बैठ जाएंगे।

एक नजर

होमगार्ड मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता आज से

रांची : झारखंड होमगार्ड और अग्निशमन विभाग की खेलकूद प्रतियोगिता छह मार्च से शुरू होगी। यह प्रतियोगिता तीन दिनों तक चलेगी और इसका आयोजन धुर्वा स्थित होमगार्ड मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल होंगे, जबकि समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति रहेगी। इस प्रतियोगिता में कुल 450 प्रतिभागी भाग लेंगे और एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल सहित 10 खेलों का आयोजन किया जाएगा।

13 को होगा होलिका दहन, 14 मार्च को मनेगी होली

रांची : इस वर्ष होली पर्व उदयातिथि 15 मार्च को चैत्र कृष्ण पक्ष में पूरे भारत में मनाया जाएगा। होलिका दहन 13 मार्च को होगा, जो अच्छाई की जीत का प्रतीक होगा। ज्योतिषाचार्य आचार्य पंडित पुरुषोत्तम कृष्ण शास्त्री ने बताया कि प्रत्येक वर्ष फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन होता है। इस वर्ष फाल्गुन मास 13 मार्च को पड़ रहा है।सुबह 10:02 बजे के बाद पूर्णिमा तिथि प्रारंभ हो रही है, जो 14 मार्च को सुबह 11:11 तक मान्य रहेगी। होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में भद्रा के अनुपस्थिति में होगा, क्योंकि भद्रा 13 मार्च की रात 10:37 बजे समाप्त हो जाएगी।

डीजी सीआरपीएफ ने झारखंड डीजीपी से की मुलाकात

रांची : डीजी सीआरपीएफ जीपी सिंह ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय में झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों अधिकारियों ने झारखण्ड में नक्सल विरोधी अभियानों को तेज करने और नक्सल विरोधी रणनीतियों को परिष्कृत करने और हाल के दिनों में प्राप्त सफलताओं पर व्यापक रूप से चर्चा की। दोनों ने एक दूसरे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान एडीजी संजय आनन्दराव लाठकर, आईजी सीआरपीएफ साकेत कुमार सिंह, आईजी अभियान अमोल विनुकांत होमकर, डीआईजी इन्द्रजीत माहथा के अलावा अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्पीकर की मनमानी के चलते भाजपा ने किया वॉकआउट : बाबूलाल

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष सदन को मनमाने ढंग से चलाना चाहते हैं। सत्ता पक्ष को बोलने में तरजीह दी जाती है, आसन की ओर से ज्यादा समय दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वहीं जब विपक्ष के सदस्य जब बोलने के लिए खड़ा होते हैं तो बार बार टोका टोकी की जाती है। बाबूलाल मरांडी ने यह बातें बुधवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भाजपा की विधायक नीरा यादव जब सदन में बोल रही थीं तो सत्ता पक्ष के विधायकों ने टोका–टोकी की, लेकिन यह यह दुर्भाग्यजनक है कि टोका–टोकी करनेवाले सदस्यों को आसन से संरक्षण प्राप्त हुआ। बाबूलाल ने कहा कि नीरा यादव ने स्पीकर से टोका–टोकी में बर्बाद समय के बदले समय की मांग की तो अध्यक्ष ने अस्वीकृत कर दिया। यह पूरी तरह से मनमानी है और सत्ता पक्ष के इशारे पर विपक्ष की बातों को दबाने की साजिश है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायकों ने इस मुद्दे पर विरोध दर्ज करते हुए सदन से वॉकआउट किया। झामुमो की ओर से खनिजों की नाकेबंदी की घोषणा के सवाल पर मरांडी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह झामुमो की पुरानी आदत है।

बाबूलाल ने पथ निर्माण विभाग की पारदर्शिता पर उठाए सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधायक और पूर्व भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने विधानसभा में पथ निर्माण विभाग से जुड़े सवाल उठाते हुए 2020-21 से 2024-25 तक के सभी स्थानांतरित पदों की सूची उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने उन सड़कों की सूची भी मांगी, जिन्हें पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित किया गया है।

हालांकि विभाग की ओर से दिए गए लिखित जवाब में सूची संलग्न करने की बात कही गई थी, लेकिन सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। इस पर नाराजगी जताते हुए बाबूलाल ने कहा कि सभी विधायकों को इस जानकारी का अधिकार है, लेकिन विभाग गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने इसे गलत परिपाटी करार देते हुए सदन से संज्ञान लेने की मांग की।

इस पर जवाब देते हुए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि यह एक लिपिकीय त्रुटि हो सकती है और जल्द ही सभी सदस्यों को पूरी सूची उपलब्ध करा दी जाएगी।

हाई कोर्ट के आदेश पर निगम का रुख स्पष्ट नई नियमावली पर एक महीने बाद होगा फैसला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट द्वारा दो रूफटॉप बार और रेस्टोरेंट्स को दी गई राहत के बाद रांची नगर निगम ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार ने कहा कि वे हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं और जैसे ही कोर्ट के आदेश की कॉपी मिलेगी, उसे देखने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 24 फरवरी को तैयार की गई ड्राफ्ट नियमावली में सरकार को मिलने वाले राजस्व और रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखा गया है। साथ ही बाकी जिन 31 रेस्टोरेंट्स के लिए बंद करने का आदेश जारी किया गया था, वह अभी भी प्रभावी रहेगा।

संजय कुमार ने आगे कहा कि ड्राफ्ट नियमावली पर जनता से आपत्तियां मांगी गई हैं, जिसके लिए एक महीने का समय दिया गया है। सभी आपत्तियों की समीक्षा के बाद नगर निगम की कमेटी अंतिम फैसला लेगी और इसके आधार पर आगे की घोषणा की जाएगी।

गौरतलब है कि इससे पहले नगर निगम ने शहर में संचालित 33 रूफटॉप बार और रेस्टोरेंट्स को बंद करने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ दो रेस्टोरेंट्स ग्रीका किचन एंड बार और प्राणा लाउंज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने फिलहाल उनके संचालन पर लगी रोक हटा दी है, जिससे अन्य रेस्टोरेंट संचालकों को भी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अमृत महोत्सव में राजस्थान की छटा और गुजरात का डांडिया होगा आकर्षण का केंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के 53 वें स्थापना दिवस के अवसर पर हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में रंग रंगीलो श्री श्याम अमृत महोत्सव का आयोजन हो रहा है। प्रथम दिवस शुक्रवार को प्रातः 7:30 बजे से गणेश पूजन ध्वज स्थापना हवन पूजन का आयोजन मंदिर में किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 1:00 बजे से बाबा श्याम की भव्य निशान शोभायात्रा महादेव सरोवर मंदिर बड़ा तालाब के पास सेवा सदन पथ से निकलेगी। लगभग 1100 श्याम प्रेमी राजस्थानी वेशभूषा में हाथों में ध्वजा लहराते हुए नगर भ्रमण करेंगे। इस भव्य शोभायात्रा में हाथी घोड़ा ऊंट मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे। गुजराती डांडिया का कार्यक्रम पूरे शोभायात्रा में भक्तों के साथ-साथ चलेगी। महादेव सरोवर मंदिर से दोपहर 1:00 बजे यात्रा प्रारंभ होकर रंगलाल जालान रोड रांची एक्सप्रेस गली मौलाना आजाद कॉलेज कोतवाली थाना शहीद चौक से पुस्तक पथ होते हुए गांधी चौक से होकर ढिबरी पट्टी अप्पर बाजार की ओर मुड़ जाएगी इसके बाद ईस्ट मार्केट रोड से लोहिया चौक कार्ट सराय रोड से बारूद चौक गाड़ीखाना चौक होते हुए हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी। इस भव्य शोभायात्रा में धनबाद से आए हुए महेंद्र अग्रवाल रोमित बंसल आशीष सिंघल द्वारा भजनों की गंगा बहाई जाएगी। स्थानीय कलाकार एवं श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्य भक्तों को अपने भजनो से झुमाएंगे। राजस्थानी वेशभूषा में महिलाएं बाबा श्याम के निशान और सर पर राजस्थानी पगड़ी लगाकर झूमते गाते हुए अपने आराध्य को निशान अर्पण करेंगे। शहर के विभिन्न संस्थाएं जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत करेगी। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रोजाना मंदिर में सैकड़ो कार्यकर्ता तैयारी में लगे हुए हैं। इस बार हरमू रोड के श्याम मंदिर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है।

नगर निगम के बाहर मृत कर्मियों के परिजनों का अनिश्चितकालीन अनशन शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर निगम के दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों ने मंगलवार से नगर निगम कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। इनका कहना है कि या तो उन्हें पारिवारिक पेंशन और अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जाए या फिर सरकार उनकी जिंदगी ही खत्म कर दे। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा कि नगर निगम में काम करते हुए 52 कर्मचारियों की बीमारी से मृत्यू हो चुकी है। लेकिन नगर निगम मृतकों के परिवारवालों को न नौकरी दे रही है और न ही पेंशन दे रही है। इस पर नगर निगम का कहना है कि फिलहाल वैकेंसी नहीं है, लेकिन परिजनों का आरोप है कि वे वर्षों से सिर्फ आश्वासन ही सुनते आ रहे हैं। इस मामले को लेकर नगर निगम कार्यालय के बाहर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

मोहम्मद सहनवाज ने बताया कि 2003 में नगर निगम में कुली के पद पर काम करते थे। 2020 में पिता मुहम्मद हुसैन का निधन हो गया। इसके बाद अनुकंपा पर नौकरी लेने के लिए आवेदन दिया गया था। चार साल बीत गया, लेकिन मां को पेंशन नहीं मिला और न ही नगर निगम में नौकरी मिली। अनिता उरांव ने बताया कि पति फोर्थ ग्रेड पर काम करते थे। 2011 में गंभीर बीमारी से मौत हो गई। 14 साल हो गया। उस समय में लगभग दस हजार रुपए मिला था। इसके बाद से काम के लिए नगर निगम पर आवेदन जमा किए। इसके बाद भी न पेंशन मिल रहा है ओर न नौकरी दी जा रही है। घर चलाने के लिए दूसरे लोगों के घरो में दाई का काम करते हैं और परिवार चला रहे हैं। रातू की रीमा कुमारी ने कहा कि 16 किमी दूर से फोर्थ ग्रेड पर काम करने नगर निगम आते थे। 2018 में बीमारी होने से मृत्यु हो गयी थी। नगर निगम की ओर से इलाज कराने के लिए पैसा भी नहीं मिला। लगभग 15 साल काम किए थे। नौकरी में काम पाने के लिए नगर निगम को लिखित आवेदन जमा किए। इसके बाद भी आज तक न नौकरी मिली और न ही पेंशन मिला।

मारवाड़ी कॉलेज की छात्राओं को मिला साइबर सुरक्षा सेल्फ डिफेंस व कानूनी अधिकारों पर प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिला सशक्तिकरण के तहत परिवर्तन संस्था द्वारा बुधवार को मारवाड़ी कॉलेज में "श्रीशक्ति" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खासकर महिला छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव और स्वास्थ्य-संवर्धन के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान, श्रीशक्तिः जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले सत्र में विशेष रूप से महिला छात्रों को लीगल राइट्स के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर अपराधों से बचाव, और स्वास्थ्य व स्वच्छता के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान उपस्थित विशेषज्ञों ने छात्रों के सवालों का समाधान भी किया।

कार्यक्रम में रांची एसडीएम उत्कर्ष कुमार, सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) आदित्य पांडेय, मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ। मनोज कुमार, डीएसओ शिवेंद्र कुमार सिंह, डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद, डॉ। विनय भरत (विभागाध्यक्ष, सहायक प्रोफेसर), डॉ। सरिता लकड़ा (एसपीओ, टीआरआईएफ), निखार बरनवाल (सहायक लोक अभियोजक), पंकज कुमार सिंह (साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ), मनीष मिश्रा (पुलिस कराटे कोच), डॉ। एसपी महतो (प्रोफेसर प्रभारी), और अन्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र में एसडीएम उत्कर्ष कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण आपस में गहरे तौर पर जुड़े हुए हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य उनके सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण है और इसे बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी है। इसके अलावा महिलाओं को उनके स्वास्थ्य, अधिकार और सेवाओं के बारे में जागरूक करना भी आवश्यक है।साइबर सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण पर भी उन्होंने बात की और कहा कि साइबर सुरक्षा महिलाओं को ऑनलाइन सुरक्षित रखने और उनके डिजिटल अधिकारों की रक्षा करने में सहायक हो सकती है।

डॉ। मनोज कुमार ने भी महिलाओं को ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि महिलाओं को पासवर्ड सुरक्षा और डेटा सुरक्षा के बारे में जानकारी देना जरूरी है।

डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद ने भी साइबर सुरक्षा पर अपने विचार साझा किए और बताया कि महिलाओं को साइबर सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने बताया कि महिलाएं साइबर सुरक्षा नंबर 1930 पर संपर्क करके मदद ले सकती हैं।अब 6 और 7 मार्च को अलग-अलग प्रशिक्षण सत्रों के दौरान स्वरक्षा (सेल्फ डिफेंस), साइबर सुरक्षा और कानूनी जागरूकता पर और भी जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और उपहार भी वितरित किए जाएंगे। साथ ही परिवर्तन संस्था द्वारा छात्राओं को दो दिनों तक कराटे का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

रांची जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता 20 मार्च से, 18 मार्च तक प्रविष्टि स्वीकार

रांची : रांची जिला वॉलीबॉल संघ 20 मार्च से रांची जिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में वॉलीबॉल को बढ़ावा देना और प्रतिभावान खिलाड़ियों को चिन्हित करना है। प्रतियोगिता में केवल रांची जिले की टीमें ही भाग ले सकती हैं। इच्छुक टीमें आयोजन समिति के पदाधिकारियों से संपर्क कर 18 मार्च तक अपनी प्रविष्टि जमा कर सकती हैं। सभी मुकाबले ऑक्सीजन पार्क स्थित वॉलीबॉल मैदान में खेले जाएंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो आगे जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रांची में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन 12 को

रांची : रांची में कवि सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से 12 मार्च की रात 9 बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में होली के अवसर पर होने वाले आयोजन को लेकर कवि सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया और मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बुधवार को बताया कि इस वर्ष भी उत्साह एवं उमंग के पावन पर्व होली के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित की जाएगी। इसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त हास्य कवि सुनील पॉल (लाफ्टर चैलेंजर), ठहाको के सरदार जानी बैरागी, हास्य व्यंग कवि रमेश मुस्कान, इटावा वीर रस के कवि गौरव चौहान, श्रृंगार रस की प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. भुवन मोहिनी और हास्य–व्यंग्य के कवि शशिकांत यादव पहुचेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार आयोजन में समिति की ओर से चार नए सदस्यों अंजय सरावगी, हरिशंकर कनोडिया, निर्भय शंकर हरित एवं चंद्र प्रकाश धेलिया को जोड़ा गया है। वहीं समिति के सचिव अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि कवि सम्मेलन मे प्रवेश निःशुल्क है और महिलाओं के बैठने की विशेष व्यवस्था की गई है। दर्शकों के लिए एलईडी भी मैदान में लगाए जाएंगे।

आदिवासी कल्याण विभाग की नई पहल : गरीब छात्रों को मिलेगी प्रतियोगी परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग

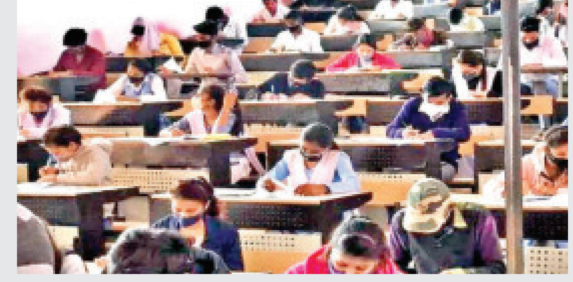

रांची : आदिवासी कल्याण विभाग ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे आदिवासी छात्र–छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग ने ऐसे छात्रों को विशेष कोचिंग की सुविधा देने का फैसला किया है जो प्रतिभाशाली होने के बावजूद अच्छे कोचिंग संस्थानों से वंचित रहते हैं। इस पहल के तहत खूंटी जिले में 100 आदिवासी छात्रों को बिरसा कॉलेज में कोचिंग दी जाएगी। इससे पहले, "संपूर्ण शिक्षा कवच" नामक पहल के तहत जिला प्रशासन कमजोर आय वाले छात्रों को निःशुल्क नीट और जेईई की कोचिंग प्रदान कर रहा है, जिससे हर साल कई छात्र इन परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा शुरू की जा रही यह नई कोचिंग योजना भी इसी प्रकार गरीब और प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च शिक्षा की ओर बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। कोचिंग के लिए छात्रों का चयन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। आईटीडीए परियोजना के निदेशक आलोक शिकारी कच्छप ने बताया कि राज्य सरकार सभी जिलों में आदिवासी छात्र–छात्राओं के लिए कोचिंग की सुविधा प्रदान करने जा रही है। एक अच्छी एजेंसी को हायर किया जाएगा, जिसके बाद 100 छात्र–छात्राओं का चयन कर कोचिंग शुरू की जाएगी। यह कदम निश्चित रूप से गरीब और प्रतिभाशाली छात्रों के लिए एक बड़ी सहायक पहल साबित होगा।

चीफ जस्टिस समेत तीन जजों की कोर्ट में आज से न्यायिक कार्य के लिए नहीं जाएंगे हाई कोर्ट के वकील

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के सभी अधिवक्ता गुरुवार से चीफ जस्टिस समेत तीन जजों की कोर्ट में न्यायिक कार्य के लिए नहीं जाएंगे। चीफ जस्टिस के अलावा जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस आर मुखोपाध्याय की कोर्ट में भी वकील नहीं जाएंगे। झारखंड हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की बुधवार को जेनरल बॉडी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके साथ ही हाई कोर्ट की कोलेजियम से झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों के नाम जजों के लिए नहीं भेजने के निर्णय का विरोध भी किया। एसोसिएश ने प्रस्ताव पास कर कहा कि लिए गए निर्णय का विरोध करने वाले वकीलों की एडवोकेट एसोसिएशन से सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। बैठक में तय किया गया कि इन सब मामलों पर बात करने के लिए एसोसिएशन एक प्रतिनिधिमंडल का गठन करेगा, जो दिल्ली जाकर बार कौंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, केंद्रीय कानून मंत्री, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस और कोलेजियम के सदस्यों से मुलाकात करने की व्यवस्था करेगा। एसोसिएशन की अगली बैठक दस मार्च को होगी, जिसमें प्रतिनिधिमंडल गठन करने के मामले में हुई प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना वर्तमान में उठाए गए कदम की समीक्षा की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और सांसद डॉ के लक्ष्मण बनाए गए पर्यवेक्षक

रांची : भाजपा संसदीय बोर्ड ने झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन के लिए दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों की घोषणा की है। केंद्रीय वन, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा सांसद डॉ के. लक्ष्मण को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

एक नजर

कूलिंग पॉन्ड में मिला अज्ञात महिला का शव

बोकारो : जिले के सेक्टर 9, हरला थाना क्षेत्र के बड़ा खटाल के सामने स्थित कूलिंग पॉन्ड में बुधवार को एक अज्ञात महिला का शव तैरता हुआ मिला। यह दृश्य देखकर स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत हरला थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। सुबह लगभग 8:30 बजे कुछ स्थानीय लोग जब रोजमर्रा के तरह टहलने के लिए कूलिंग पॉन्ड की ओर गए, तो उन्होंने पानी में एक शव को तैरता हुआ देखा। यह खबर पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गई, जिससे घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस को सूचित करने के बाद, एएसआई सुरेश दास के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर जांच शुरू की। शव एक महिला का था, जिसकी उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच आंकी गई। लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्महत्या का मामला है या हत्या की घटना। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा।

वाहन जांच अभियान चलाकर डीटीओ ने वसूला 3.50 लाख जुर्माना

बोकारो : चास मुफस्सिल थाना एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बालीडीह टॉल प्लाजा पर परिवहन विभाग द्वारा आज दिनांक 05 मार्च, 2025 दिन बुधवार को चलाएं गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 15 वाहनों से 03.50 लाख का जुमार्ना वसूली किया गया। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 15 वाहन से 03.50 लाख रुपए जुमार्ना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 40 वाहनों की जांच की गई, जिसमें रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल सहित ट्रैक्टर का निबंधन फेल होने को लेकर 15 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला गया एवं कुछ वाहनों को सीज किया गया।

सेक्टर 12 बी आवास में अवैध निर्माण पर बीएसएल ने चलाया बुलडोजर

बोकारो : सेक्टर 12 बी आवास में अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय निवासियों की लगातार शिकायतों के बाद बीएसएल प्रबंधन ने कार्रवाई की। प्राप्त शिकायतों में यह भी बताया गया था कि अवैध तरीके से बने कमरे का उपयोग शादी, विवाह, बर्थडे पार्टी आदि के लिए किराए पर दिया जाता था, जिससे आसपास के पड़ोसियों में असुविधा और परेशानी की लहर दौड़ गई थी। बीएसएल द्वारा निर्गत आवास को रद्द करने के बावजूद भी नहीं रोका। बीएसएल द्वारा नोटिस जारी होने के बावजूद, अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई नहीं की जाने के कारण मामला संपदा न्यायालय में चला गया। अंततः संपदा न्यायालय की कार्रवाई के बाद बीएसएल ने बुलडोजर चला कर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया और संबंधित क्वार्टर को निरस्त कर दिया गया।

चिन्मय विद्यालय में दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में विषय पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस विषय का मुख्य उद्देश्य है नैतिकता के प्रयोग द्वारा विद्यालय के छात्रों को एक दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार द्वारा मदद करना तथा विशिष्ट तरीके से एकजुट करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, सूरज शर्मा, प्राचार्य, चिन्मय विद्यालय सह रिसोर्स पर्सन, शिव शंकर यादव प्राचार्य, बी.आई.एस.एस.एस सेक्टर-11डी सह रिसोर्स पर्सन एवं उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। दोनो ही रिसोर्स पर्सन को पौधा एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 52

प्रतिभागियों को 8 समूह में बांटकर प्रशिक्षण कराया गया। कार्यक्रम की प्रस्तुति रिसोर्स पर्सन प्राचार्य सूरज शर्मा एवं प्राचार्य शिव शंकर यादव के द्वारा अति सुंदर ढंग से की गई। इसमें प्रतिभागियों ने हर सत्र को प्रसन्नतापूर्वक पूरा किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने बहुत ही सरल भाषा का प्रयोग करते हुए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते है हम अपने व्यवहार और कार्यशैली से उनके जीवन पर अमिट छाप छोड़ते हैं। किसी बच्चे का पहला स्कूल घर और पहले शिक्षक माता-पिता होते हैं। यह अति महत्वपूर्ण है कि हम अपने बच्चे और विद्यार्थियों के समकक्ष कैसा आचरण करते हैं। ईमानदारी, नैतिकता और सत्यनिष्ठा के गुण हमें अपने विद्यार्थियों में प्रारंभ से ही समावेशित करना चाहिए। यह उस नैतिक आचरण को संदर्भित करता है जो मानवीय मूल्यों को सम्मान करता है। और विद्यार्थियों के बीच विश्वास को प्रेरित करता है। रिसोर्स पर्सन शिव शंकर यादव ने अपने अनोखे अंदाज से सभी को कार्यशाला में बांधे रखा। उन्होंने कई गतिविधियां भी शिक्षकों से करवाई। उन्होंने कहा कि बचपन से ही लाईफ स्कील के माध्यम से शिक्षा देनी चाहिए। समाज में विद्यालय वो स्थान है जहाँ छात्र भविष्य के धराहर के रूप में होते है । शिक्षक बच्चों को जीवन में आदर्श, ईमानदार व सत्यनिष्ठा से जीना सिखाते है। और जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करते है। शिक्षक समाज व विश्व के मुख्य रचनाकार होते है।

चंदनकियारी में 15वें वित्त आयोग के तहत पीसीसी पथ का हुआ शिलान्यास

बोकारो : 15 वे वित्त आयोग के अंतर्गत चंदनकियारी के मोहाल पूर्वी पंचायत के गोटेसवर शिव मंदिर धाम से शमशान घाट तक के पीसीसी पथ का शिलान्यास स्थानीय मुखिया शीतल सिंह और ग्रामीणों द्वारा संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया। मौके पर मुखिया शीतल सिंह ने कहा की यह सड़क एक महत्वपूर्ण सड़क है जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा कई वर्षो से मांग की जा रही थी यह सड़क बन जाने से लोगो को शमशान घाट जाने में सुविधा होगी , वही उन्होंने संवेदक से गुणवत्ता युक्त काम करने की बात कही। मौके पर अभिकर्ता माणिक सिंह प्रदीप सिंह साधन सिंह व ग्रामीण आदि लोग मौजूद थे।

झामुमो का सदस्यता अभियान समारोह अंगार पथरा में किया गया आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झारखंड मुक्ति मोर्चा का सदस्यता अभियान समारोह आज अंगार पथरा स्थित मधुर मिलन के समीप आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य नीलम मिश्रा को सम्मानित करते हुए वार्ड 4 की भावी प्रत्याशी वंदना सिन्हा ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में दर्जनों लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और सदस्यता रसीद प्राप्त की। पार्टी के सदस्य बनने के लिए उपस्थित लोगों का उत्साह दिखाई दिया। सदस्यता अभियान के दौरान पार्टी ने प्रदेश में अपनी स्थिति को और मजबूत करने का संकल्प लिया और नए सदस्य जोड़ने के लिए अपना अभियान तेज किया। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के धनबाद जिला के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय सदस्य रमेश टुडू, धनबाद महानगर संयोजक मंडली सदस्य मंटू चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, करतास महानगर संयोजक मंडली सदस्य सुमित महतो, कृष्णा लाला, विकी मालाकार, बंटी सिंह, घंटू त्रिगुणायत, वरीय नेता सुरेश लाल, अमित यादव, साहिल खान, आदेश पासवान, रंजीत रवानी, अमर पासवान, धनंजय विश्वकर्मा, सुमित यादव, संतोष राउत, मनोहर कुमार, शहीद खान, चंदन तुरी, मनु चौहान सहित पार्टी के अन्य प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन दिवसीय लघु पत्रिका मेला के दौरान कई पुस्तकों का हुआ विमोचन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : लिंडसे क्लब हीरापुर धनबाद में शिल्पे अनन्या पत्रिका द्वारा तीन दिवसीय लघु पत्रिका मेला के दौरान कई पुस्तकों का विमोचन में प्रो. गौतम मुखर्जी और राजकुमार सरकार के द्वारा संपादित कर्म वीर प्रो. डॉ.दीपक कुमार सेन पर संपादित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में डॉ.दीपक कुमार सेन पर देश के जाने-माने 54 लेखकों और कवियों के द्वारा उनके संबंध में लिखा गया है। वह उनके द्वारा मासिक बांग्ला पत्रिका शिल्पे अनन्या पर 1977 से बुधवार तक किए गए काम और उनके व्यक्तिगत जीवन सामाजिक जीवन को जोड़कर लिखा गया है। यह पुस्तक बहुत ही उम्दा किस्म का है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

का संचालन करते हुए समिति के सचिव डॉक्टर काशी नाथ चटर्जी ने इसके संयुक्त संपादक प्रोफेसर गौतम मुखर्जी और राजकुमार सरकार को बहुत-बहुत बधाई दिया । प्रो. डॉ. गौतम मुखर्जी रांची विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर है उनके द्वारा बांग्ला में सैकड़ो किताबें लिखी गई है। राजकुमार सरकार ग्रामीण परिवेश बलियापुर मोको से आते हैं उनके द्वारा बंगला में सैकड़ो किताब लिखी गई है। वह काफी लोकप्रिय लेखक है। विमोचन कार्यक्रम में डॉक्टर काशी नाथ चटर्जी , पलाश विश्वास, प्रो. तन्मय वीर, वरिष्ठ अधिवक्ता सोमनाथ चौधरी, पत्रकार जयप्रकाश मिश्रा, पत्रकार अशोक गिरी, पंजाब की लेखिका उर्मिल मोंगा व गुरुवक सिंह मोगा बंगाल से आई पत्रकार मीनाक्षी उपस्थित थी।

इंस्पायर मानक अवार्ड में डीपीएस बोकारो का रहा शानदार प्रदर्शन

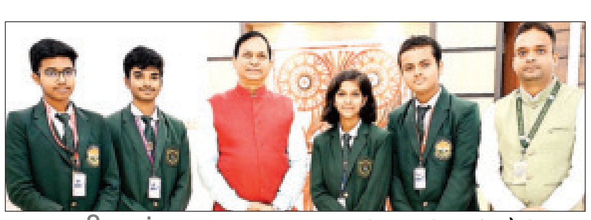

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीपीएस बोकारो के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर अपनी कुशल वैज्ञानिक प्रतिभा का परचम लहराया है। स्कूली छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता और वैज्ञानिक नवोन्मेषता को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित इंस्पायर मानक अवार्ड योजना में लगातार इस साल भी डीपीएस बोकारो का दबदबा बरकरार रहा। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विद्यालय के चार विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। इनमें सातवीं कक्षा की छात्रा श्रेष्ठा चतुर्वेदी, कक्षा - 8 की आयुषी शर्मा, नौवीं कक्षा के छात्र आरुष प्रियदर्शी तथा 10वीं के कृष वर्मा के नाम शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक विद्यार्थी को भारत सरकार की ओर से जिला-स्तरीय प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता के लिए अपना नवोन्मेषी आविष्कार तैयार करने के निमित्त 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन सह सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। सभी को सरकार की तरफ से प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं।

बच्चों ने किए एक से बढ़कर एक आविष्कार

इस वर्ष इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालय के चारों छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आविष्कार कर समाजहित, राष्ट्रहित व जनहित की दिशा में महत्वपूर्ण नवाचार का प्रदर्शन किया है। श्रेष्ठा चतुर्वेदी ने वेब एवं मोबाइल आधारित वाटर मैपिंग मॉनिटरिंग सिस्टम इजाद किया है। सैटेलाइट तकनीक के जरिए इसकी मदद से जल-संसाधन तथा इसकी कमी आदि का पता लगाया जा सकेगा। इसी प्रकार आयुषी शर्मा ने बीच रास्ते वाहन चालकों को झपकी आ जाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण आविष्कार किया है। दृष्टि दोपक-एंटी स्लीप ग्लासेज ड्राइविंग नामक इस प्रोजेक्ट के लिए उसे योजना में चुना गया, जिसमें चालकों की आंखों की पलक झपकने की गतिविधि पर सेंसर काम करता है। आयुषी इसके पहले भी स्कूली छात्राओं के लिए बायोमेट्रिक तकनीक आधारित सैनिटरी पैड बॉक्स प्रोजेक्ट के लिए इंस्पायर मानक में चयनित हो चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बीएसएल ने कार्यक्रमों का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 08 मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष ,अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 की थीम महिलाओं के अधिकारों को तेजी से सुनिश्चित करने पर जोर देती है। इस पृष्ठभूमि में बीएसएल में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन लगातार जारी है जिसके माध्यम से इस मुहीम को आगे ले जाने में बीएसएल अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में बोकारो स्टील प्लांट में महिला समिति संचालित स्वावलंबन केंद्र में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन तथा ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में महिलाओं के अधिकार के विषय पर 'आकांक्षा' नामक एक टॉक शो का आयोजन किया गया। सुडोकू, गोलमाल है तथा खेलकूद एवं उड़ान जैसे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुडोकू प्रतियोगिता प्रतिभागियों के संख्यात्मक और तार्किक कौशल पर

आधारित थी तथा गोलमाल है प्रतियोगिता रोचक और हल्की-फुल्की गतिविधियों व खेलों के माध्यम से अंतर-टीम संचार और एकजुटता को बढ़ावा देने का एक प्रयास था। बोकारो स्टील की महिला प्रतिभागियों की भागीदारी के साथ सुडोकू और गोलमाल है तथा खेलकूद एवं उड़ान प्रतियोगिता महिला कार्मिकों के लिए एक बड़ा ही रोचक कार्यक्रम रहा। गोलमाल है प्रतियोगिता में सुश्री चित्रा पाराशर, सुश्री प्रीति कुमारी तथा प्रेरणा कुमारी की टीम को प्रथम स्थान, सुश्री आभा कुमारी, सुश्री स्नेहलता तथा सुश्री संगीता धर की टीम को द्वितीय स्थान एवं सुश्री आयुषी कुमारी, सुश्री भवानी हांसदा तथा सुश्री शालिनी प्रसाद की टीम को तृतीय स्थान मिला।

जिले के अस्पतालों में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर संकट को लेकर हड़ताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारी लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण 3 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इन कर्मचारियों की हड़ताल के चलते जिले के प्रमुख अस्पतालों, जैसे सदर अस्पताल बोकारो, अनुमंडलीय अस्पताल चास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चास, चंदनक्यारी, पेटरवार आदि में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। सदर अस्पताल बोकारो में स्थिति इतनी खराब हो गई है कि हर जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वार्डों में साफ-सफाई न होने के कारण मरीजों को

कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मेडिकल टीम को भी इस अस्वच्छ वातावरण में काम करने में परेशानी हो रही है। अस्पताल में फैली गंदगी के कारण संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो महामारी फैलने की आशंका है। सरकार और प्रशासन इस गंभीर स्थिति को लेकर कोई ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। न ही झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्त कंपनी मेसर्स राइडर सर्विस सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड सेवा शर्तों का पालन कर रही है। वेतन न मिलने की समस्या के बावजूद न तो कोई अधिकारी कर्मचारियों से मिलने आया है और न ही उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों को उनकी नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है, जिससे उनके भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पहले ही वेतन न मिलने से परेशान कर्मचारी अब इस डर में हैं कि कहीं उन्हें नौकरी से निकाल न दिया जाए। यह स्थिति न केवल कर्मचारियों बल्कि पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को उम्मीद होती है कि वहां उन्हें अच्छा इलाज और सुविधा मिलेगी, लेकिन वर्तमान स्थिति ऐसी हो गई है कि मरीजों को स्वस्थ होने की बजाय और अधिक बीमार होने का डर सता रहा है। जो डॉक्टर अस्पताल में कार्यरत हैं, वे भी गंदगी के कारण वहां काम करने से बचने लगे हैं। बोकारो सदर अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों की स्थिति दयनीय हो चुकी है। यदि जल्द से जल्द सरकार और प्रशासन इस समस्या का समाधान नहीं करते हैं, तो यह जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बहुत बड़ा संकट बन सकता है। सरकार को चाहिए कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करे, उनके वेतन का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए और अस्पतालों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बहाल करने के लिए उचित कदम उठाए जाएं।

संक्षिप्त खबरें

अनाथालय विद्यालय पोखरिया में बच्चों के बीच भोजन व वस्त्र का हुआ वितरण

धनबाद : जैन सिंह ने अपने धर्मपत्नी स्व सरिता सिंह के प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली अर्पित कर पेमिया ऋषिकेश अनाथालय विद्यालय पोखरिया मे बच्चों के बीच भोजन वितरण तथा वस्त्र वितरण किए। जिसमें मुख्य रूप से संस्था के संस्थापक सदस्य मथुरा प्रसाद महतो के पुत्र दिनेश महतो, बसंत महतो, अभिषेक पॉल,बाबु नाथ महतो, सुमित कुमार महतो, छोटू तिवारी, बिरु सिंह, राजेश महतो, टूंडी क्षेत्र के गणमान्य सहित विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

एनसीटीई विनियम के संदर्भ में बीबीएमकेयू के शिक्षक संघ ने राष्ट्रीय परिषद को भेजी अपनी प्रतिक्रिया

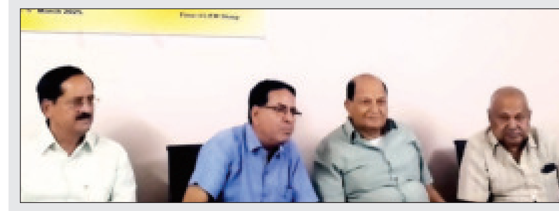

धनबाद : शिक्षक यूनियन का नई एनसीटीई विलियम 2025 के संबंध में कुछ चिंताएं हैं जो उन्होंने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद को भेजा है। शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों का कहना है कि मौजूदा प्रस्तावित विनयम 2025 मैं किसी भी एकल शिक्षा संस्थान को समग्र शिक्षा संस्थान में परिवर्तन करने के लिए बहुत जटिल प्रक्रिया बताई गई है। जिसकी वजह से कोई भी एकल शिक्षा संस्थान का समग्र शिक्षा संस्थान में परिवर्तित होना बहुत मुश्किल होगा। इसलिए उनका कहना है कि इस प्रक्रिया को थोड़ा आसान किया जाना चाहिए। उनका यह भी कहना है की उनकी इकाई से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग अनुचित है। क्योंकि सभी मौजूदा शिक्षा संस्थानों ने पहले ही एनओसी प्राप्त कर ली है। उनका यह भी कहना है कि विनियम 7 के तहत संबंधित राज्य सरकार से सिफारिश या टिप्पणियां प्राप्त करना अनिवार्य है जो कि मौजूदा अध्यापक शिक्षा संस्थान के लिए अनावश्यक है। उनका यह भी कहना है की प्रस्तावित विनियम का खंड आठ स्पष्ट करता है कि योग्य संकाय सदस्यों की नियुक्ति को सुगम बनाने के लिए एल ओ आई की एक प्रति जांच निकाय को भी भेजी जाएगी, जो की खंड संस्था को दिए गए अधिकार के विरुद्ध है। क्योंकि यह संस्था के संकाई सदस्यों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति के अधिकार का अतिक्रमण करता है ।

नंदलाल महतो का आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर में हुआ चयन, लोगो ने दी बधाई

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड अंतर्गत लुपुंग पेरतोल निवासी नंदलाल महतो पिता सीताराम महतो का आई टी आई ट्रेनिंग आफिसर में चयन हुआ बता दें की नंदलाल महतो एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं पिता ट्रक ड्राइवर है उसके बावजूद अपने बेटे को शिक्षा दीक्षा दिए आर्थिक स्थिति खराब होने के बाद भी लगन और मेहनत से सफलता पाकर अपने परिवार गांव समाज का नाम रोशन किया इस सफलता पर जे पी हाई स्कूल के सचिव डॉ अमर कुमार चौधरी जिला परिषद अनुराधा मुंडा डॉ रीझू नायक मुस्तफा अंसारी अब्दुल इमाम अंसारी जलनाथ चौधरी मनोज कुमार चौधरी नरेश साहू सुरेंद्र महतो राम शाय मुंडा आतिश महतो सिकेंदर अंसारी संजय नायक प्राचार्य ब्रजेश कुमार महतो कुर्मी समाज के प्रदेश महासचिव कारीनाथ महतो बृजलाल महतो मोहन महतो विमला कुमारी राम लाल महतो सकल नाथ महतो राजू महतो फलिंदर महतो राजीव चौधरी धनेश्वर महतो ने बधाई दिया।

अनुमंडलीय साहू समाज की हुई बैठक

बरही : आगामी होली मिलन समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने को लेकर बरही अनुमंडलीय साहू समाज की बैठक क्वालिटी इन होटल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडलीय साहू समाज के अध्यक्ष अमित साहू ने की। बैठक में समाज के गणमान्य सदस्यों और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उपस्थित समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि होली एक महान पर्व है, जो आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देता है। इसे और खास बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समारोह को सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों से भरपूर बनाया जाएगा, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग इसका आनंद उठा सकें। अध्यक्ष अमित साहू ने कहा कि होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी एकता और सौहार्द का प्रतीक भी है। साहू समाज के सभी सदस्य हर वर्ष इस त्योहार को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि होली के अवसर पर सभी समाज के लोग एकजुट होकर मिलते हैं और गले लगकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने समाज के सभी लोगों से अनुरोध किया कि वे इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दें।इस महत्वपूर्ण बैठक में साहू समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें विनय साहू, गणेश साहू, अनुज साहू, राजेश साहू, दीपक गुप्ता, लालेश साहू, प्रकाश साहू, संजय साव, सुधीर गुप्ता, यमुना साव समेत समाज के कई अन्य सदस्य शामिल थे। सभी ने एकमत से कहा कि होली मिलन समारोह को समाज की एकजुटता और परंपरा को मजबूत करने का जरिया बनाया जाएगा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : भारत सरकार के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 3 मार्च से देशव्यापी मेगा एमएसएमई आउटरीच अभियान की शुरुआत की। इस कड़ी में आज इस अभियान का उद्घाटन डॉ. माइकलराज एस. आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, बोकारो प्रक्षेत्र द्वारा श्री अनिल कुरील मुख्य महाप्रबंधक केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई, श्री बैजनाथ सिंह अंचल प्रमुख अंचल कार्यालय रांची वह श्रीमती दीपमाला लकड़ा क्षेत्र प्रमुख धनबाद की उपस्थिति में बोकारो में किया गया। इस अभियान के अंतर्गत बैंक के उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाले एमएसएमई उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें एमएसएमई सुपरफास्ट, युवाशक्ति, यूनियन नारीशक्ति एवं अन्य योजनाएँ शामिल हैं। साथ ही, सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और वित्तीय समावेशन पहलों की भी जानकारी दी गई।

साहिबगंज में सिविल सर्जन ने किया कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बुधवार को सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ प्रवीण कुमार संथालिया के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियो के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर मदनशाही, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तालझारी के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर भगियामारी, करनपुरातो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तालझारी का औचक निरक्षण किया गया। निरक्षण के दौरान सिविल सर्जन के द्वारा ओपीडी

रजिस्टर, उपस्थिति पंजी, पेशेंट वार्ड एवं अस्पताल में साफ-सफाई आदि को देखे। निरक्षण के दौरान कुछ स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित पाए गए,जिसे देख सिविल सर्जन काफी रोष प्रकट किए और सभी अनुपस्थित कर्मीयों को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिए की किन परिस्थितियों में आपलोग अनुपस्थित थे। सिविल सर्जन के द्वारा उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी एवं पारामेडिकल कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समय पर ड्यूटी आकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने को कहा गया। साथ ही सिविल सर्जन के द्वारा एमडीए कार्यक्रम का भी मॉनिटरिंग किया गया एवं उपस्थित एमडीए पर्यवेक्षक को एमडीए से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए और जहां जहां दवा बांटा गया है वहां पर पुनः क्षेत्र भ्रमण करके दवा सामने खिलवाने को कहा गया। मौके पर सीएचओ, एएनएम, एवं सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

ट्रक ने मोटरसाइकिल को धक्का मार कर किया क्षतिग्रस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को टेकबथान गांव में ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गया वहीं मोटरसाइकिल चालक बाल-बाल बच्चे। जानकारी के अनुसार कोठी बगीचा गांव निवासी प्रदीप यादव प्रत्येक दिन की तरह बुधवार की सुबह 9 बजे उक्त गांव के ग्वालानो से दूध लेकर मोटरसाइकिल में सवार होकर मंगलहाट की ओर निकल ही रहे थे की इसी दौरान मिट्टी से लोडेड ट्रक बेक होते हुए मोटरसाइकिल के ऊपर से रौंदते हुए परखच्चे उड़ा गए। मोटरसाइकिल में बैठे दूध व्यवसाय बाइक चालक प्रदीप यादव अपनी सूझबूझ से मौके पर मोटरसाइकिल को छोड़कर चिल्लाते हुए भाग कर अपनी जान बचाई, नहीं तो

बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। इतने में ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई हालांकि मोटरसाइकिल चालक को हल्की-फुल्की छोटे लगी है उन्हें प्राइवेट क्लीनिक में प्राथमिक उपचार कराया गया। उधर मौका देखते ही ट्रक चालक ट्रक को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रक रामकृपाल सिंह सड़क चौड़ीकरण में कार्य करने वाली मिट्टी ढुलाई करने की बात बताई है। ग्रामीणों ने ट्रक चालक की लापरवाही का विरोध करना शुरू कर दिया। हाला की खबर लिखे जाने तक समझौता की बात चल रही थी।

पटमदा, बोड़ाम और कमलपुर थाना में भूमि समाधान दिवस का हुआ आयोजन

पटमदा: सरकार द्वारा निर्देश के आधार पर जिले के सभी थाना में सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को भूमि विवाद समाधान दिवस मनाया जाता हैं। इस दौरान पटमदा थाना में कुल चार केस आए। जिसमें एक केस का समाधान कर लिया गया है। तीन केस प्रक्रिया अधीन है। जिसका अगले सप्ताह विचार होगा। वही कमलपुर थाना में कुल पांच केस आए। जिसमें एक केस का समाधान किया गया है। चार केस प्रक्रिया अधीन है। पटमदा अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र दास ने बताया कि क्षेत्र के विभिन्न थाना से आने वाले भूमि विवाद से संबंधित मामले को थाना दिवस में दोनों पक्षों से चर्चा के दौरान समाधान करने का प्रयास किया जा रहा हैं। ताकि सभी को अपना अधिकार मिल सके। इस दौरान थाना कर्मी,शिकायतकर्ता ग्रामीण,अंचल कर्मी मौजूद थे।

आईआईएम बौद्धगया में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 9 मुखिया लेंगी भाग

पाकुड़ : पंचायती राज विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा प्रबंधन विकास कार्यक्रम के तहत आईआईएम, बौद्धगया में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण 08 से 12 तक पाकुड़ जिले से 09 मुखिया प्रशिक्षण में भाग लेंगी जिसमें अमड़ापाड़ा प्रखंड के बोहरा पंचायत की मुखिया क्रांति कुमारी, हिरणपुर प्रखंड के तोड़ाई पंचायत की मुखिया तेरेसा टुडु, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के तालपहाड़ी पंचायत की मुखिया मीनू हांसदा, महेशपुर प्रखंड के शहरग्राम पंचायत की मुखिया सुजाता हेम्ब्रम, पोखरिया पंचायत की मुखिया सुरुधनी मुर्मू, पाकुड़ प्रखंड के दादपुर पंचायत की मुखिया बड़की हेम्ब्रम, मालपहाड़ी पंचायत की मुखिया सविता हेम्ब्रम एवं पाकुड़िया प्रखंड के बन्नोग्राम पंचायत की मुखिया अनीता हेम्ब्रम एवं तेतुलिया पंचायत की मुखिया मोनिका हेम्ब्रम प्रशिक्षण में भाग लेंगी।

आजीविका उत्पाद प्रदर्शनी मेला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी पलाश के तत्वावधान में बोरियो प्रखंड में प्रखंड स्तरीय उत्पादक समूहों का आजीविका उत्पाद प्रदर्शनी मेला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण उत्पादक समूहों द्वारा निर्मित आजीविका उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन और ब्रांडिंग को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला वित्त प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं झारखंड ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक सहित जेएसएलपीएस के बीपीएम, एफटीसी, सीसी, पीआरपी, कैडर एवं सखी मंडल की दीदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्थानीय उत्पादों को मिला मंच

प्रदर्शनी में कृषि उत्पाद, जैविक खाद्य सामग्री, हर्बल गुलाल, हर्बल उत्पाद, अचार, मसाले एवं अन्य स्वदेशी उत्पादों की स्टॉल लगाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपने उत्पादों के विपणन के लिए मंच प्रदान करना था।

उत्कृष्ट उत्पादक समूहों को किया गया सम्मानित

मेले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उत्पादक समूहों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया ताकि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता और नवाचार में और सुधार कर सकें।

बाजार से जोड़ने की पहल

कार्यक्रम के दौरान वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने महिला उत्पादक समूहों को विभिन्न योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही उत्पादक समूहों को वित्तीय सहायता और विपणन तकनीकों की जानकारी देकर बाजार से जोड़ने की पहल की गई।

भविष्य में बड़े स्तर पर आयोजन की मांग

उपस्थित अतिथियों एवं समुदाय के लोगों ने इस आयोजन की सराहना की और इसे भविष्य में और बड़े स्तर पर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नवनियुक्त झामुमो जिला अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष का कार्यकाताओं ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ (हिरणपुर) : जिले के झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम व जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली से उनके आवास में झामुमो के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य शाहिद इकबाल, झामुमो नेता विकास साहा एवं पूर्व नगर अध्यक्ष मनोज ठाकुर आवास पहुँचकर पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएं दी एवं पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली को भी उनके आवास में बुके देकर शुभकामनाएं दी एवं आभार प्रकट किया। मौके पर नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, नूर आलम, नजरुल इस्लाम, जहूर आलम, कदम रसूल, फरिजुद्दीन, तेज नारायण भगत, रियाज अंसारी, शहीद अली आदि मौजूद थे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को जिला शिक्षा अधीक्षक ने दी विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय प्रकोष्ठ में बुधवार को इस जिले के विभिन्न प्रखंडों से हुए सेवा निवृत शिक्षकों को उनके सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित कर कुल 23 शिक्षक एवं शिक्षिका को भाव भीनी विदाई दी गई। इस दौरान कुल 14 शिक्षक व शिक्षिका उपस्थित थे। शेष अपरिहार्य कारण से उपस्थित नहीं हो पाए। सेवा निवृत शिक्षकों में बेबी रानी पाल, रामबिलास सिंह, अशोक कुमार झा, मो नईमुद्दीन, द्रोपदी कुमारी, मो अतिकुर रहमान, गौतम हाजरा, हरिहर प्रसाद, विजय कुमार साह, हेमंत कुमार राय, दिलीप रमानी, लताफत हुसैन, रविन्द्र कुमार झा, विजय कुमार चौधरी इस अवसर पर उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष ने सभी को शाल ओढ़ा कर एवं गले में माला पहनाकर सम्मानित किए। इस दौरान डीएसई ने कहा आप एक राष्ट्र निमार्ता हैं। मैं भी एक शिक्षक पुत्र हूं। समाज के निर्माण में आपकी क्या भूमिका रही हैं। मैं अच्छी तरह जानता हूं। आपने मेहनत कर शिक्षा क्षेत्र में बच्चों को देश के उच्च पद पर उन्हें पहुंचने का काम किया है।

अवैध देशी शराब पर सख्त हुआ प्रशासन

पाकुड़ : जिले में मंगलवार देर रात को उत्पाद विभाग के द्वारा पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत गुलदाहा ग्राम में छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के क्रम में 7 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 110 किलोग्राम अवैध जल मिश्रित जावा महुआ बरामद किया गया। जल मिश्रित जावा महुआ को घटना स्थल पर विनष्ट किया गया एवं अभियुक्त के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

सहायक शिक्षक मोहम्मद मुख्तार आलम का निधन

हैदलाइन (ईचागढ़) : कुकड़ु प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चौड़ा उर्दू के सहायक शिक्षक मोहम्मद मुख्तार आलम की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वह पिछले एक साल से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज रिम्स, रांची में चल रहा था। कुकड़ु प्रखंड के चौड़ा मांझी टोला निवासी दिवंगत मोहम्मद मुख्तार आलम अपने पीछे पत्नी और दो बच्चे छोड़ गए है। उनकी पत्नी पारा शिक्षक है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अब्दुल गफ्फार ने बताया कि मोहम्मद मुख्तार आलम वर्ष 2004 से पारा शिक्षक की नौकरी करते थे।

अवैध बालू परिवहन पर खनन विभाग की सख्ती जारी, 4 ट्रैक्टर जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति के नेतृत्व में खनन विभाग की टीम ने ईचागढ़ थाना क्षेत्र के छोटा चुनचुनरिया में अवैध बालू परिवहन के खिलाफ औचक छापेमारी की। इस दौरान चार ट्रैक्टरों को जब्त कर ईचागढ़ थाना को सुपुर्द किया गया। जिला खनन पदाधिकारी ज्योतिशंकर सतपती के अनुसार यह कार्रवाई अवैध खनन को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। जब्त किए गए वाहनों के मालिकों की पहचान की जा रही है और इस मामले में अग्रतर कानूनी कार्रवाई जारी है। खनन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और अवैध परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। अवैध खनन से पर्यावरण को नुकसान होता है और राजस्व की हानि भी होती है। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे अवैध खनन की जानकारी तुरंत संबंधित विभाग को दें ताकि सख्त कार्रवाई की जा सके।

उपायुक्त हेमंत सती ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने समाहरणालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट मशीनें चुनाव प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए

उनकी सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने वेयरहाउस में उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही उन्होंने कर्मियों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसडीपीओ ने महिला थाना का किया निरीक्षण

साहिबगंज/राजमहल : एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को राजमहल महिला थाना का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान महिला थाना प्रभारी पूजा कुमारी से विधि व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी लिया। किट परेड पंजी में सुधार लाने, थाना पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को स्वयं सुनकर सत प्रतिशत निस्तारण कराए जाने का निर्देश दिया। थाना में लंबित कांडों के निष्पादन की बात कही गई। उन्होंने दोषियों पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं थाना में आए फरियादियों को किसी भी प्रकार की डांट फटकार नहीं करनी है। उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उनकी समस्याओं का निदान सुनिश्चित करना है।

उपायुक्त ने नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदाता सूची विखंडीकरण कार्य का किया निरीक्षण

साहिबगंज: आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर उपायुक्त हेमंत सती ने बुधवार को नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आगामी नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची विखंडीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने मतदाता सूची में पारदर्शिता और शुद्धता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न रह जाए। उन्होंने पदाधिकारियों को समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली और नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन कार्य की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्ध होना आवश्यक है। इस मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह मौजूद थे।

मॉडल कॉलेज में डिप्लोमा पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय रांची विज्ञान एवं प्रवैधिकी जेयूटी के द्वारा मॉडल कॉलेज राजमहल को परीक्षा केंद्र बनाया गया। जिसमें डिप्लोमा पांचवें सेमेस्टर परीक्षा 2024 का आज से परीक्षा का प्रारंभ, स्वच्छ, शांतिपूर्वक एवं कदाचार मुक्त परीक्षा आयोजित की जा रही है। 300 छात्र छात्राओं का परीक्षा संचालन किया जा रहा है। इस परीक्षा का केंद्राधीक्षक मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह को बनाया गया। डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा परीक्षा शांतिपूर्वक कदाचार

मुक्त एवं स्वच्छ वातावरण में आयोजित की जा रही है। छात्र छात्राओं को बैठने पेयजल एवं अन्य सुविधा उपलब्ध है, जिससे छात्र छात्राओं को किसी भी तरह का कोई भी परेशानी न हो छात्र छात्राओं का पूरा ध्यान महाविद्यालय प्रशासन ने किया है। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज साहिबगंज का केंद्र बनाया गया, मॉडल कॉलेज राजमहल में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में इरिगेशन इंजीनियरिंग पावर सिस्टम एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का परीक्षा आयोजित किया गया। डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कुलपति झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी रांची के कुलपति एवं सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के प्रति आभार प्रकट किया है। साथ ही मॉडल कॉलेज में छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन के साथ अन्य गतिविधि भी की जा रही है ताकि जिले में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उच्च आदर्श स्थापित किया जा सके। मजिस्ट्रेट के रूप में दिनेश कुमार उपस्थित रहे। परीक्षा के सफल संचालन में परीक्षा नियंत्रक डॉ विवेक महतो, डॉ अमित कुमार, डॉ रमजान अली, डॉ अरविंद पांडे, अंकिता सिंह, राहुल कुमार, आनंद कुमार, मोहन कुमार, सुमित कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

आदेश सं0 281हजारीबाग / दिनांक 05.03.2025

-:सूचना:-

इस कार्यालय के द्वारा आमंत्रित ई0 अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–41/2024-25 जिसका पी0आर0 न0 PR 347532 (Rural Development) 2024-25 (D) के द्वारा आमंत्रित निविदा को अपरिहार्य कारण वश स्थगित किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
हजारीबाग

PR 347882 (Rural Development)24-25*D

Office:- Civil Surgeon-cum-Chief Medical Officer, Simdega

Recruitment Notice for District Programme Coordinator under Ayushman Bharat-MMJAY

Advertisement No. 01/2025 (PMJAY)

Civil Surgeon, Simdega invites application for contractual recruitment for the post of District Programme Coordinator under AB-MMJAY (Ayushman Bharat- Mukhyamantri Jan Arogya Yojna)

Sl. No.	Position	No. of Post	Desired Qualification and Experience	Remuneration (Rs./per month)	Age Limit
01	District Programme Co-ordinator	01 (UR)	• MBBS/MBA in healthcare or Master of Health/Hospital Administration or Master of Public Health full time regular university degree. • At least 2 years of experience in implementation of government health insurance programme or insurance industry or TPA (Third Party Administrator).	50,000.00	Upto to 45 Years

Terms and Conditions:

Relevant document can be downloaded from:- https://www.simdega.nic.in

- The desirous candidates having requisite qualification and fulfilling other eligibility condition may come for appearing in **Walk-in-Interview** along with filled application on prescribed format and all the certificates in original in support of their qualification experience in
  Venue :- Conference Hall of Deputy Commissioner, Simdega
  Date : 19.03.2025 Time :- 12.00 Noon Onwards
- No TA/DA will be paid to candidates attending the interview
- Chairman, Selection Committee will have the sole authority to accept or reject any application, if he is satisfied with the cause to do so, without assigning any reason thereof.
- Selection to be above post will be on the basis of meritorious academic, records and performance in the interview conducted by the District Administration
- Candidates with higher qualification will be given preference for the post.

Sd/-
Civil Surgeon-Cum CMO
Simdega.

PR 347866 (Simdega) 24-25 (D)

Sd/-
Deputy Commissioner
Simdega

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्ड्ल, कोडरमा**

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –08 / 2024–25

1. विज्ञापन दाता का नाम : कार्यपालक अभियंता,ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, कोडरमा
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक– 15.03.2025 से दिनांक–17.03.2025 (कार्यालय कार्य दिवस एवं समयावधि तक)
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक– 18.03.2025 (अपराह्न 3.00 बजे तक)
4. निविदा खुलने की तिथि : दिनांक 18.03.2025 (अपराह्न 3.30 बजे)
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,कोडरमा। (समाहरणालय परिसर)
   (ख) जिला योजना पदाधिकारी का कार्यालय,कोडरमा (समाहरणालय परिसर)
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, कोडरमा। (समाहरणालय परिसर)
7. कार्य का विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं0	प्रखण्ड का नाम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि (रुपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	सतगांवा	सतगांवा प्रखंड के बारोडीह उच्च विद्यालय में शौचालय का निर्माण कार्य	1348600.00	27000.00	2500.00	03(तीन)माह
2	कोडरमा	कोडरमा के ग्राम व पंचायत गोविंदपुर में आर0सी0डी0 रोड पावर हाउस से बागीडीह गाँव तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य	1635600.00	32800.00	5000.00	03(तीन)माह
3	जयनगर	ग्राम अम्बाडीह पंचायत तेतरीन में आर0सी0डी0 रोड से अम्बाडीह गाँव तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य	489200.00	9800.00	750.00	03(तीन)माह
4	जयनगर	ग्राम पंचायत गडगी शिवमंदिर आर0ई0ओ0 रोड से बासुदेव बहादुर यादव घर तक 1200 फीट पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य	1555000.00	31100.00	5000.00	03(तीन)माह
5	कोडरमा	कोडरमा प्रखंड के ग्राम व पंचायत चाराडीह में बजरंगबली चौक से वासुदेव राय के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य	1093500.00	21900.00	2500.00	03(तीन)माह

निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखें

PR 347826 Rural Development(24-25).D

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,कोडरमा

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता नामंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वही एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी को इस आधार पर आरोप-मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड सहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर-मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। सर्वोच्च न्यायालय के इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, इंसाफ और इश्क की बात करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट एवं न्यायसंगत है। हालांकि यह छिपी बात नहीं है कि पुलिस स्वायत्त तरीके से काम नहीं करती। अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों एवं समुदाय विशेष के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं। यह कम बड़ी विडंबना नहीं कि साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचारों की व्याख्या भी अदालतों को करनी पड़ रही है। सत्ताएं सदा से अपनी आलोचना से तल्ख हो जाती रही है, ऐसी जटिल स्थितियों में आखिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कौन करेगा?

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी कई मौकों पर वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लम्बी बहसें हो चुकी हैं, आन्दोलन तक हुए, हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना। हर बार अदालतें पुलिस को नसीहत देती हैं, अपने दखल से समझ एवं सीख भी देती है ताकि संतुलित वातावरण बना रहे। मगर शायद उस पर संजीदगी एवं संवेदनशीलता से अमल की जरूरत न तो पुलिस ने समझी और न उग्र एवं विध्वंसक शक्तियों ने। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने एवं विभिन्न समुदायों के आपसी सौहार्द-सद्भावना के खण्डित होने के आरोप लगते रहते हैं, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता।

सूडोकु नवताल- 7361

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7360 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

सार्थक भागीदारी के बिना कैसे हल होंगे आधी आबादी के मुद्दे

प्रियंका सौरभ

हमारे देश में महिलाएँ जनसंख्या का लगभग 48% हिस्सा हैं, फिर भी वे लोकसभा सीटों के 15% से भी कम सीटों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षा, अवैतनिक देखभाल ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक अधिकार जैसे महिला मुद्दों की अनदेखी होती है। इस तरह का बहिष्कार पितृसत्तात्मक मानदंडों को बनाए रखता है। फिर भी, ऐसे भेदभाव को दूर करने, कानूनी सुरक्षा बढ़ाने और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि करने में न्यायिक कार्यवाही महत्त्वपूर्ण रही है, हालाँकि गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को मिटाने में उनकी सफलता अभी भी चर्चा का विषय है। महिला प्रतिनिधित्व की कमी से मातृ अधिकारों का हनन होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर भेदभाव होता है और पर्याप्त सहायता की कमी होती है। मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 सवेतन अवकाश प्रदान करता है, लेकिन निजी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन कम है, जो महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने से हतोत्साहित करता है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया से महिलाओं को बाहर रखने के कारण महिला सशक्तिकरण की कड़ी कमजोर होती है। इसके पीछे की वजहें हैं- लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव, कार्यस्थल संस्कृति, सामाजिक और पारिवारिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न होना। इससे दायरा सीमित हो जाता है और इस सीमित दायरे में आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को खत्म करना पहली आवश्यकता है।

वर्तमान नीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान नहीं करती हैं, परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए अपने पेशेवर और घरेलू जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई कार्यस्थल पॉश अधिनियम 2013 का अनुपालन नहीं करते हैं, क्योंकि पुरुष-प्रधान नेतृत्व अक्सर महिलाओं की सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को अनदेखा करता है। इसके अतिरिक्त, नीतियाँ महिला उद्यमियों को समान ऋण और व्यावसायिक प्रोत्साहन प्राप्त करने में पर्याप्त रूप से सहायता नहीं करती हैं, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण को सीमित करती हैं। हालांकि न्यायालयों ने मातृ सुरक्षा को मजबूत करके लिंग-संवेदनशील कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने दो महिला न्यायाधीशों को बहाल किया, इस बात पर जोर देते हुए कि गर्भावस्था से सम्बंधित बर्खास्तगी दंडनीय और अवैध दोनों है, जिससे कार्यस्थल समानता को बढ़ावा मिलता है। न्यायिक निर्णयों ने महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भेदभावपूर्ण धार्मिक प्रथाओं को भी उलट दिया है। उदाहरण के लिए, 2017 में शायरा बानो मामले ने ट्रिपल तलाक को अपराध घोषित कर दिया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकार सुरक्षित हो गए।

इसके अलावा, अदालतों ने हिंदू उत्तराधिकार कानूनों में पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हुए समान उत्तराधिकार अधिकारों को बरकरार रखा है, जैसा कि 2020 में विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में देखा गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करें। प्रतिनिधित्व में सुधार के लिए चुनावों में महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। न्यायालयों को लिंग कानूनों के पालन की निगरानी और प्रवर्तन करने की आवश्यकता है, जिससे प्रभावी नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। फास्ट-ट्रैक न्यायालयों को कार्यस्थल उत्पीड़न की घटनाओं के लिए त्वरित न्याय प्रदान करना चाहिए। नीतियों को महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और उद्यमिता समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए बड़े ऋण प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना का विस्तार किया जाना चाहिए।

स्कूली पाठ्यक्रम में कम उम्र से ही पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देने के लिए लिंग जागरूकता को शामिल किया जाना चाहिए। समानता-केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में लिंग-संवेदनशील सामग्री शामिल होनी चाहिए। कंपनियों के लिए गहन ऑडिट आयोजित करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे मातृत्व और उत्पीड़न विरोधी नियमों का अनुपालन करती हैं। कोई भी देश अपनी आधी आबादी को पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता। लिंग-संवेदनशील नीतियों को विकसित करने के लिए निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। उन्हें विधायी सुधारों, जमीनी स्तर पर शिक्षा और संस्थागत प्रवर्तन तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक भागीदारी और कानूनी सुरक्षा को बढ़ाने से भारत के लिए वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी शासन प्रणाली बनेगी। महिलाओं की आवाज, दृष्टिकोण और प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करने के लिए, महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों सहित महिलाओं की सार्थक भागीदारी और नेतृत्व को मानवीय कार्यवाही के सभी स्तरों पर बढ़ावा दिया जाना जरूरी है। केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए सिर्फ. बराबरी चाहिए।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कुंभ समाप्त, अब चार धाम यात्रा की तैयारी कीजिए

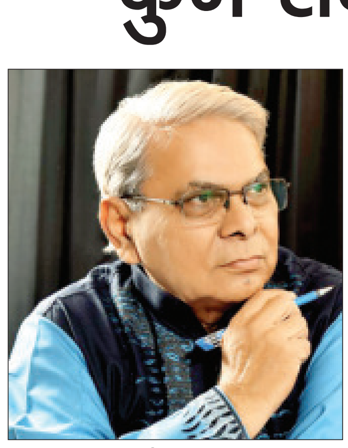

अशोक मधुप

कुंभ यात्रा लगभाग बीत गई । इसके बाद 30 अप्रेल से चार धाम यात्रा शुरू हो जाएगी।श्रद्धालुओं का जो काफिला कुंभ में दिखाई दिया ,ऐसा ही कमोबेश चार धाम यात्रा में नजर आने की आशा है। कुंभ के सफल आयोजन की जिम्मेदारी जहां उत्तर प्रदेश सरकार और वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की थी। ऐसी ही जिम्मेदारी चार धाम यात्रा में उत्तरांचल की सरकार और यहां के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की होगी। पुष्कर सिंह धामी इस श्रद्धालुओं के रेले को किस तरह नियंत्रित करते हैं। इस यात्रा की किस तरह तैयारी करते है। इसकी योग्यता उन्हें प्रदर्शित करने का अवसर आ रहा है। हालाकि उत्तरांचल में भाजपा की सरकार है। केंद्र उन्हें इस आयोजन में पूरी मदद करेगा ,हर संभव मदद करेगा, किंतु श्रद्धालुओं के रेले को तो उत्तरांचल सरकार को ही संभालना होगा। 26 फरवरी को महाकुंभ का अंतिम स्नान था। शिवरात्रि तक 66 करोड 21 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके। अभी ये चलेगा। एक तरह से फरवरी के बाद भी कुछ समय ये चलेगा। आयोजन की समाप्ति तक एक अनुमान के अनुसार कुंभ स्नान करने वालों की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी।

देश में दशकों के बाद सनातन ने करवट ली है। वह अपने आस्था स्थलों की ओर बेतहाशा दौड़ रहा है।राम मंदिर के निर्मित होते ही सनातन का ऐसा उदय हुआ जैसा कभी 1000 वर्ष पहले हुआ करता होगा। कुंभ आने का प्रचार पहली बार भारत से बाहर निकल दुनिया के तमाम देशों के टीवी चैनल्स तक पंहुच गया। अनेक देशों की सरकारों को निमंत्रण पत्र देने भारत के राजदूत गए। परिणाम स्वरूप, 60 करोड 21 लाख श्रद्धालु शिवरात्रि तक कुंभ स्नान चुके हैं। काशी-अयोध्या- चित्रकूट में जगह खाली नहीं थी। लोगों का जिस तरह प्रयागराज जाना लगातार चल रहा है उसे देखते हुए साफ हो जाता है कि कुंभ समापन तक 70 करोड़ श्रद्धालु संगम की डुबकी लगा चुके होंगे। इस रिकॉर्ड की मिसाल पूरी दुनिया में कभी नहीं मिलेगी। ये महाकुंभ मार्च के प्रारंभ में समाप्त हो जाएगा। इसके बाद शुरू होगी चारधाम यात्रा। चार धाम यात्रा के दो धाम यमुनोत्री और गंगोत्री के पवित्र द्वार तीर्थयात्रियों के लिए अक्षय तृतीया के पवित्र दिन अर्थात 30 अप्रेल को खुलेंगे। यमुनोत्री और गंगोत्री के खुलने के कुछ ही दिनों बाद, मई के तीसरे या चौथे सप्ताह से अन्य दो मंदिर, केदारनाथ और बद्रीनाथ तीर्थयात्रियों से भर जाएँगे। जबकि, श्रद्धालु विजय दशमी के शुभ दिन बद्रीनाथ धाम को विदा करते हैं, उसके बाद दीपों के त्योहार दिवाली पर गंगोत्री धाम को बंद कर दिया जाता है और केदारनाथ और यमुनोत्री धाम एक साथ यम द्वितीया/भाई दूज पर बंद कर दिए जाते हैं। चूंकि चारधाम यात्रा घड़ी की सुई की दिशा में चलती है, इसलिए पवित्र यात्रा यमुनोत्री से शुरू होती है। उसके बाद क्रमशः गंगोत्री और केदारनाथ से गुजरते हुए चार धाम की पवित्र यात्रा बद्रीनाथ पंहुचती है।

इसमें को शक नही कि कुंभ यात्रियों का ये रेला, सनातन धर्म के श्रद्धालु दो माह मार्च और अप्रेल आराम करके अब चार धाम यात्रा की ओर निकलेंगे। उत्तराखंड वासियों के लिए अतिथि भगवान होता है लेकिन यहां ये कुम्भ जैसी भीड़ आई को कैसे संभालेगा, ये समय बताएगा। से उत्तरांचल के बडी चुनौती होगा। श्रद्धालुओं को मुसीबत झेलनी पड़ सकती है। आज भी गर्मी के मौसम में कुछ साल से पहाड़ पूरी तरह पैक हो जाते हैं। लोगों को यहां न होटल में जगह मिलती है, न वाहन पार्किग को स्थान। यहां का भूगोल, मौसम और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी कई मोर्चे पर चुनौती पेश करती है। 2013 की केदारनाथ की दारुण आपदा को दुनिया देख -सुन चुकी हैं। इस बार उत्तराखंड सरकार और शासन को भी अतिरिक्त सतर्कता बरतन होगी. चारधाम की यात्रा सबके लिए सुरक्षित और सुखद रहे,ये सरकार की जिम्मेदारी और भीड़ प्रबंधन पर निर्भर करता है।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से शुरू हुआ कुंभ से उपजा सनातन का जोश और आस्था आजकल हिंदू समाज में हिलोरे ले रही है। कुंभ यात्रा के बावजूद इस बार शिवरात्रि पर कांवड़ियों की संख्या पर प्रभाव नहीं पड़ा। कुछ ज्यादा ही रहे। कावंड लाने वालों में इस बार महिलाएं और युवती भी ज्यादा नजर आईं । कांवड़ सेवा शिविर भी पहले से काफी ज्यादा नजर आए। कांवड यात्रा के प्रत्येक सौ कदम पर अबकि बार शिविर लगे थे। उनमें स्त्री - पुरूष मिलकर सेवा कर रहे थे। कांवड यात्रा के मार्ग पर लोग कारों में फल और बिसलरी की पानी की बोलते भरे खड़े थे। वे आने वाले कांवड़ियों को फल और पानी की बोतल बांट रहे थे। लेखक का जनपद हरिद्वार से सटा है। यहां डाक कांवड़ और कलश की बंहगी में जल लाने का प्रचलन नही है, किंतु इस बार डाक कांवड काफी संख्या में दिखाई दी। कुंभ यात्रा और कावंड यात्रा का यह सनातन का रेला आने वाली चार धाम यात्रा में भी दीखने की पूरी उम्मीद है।

उत्तरांचल सरकार को देखना है कि वह आने वाले चार धाम यात्रा के श्रद्धालुओं को कैसे संभालती है। अभी उसके पास यात्रा की तैयारी के लिए दो माह का समय है। मेरठ-पोड़ी नेशनल हाई -वे को फोर लेन करने का काम जारी है। उम्मीद है कि यात्रा की शुरूआत हरिद्वार और ऋषिकेश से कर उसकी वापसी पौड़ी मार्ग से होगी। ऐसा है तो उसे इस मार्ग का तैयार कराने के लिए केंद्र को अभी से दबाव देना होगा। राम मंदिर पारण प्रतिष्ठा के बाद देशवासी जिस तरह अपने तीर्थों की ओर दौड़ रहे हैं, उम्मीद है ऐसे ही श्रद्धालु चार धाम यात्रा में उमड़ेंगे। वे चार धाम यात्रा के लिए सरकारी साधन बस, ट्रेन और विमानों से आएंगे तो भारी तादाद में श्रद्धालु अपने वाहन और टैक्सियों से आएंगे। इन वाहनों कार, टैक्सियों और बसों को उत्तरांचल कैसे संभालेगा, उसे देखना है। प्रयागराज से तो इसलिए सब कुछ हो गया कि वहां आयोजन प्लेन में था। उत्तरांचल में तो सब कुछ पहाड़ों में है। वहां तो पार्किग भी प्राय सड़क किनारे ही होती है। इस सब का प्रबंधं कैसे हो, इसकी व्यवस्था अभी से बनानी होगी।

दरअस्ल पिछले कुछ सालों देश में संपन्नता बढ़ी है। अब पंजाब, हरियाणा और दिल्ली एनसीआर के युवक रविवार और शनिवार का अवकाश देख शुक्रवार की शाम पिकनिक के लिए पहाड़ की ओर निकल जाते हैं।इसलिए पिछले कुछ साल में इन अवकाश के दिनों विशेषकर गर्मियों के मौसम में उत्तरांचल के होटल पूरी तरह भरे होतें हैं। सड़कों पर वाहनों का रेला होता है। पहाडों के होटल भरे होने और सड़कें पर जाम की खबर अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं। ये ही गर्मी का मौसम चार धाम यात्रा का है।ऐसे में उत्तराचल सरकार को प्रयास करना होगा कि ये सैलानी चार धाम यात्रा के स्थल गढ़वाल न आए।उन्हें कुमायूं और अन्य पर्वतीय प्रदेशों की और भेजना होगा। इसके लिए अभी से प्रचार करना होगा। जनता को जागरूक करना होगा और माहौल बनाना होगा।

अभी चार धाम यात्रा में दो माह का समय है। इसी समय में उत्तरांचल सरकार को तैयारी करनी है। भीड़ नियंत्रण का प्लान बनाना है। यात्रा के श्रद्धालु और उनके वाहन के पार्किग की अभी से प्लानिंग करनी होगी। ये दो माह उसके लिए युद्धस्तर पर कार्य करने और व्यवस्था बनाने के लिए हैं। कुंभ यात्री के दौरान दिल्ली में हुए हादसे से रेलवे को सीख लेनी होगी। उसे भी बड़ी प्लानिंग करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कांशी राम की विरासत और मायावती की तर्ज-ए-सियासत

निर्मल रानी

1980 के दशक में बसपा प्रमुख कांशी राम पूरे देश में घूम घूम कर भारतीय समाज को 85 : 15 का जनसँख्या अनुपात समझाते थे और यह बताते थे कि 15 प्रतिशत कथित उच्च जाति के लोग शेष 85 प्रतिशत जातियों व समुदायों के लोगों पर राज कर रहे हैं। और तभी यह नारा प्रचलित हुआ था - वोट हमारा,राज तुम्हारा - नहीं चलेगा,नहीं चलेगा। जैसे जैसे कांशी राम के नेतृत्व में यह बहुजन आंदोलन आगे बढ़ता गया वैसे वैसे मनुवाद तथा सनातन व्यवस्था में उल्लिखित वर्ण व्यवस्था पर इनका आक्रमण और तेज होता गया। यहाँ तक कि 'तिलक, तराजू और तलवार जैसा 'अभद्र नारा भी उन्हीं दिनों में खूब प्रचलित हुआ। यही वह आंदोलन था जिसमें दलित पिछड़े व अल्पसंख्यक वर्ग के लोग जुड़ते चले गये। यानी कांग्रेस का परम्परागत वोट बैंक धीरे धीरे खिसकना शुरू हो गया। इसी बीच कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी नामक एक नये राजनैतिक दल की स्थापना कर दी। उसी दौरान कांशी राम की भेंट मायावती से हुई जोकि उस समय वकालत व बी एड करने के बाद दिल्ली इंद्रपुरी स्थित जेजे कॉलोनी में एक अध्यापिका के रूप में कार्यरत थीं और साथ ही सिविल सर्विसेज परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थीं। तभी कांशी राम ने मायावती के तेज तर्रार व्यक्तित्व से प्रभावित होकर कहा था कि - मैं तुम्हें एक दिन इतना बड़ा नेता बना सकता हूं कि एक नहीं बल्कि आईएएस अधिकारियों की पूरी कतार तुम्हारे आदेशों का पालन करने के लिए लाइन में खड़ी हो जाएगी। तभी से वे कांशी राम के सहयोगी के रूप में उनके साथ प्रायः देखी जाने लगीं तथा उनके 'क्रन्तिकारी ' व उत्तेजक भाषण भी लोगों को प्रभावित करने लगे।

कांशीराम का 9 अक्टूबर 2006 को 72 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। कांशीराम के जीवन के अंतिम दौर में उनकी विरासत को लेकर बसपा के भीतर तथा कांशीराम के परिजनों के द्वारा काफी विवाद भी खड़ा किया गया। परन्तु तेज तर्रार मायावती तब तक कांशी राम पर व उनकी विरासत रुपी बसपा पर पूरा नियंत्रण कर चुकी थीं। यही वजह थी कि बौद्ध धर्म के अनुसार हुये कांशीराम के अंतिम संस्कार में उनके परिजनों ने नहीं बल्कि स्वयं मायावती ने ही उनकी चिता को अग्नि दी। अब पार्टी में उन्हें 'बहन जी ' के नाम से बुलाया जाने लगा। कांशीराम के नेतृत्व में ही बीएसपी ने 1999 के संसदीय चुनावों में 14 संसदीय सीटें जीतीं थीं। मायावती को चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर बैठने का भी सौभाग्य हासिल है। परन्तु यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस बसपा को कांशीराम ने एक मिशन के रूप में स्थापित किया था और कांशी राम के जिस मिशन से बड़े सामाजिक परिवर्तन की आहट महसूस हो रही थी, पार्टी पर मायावती का वर्चस्व होने के बाद वही मिशन,वही पार्टी अब सत्ता, वैभव, आत्ममुग्धता और परिवारवाद का शिकार होती नजर आने लगी। यहाँ तक कि केवल सत्ता हासिल करने के लिये बुनियादी विचारों से भी समझौता करने लगीं। जिस 'मनुवादी' व्यवस्था के विरुद्ध बसपा का जन्म हुआ था, 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में उसी ब्रह्मण समुदाय के समर्थन की जरुरत महसूस हुई तो तिलक,तराजू और तलवार जैसा नारा भी बदल गया। 2007 में बहुजन समाज पार्टी, सर्वजन समाज की बातें करने लगी। और यह नया नारा लगा - हाथी नहीं, गणेश है, ब्रह्मा, विष्णु, महेश है। उस समय उत्तर प्रदेश में 37 प्रतिशत ब्राह्मणों ने पार्टी को वोट दिया था।

परन्तु चार बार देश के सबसे बड़े राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद अन्य सत्ताधीशों की ही तरह मायावती भी अहंकार के साथ साथ परिवारवाद का भी शिकार होती चली गयीं। कभी अपने को जिंदा देवी बतातीं तो कभी अपने भाई व भतीजे के मोह में डूबती नजर आतीं। कभी अपनी हार का ठीकरा मुसलमानों पर फोड़तीं तो कभी उनपर पार्टी का टिकट बांटने में लोगों से करोड़ों रुपए वसूलने का आरोप लगा। हद तो यह कि अपने जीवनकाल में ही मायावती ने बाबा साहब आंबेडकर व कांशी राम के साथ ही अपनी भी प्रतिमायें लगवा डालीं। जिसतरह कांशी राम को अपने परिवार से अलग उत्तराधिकारी के रूप में मायावती नजर आयी थीं उस तरह मायावती को परिवार से बाहर अपनी पार्टी का कोई योग्य नेता नजर ही नहीं आया। और आखिरकार मायावती के इन्हीं स्वार्थपूर्ण फैसलों के चलते उनकी पार्टी का जनाधार घटता चला गया। पिछले लोकसभा चुनावों से पूर्व जब इण्डिया गठबंधन वजूद में आया तो मायावती उस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनीं। उसी समय यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि मायावती भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रही हैं। इसके पीछे के कारणों से भी अनेक राजनैतिक विश्लेषक बखूबी वाकिफ हैं। पिछले दिनों दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने मायावती पर बीजेपी को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए स्पष्ट रूप से यह कह दिया था कि यदि बीएसपी 'इंडिया' गठबंधन में होती तो पिछले वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में एनडीए की जीत नहीं होती। इस आरोप से तिलमिला कर मायावती ने कांग्रेस को ही बीजेपी की 'बी' टीम बता डाला। जबकि देश देख रहा है कि इस समय देश में सत्ता,भाजपा व संघ के विरुद्ध जितना राहुल गाँधी मुखर हैं उतना कोई नहीं जबकि मायावती के रवैये से तो पता ही नहीं चलता की वे विपक्ष में हैं या सत्ता के साथ?

सच तो यह है कि मायावती के नेतृत्व में बसपा का न केवल समाज में प्रभाव कम होता जा रहा है बल्कि संगठन भी बिखराव के दौर से गुजर रहा है।

दैनिक पंचांग

6 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

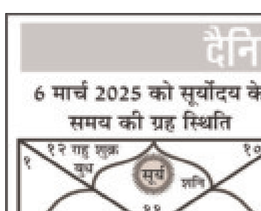

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.47 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.57 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.55 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.09 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.25 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.37 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.47 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.02 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	01.18 बजे से
		मकर	03.23 बजे से
		कुंभ	05.10 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 65 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 10.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 00.06 बजे रात्र को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 20.29 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.51 बजे तदनन्तर विष्टि 22.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 39'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872275
जूलियन दिन 2460740.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 05
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बुलडोजर चलवाते, कैंची लेकर क्यों गए

लखनऊ। में अंसल ग्रुप की धोखाधड़ी को लेकर यूपी की सियासत गर्म है। सीएम योगी ने विधानसभा में सपा सरकार पर हमला बोला। अंसल ग्रुप को सपा की उपज बताया। कहा- सरकार दोषियों को पाताल से भी खोज निकालेगी। योगी के इस बयान पर अखिलेश यादव ने जवाब दिया है। उन्होंने पर लिखा- अगर सब गलत था तो आप वहां अपना बुलडोजर लेकर जाते, कैंची लेकर उद्घाटन करने क्यों पहुंच गए? तब नहीं मालूम था कि अंसल ग्रुप क्या कर रहा? उनके सत्ता से बेदखल होने की जो चर्चाएं हर तरफ फैली हैं। ये उसकी खीझ है। योगी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा- अंसल ग्रुप ने होम बायर्स के साथ धोखा किया। यह सब सपा सरकार में हुआ। चेतावनी देते हुए कहा- अगर अंसल ने किसी भी बायर्स के साथ धोखाधड़ी की है, तो उसकी सारी संपत्ति जब्त की जाएगी। सपा सरकार के समय अंसल की अवैध मांगों को पूरा किया गया। भाजपा सरकार अब इस पर शिकंजा कस रही। अंसल ग्रुप के खिलाफ एफआईआर का आदेश दे दिया गया है। अखिलेश यादव ने कहा- अपनी नाकामी को छुपाने के लिए जब लोग किसी और का नाम लेते हैं, तो भूल जाते हैं कि उसी के नाम से बनी सिटी में स्थित मॉल और हॉस्पिटल का उन्होंने ही उद्घाटन किया था। उसी विशाल परिसर में बने एक नए होटल में G-20 के मेहमान आपने ही ठहराए थे। वही

वो जगह है, जहां अरबों रुपए का सच्चा इंवेस्टमेंट आया। निवेशकों पर आरोप लगाकर हतोत्साहित करने से न तो निवेश का विकास होगा और न ही प्रदेश का। यूपी के सभी समझदार लोग कह रहे हैं, अगर सब गलत था तो आप वहां अपना बुलडोजर लेकर जाते, कैंची लेकर उद्घाटन करने क्यों पहुंच गए? जनता कह रही है, जब उसे ढूंढने पाताल लोक जाएं तो परतों में दबी उस गहरी वजह की भी खोज-खबर लेते आएं, जो उनकी गद्दी को हिला रही है। उनके सत्ता से बेदखल होने की जो चर्चाएं हर तरफ फैली हैं। ये उसकी खीझ है। विस्थापन का डर ही उनके मुंह से ऊंची आवाज बनकर निकल रहा है। सफलता व्यक्ति को शांत, शालीन और शिष्ट बनाती है और विफलता वही जो दिख रहा है।

अंसल मामले को लेकर सीएम ने सोमवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण और रेरा के अफसरों की बैठक बुलाई थी। इसमें उन्होंने अंसल प्रबंधक के खिलाफ FIR दर्ज करवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद छऊ्थ के अमीन ने गोमतीनगर थाने में अंसल प्रॉपर्टीज एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर के मालिक पिता-पुत्र समेत 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज करवाया। इनमें अंसल प्रमोटर प्रणव अंसल, सुशील अंसल, सुनील गुप्ता, डायरेक्टर विनय सिंह और फेरन्सेटी पैट्रिका अटकिंशन का नाम शामिल है। अमीन अर्पित शर्मा ने आरोप लगाया है कि प्राधिकरण ने 2005 में 1765 एकड़ की हाईटेक टाउनशिप विकसित करने के लिए चिह्नित किया था।

इसकी डीपीआर 2006 में स्वीकृत की गई। अंसल ने टाउनशिप विकसित करने का काम शुरू किया। स्वीकृत टाउनशिप में कंपनी ने खरीदी गई जमीन के अलावा ग्राम समाज, सीलिंग, तालाब, राज्य सरकार के नाम दर्ज, परती, बंजर, नहर और नाली की जमीन अपने प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया। इसकी जानकारी प्राधिकरण को नहीं दी और बेच दिया।

कत्ल के सबूत छुपाने के गुनाहगार को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ बारह हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के मझगवां क्षेत्र के ग्राम मोहानी में 23 फरवरी 2021 को रामस्वरूप ने अपनी पत्नी का गला दबाकर कत्ल करने के बाद उसके शव को जंगल मे ले जाकर जलाने के बाद बचे हुये हिस्सों को छुपा दिया था, जिसके बाद अ0सं0-25/2021 धाराअ 302,201 आईपीसी के तहत अभियुक्त रामस्वरुप पुत्र चिरन्जीलाल के खिलाफ कत्ल के साथ ही सुबूत मिटाने की संगीन धाराओं में मझगवां पुलिस ने मामला दर्ज किया गया था, वहीं आपरेशन

कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की अपर जिला सत्र फर्स्ट अदालत के स्कालर जज ने रामस्वरुप को गुनाहगार मानते हुये उम्रकैद की सजा के साथ ही सुनाया बारह हजार रुपये का जुमार्ना, वहीं मामले की जांच इंस्पैक्टर राम जीत गौड़ ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी, वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में जोरदार पैरवी करते हुये एडीजीसी राजेश कुमार तिवारी ने अपनी दमदार दलीलों से बचाव पक्ष की बोलती बंद करते हुये अभियुक्त को सख्त सजा देने की मांग की थी।

विनोद चौधरी को मिली जमानत, समर्थकों में खुशी की लहर

संवाददाता

कुशीनगर। भाजपा नेता पूर्व विधायक विनोद कुमार चौधरी को एक चौतीस साल पुराने मामले में न्यायालय से जमानत मिलने पर समर्थकों ने एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया। इक्यावन वर्षीय विधायक विनोद कुमार चौधरी जो उस दौर में युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे। अब वह चार वर्ष से भाजपा में हैं जो नौजवानों की समस्याओं को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की सरकार के खिलाफ लखनऊ में एक जनांदोलन किए थे। जिसमें लाठी चार्ज और पुलिस बर्बरता की बात सामने आई थी।

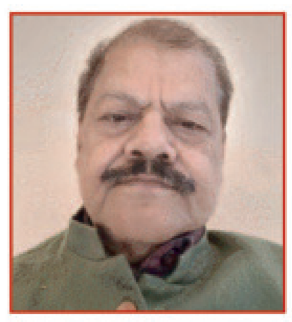

इस आंदोलन में पूरे राज्य से हजारों की संख्या में नौजवान लखनऊ पहुंचे थे। तब उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा हुआ करता था। इस आंदोलन में करीब तीन हजार नौजवान विधान सभा में घुसने का प्रयास किए जिसके चलते पुलिस ने करीब तीन सौ लोगों को गिरफ्तार किया था जो बाद में बिना शर्त रिहा कर दिए थे। इन्हीं मामलों को लेकर पुलिस ने हजरत गंज कोतवाली में एक मुकदमा लिख दिया था जिसकी जानकारी किसी को नहीं थी और 34 वर्ष पर गैर जमानती वारंट न्यायालय से जारी हो गया , वारंट की जानकारी होने पर श्री चौधरी सहित कई ने गत दिनों न्यायालय में समर्पण किया और न्यायालय ने जमानत याचिका स्वीकार करते हुए जमानत दे दी है। उक्त खबर पर कुशीनगर से श्री चौधरी समर्थक तमाम लोग जो उस वक्त युवक कांग्रेस से जुड़े थे जो आज विभिन्न दलों में से जुड़ चुके हैं उनमें युवक कांग्रेस के तत्कालीन जिलाध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, आनंद शरण पांडे शिशु, नलिनी कांत मणि त्रिपाठी, अतुल दुबे, ओम प्रकाश गुप्ता, कृष्ण कुमार राय, रमेश कुमार गुप्त, अनिल शुक्ला, ज्ञान प्रकाश पाठक, प्रमोद कुमार पांडे, डाक्टर वी पी सिंह, अजय मिश्रा, दिनेश उपाध्याय, शिव जी गुप्त, सर्वजीत गिरी आदि ने विनोद कुमार चौधरी की जमानत मंजूर होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया है।

नाबालिग का अपहरण करने वाले गुनाहगार को सात साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस हजार रुपये का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के कुरारा में 21 मार्च 2016 में नाबालिग युवती को घर से बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के साथ ही बलात्कार करने के जुर्म में कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम मंगलपुर निवासीभूरा पुत्र पप्पू उर्फ अमित कुमार के खिलाफ छात्रा के पिता की तहरीर पर अ0सं0-75/2016 धाराअ 363,366,376 आईपीसी सहित 4 पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर की पाक्सो अदालत की स्कालर जज कीर्ति माला सिंह

ने अभियुक्त भूरा को गुनाहगार मानते हुये सात साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई संजय मिश्रा ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी, वहीं अभियोजक ने अदालत से अभियुक्त को सख्त सजा देने की मांग की थी।

2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना है: शशांक मणि

संवाददाता

कुशीनगर। मंगलवार को स्थानीय ब्लॉक सभागार में भाजपा द्वारा आयोजित 'अमृत प्रयास गोष्ठी' में राष्ट्रीय उद्यम के विकास पर चर्चा की गई और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीन दयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा विकसित भारत एक संकल्प और चुनौती है, जिसे केंद्र

और राज्य की सरकारें पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना भाजपा सरकारों का संकल्प है। उन्होंने संसद में एनसीसी की तर्ज पर 'राष्ट्रीय उद्यम विकास कोर' बनाने का प्रस्ताव पेश करने की बात भी कही। पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा ने 'सबका साथ, सबका विकास, और सबका प्रयास' के महत्व को रेखांकित किया। प्रमुख प्रतिनिधि राजेश कुमार जायसवाल ने सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बीडीओ रवि कुमार रंजन ने गोष्ठी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, अमलेश तिवारी, बबुना कुशवाहा, जेके सिंह और दीपक सिंह पटेल ने भी संबोधित किया। ब्लॉक प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने अतिथियों का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता मनोज चौबे ने सांसद शशांक मणि त्रिपाठी को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।

राष्ट्रीय आय योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में कंपोजिट विद्यालय जंगलीपट्टी के दस छात्र व छात्राएं सफल

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय आय योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में सेवरही विकास खंड के कंपोजिट विद्यालय जंगलीपट्टी के दस छात्र व छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। बच्चों के सफलता पर विद्यालय परिवार में खुशी का लहर है। बीते 10 नवंबर को विद्यालय की इस प्रतियोगिता में सफल होने वाले छात्र व छात्राओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपए सरकार द्वारा मिलेंगे। इस बच्चों ने जिले में नंदनी कुमारी जिला रैंक 3, नीतीश कुमार सिंह रैंक 5, मुस्कान खातून रैंक 11, अभिषेक निषाद रैंक 13, रेशमा खतून रैंक 21, स्नेहा कुमारी रैंक 24, जेमी निषाद रैंक 26, गोविंद कुशवाहा रैंक 31, संध्या निषाद रैंक 32, अनुप कुमार रैंक 40 पाकर शानदार सफलता हासिल किया है। प्रधानाध्यापक अजय कुशवाहा व ग्राम प्रधान ने सफल छात्र व छात्राओं को माला पहनाकर व मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया। इस मौके पर शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह, अरविंद तिवारी, नवीन कुमार, अजीत कुमार, रजनीश विश्वकर्मा तथा यूसुफ अहमद, मोहन मुखिया, रीना सिंह, काजल व गणमान्य लोगों ने इनके सफलता पर उज्वल भविष्य की कामना की।

10 साल पुरानी जल निकासी की समस्या का समाधान

औरैया। के डीएम डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने विकासखंड सहार की ग्राम पंचायत मधवापुर के मजरा मड़नई का दौरा किया। उन्होंने यहां की 10 साल पुरानी जल निकासी की समस्या का समाधान किया। डीएम ने खंड विकास अधिकारी राजनारायण को निर्देश दिए कि अगले दिन ही लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता और आरईएस के अधिशाषी अभियंता को बुलाएं। नाली निर्माण का डिजाइन और नपती कराकर दो दिन में काम शुरू करवाएं। डीएम ने नाली निर्माण का विरोध कर रहे लोगों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामवासियों

को समझाया कि नाली बनने से उनकी समस्याएं दूर होंगी। साथ ही आवागमन में भी कोई परेशानी नहीं होगी। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत सचिव और लेखपाल को भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्हें पूरी भूमि की नपती करने और पुराने भवन को हटाने की कार्रवाई करने को कहा। अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ धारा 2/3 और पक्के मकान बनाने वालों के खिलाफ धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। दो दिन में कब्जा खाली करने को कहा ब्जाधारकों को दो दिन में अपना कब्जा खाली करने को कहा गया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानाध्यक्ष दिबियापुर को पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख ऋषि सिंह, थानाध्यक्ष दिबियापुर मुकेश चौहान, खंड विकास अधिकारी राजनारायण, ग्राम प्रधान, लेखपाल और ग्राम पंचायत सचिव मौजूद रहे।

वंदे भारत ट्रेन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

औरैया। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर एक दुर्घटना में वंदे भारत ट्रेन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना रात 7:48 बजे अछल्दा के पास हुई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वह लगभग 38 वर्ष का था और नीली शर्ट व काला पैंट पहने हुए था। दुर्घटना अयोध्या कैंट से आनंद बिहार नई दिल्ली जा रही वंदे भारत के साथ हुई। दुर्घटना के बाद लोको पायलट ने ट्रेन को तुरंत स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर रोका। ट्रेन 7:53 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। ट्रैक पर शव होने के कारण बनारस से आगरा जा रही दूसरी वंदे भारत (ट्रेन संख्या 20175) को होम सिग्नल पर रोकना पड़ा।

कुशीनगर में महिला सशक्तिकरण और बौद्ध धरोहर का संगम

संवाददाता

कुशीनगर। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) द्वारा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह- 2025 के उपलक्ष्य पर दोनों के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम विशंभरपुर, कुशीनगर में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक महत्वपूर्ण चौपाल का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में गोरखपुर विश्वविद्यालय से साइकिल से चलकर आए उत्साही छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो महिला

सशक्तिकरण के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है।इसी क्रम में, म्यांमार बुद्ध विहार, कुशीनगर में ररूट्स ऑफ बुद्धिज्मर विषय पर एक भव्य छायांकन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन भिक्षु संघ अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदंत ज्ञानेश्वर जी ने अपने कर-कमलों से किया। आयोजनों में संग्रहालय के तेजप्रताप शुक्ला ने सूत्रधार की भूमिका निभाई, जबकि संग्रहालय के तरुण शुक्ला ने सभी अतिथियों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वीरेंद्र सिंह अहलुवालिया, सचिव, बुद्धा पी जी कॉलेज, डॉ. गौरव तिवारी, विभागाध्यक्ष, बुद्धा पी जी कॉलेज, डॉ. निगम मौर्य, विभागाध्यक्ष, बुद्धा पी जी कॉलेज और डॉ. नंदकिशोर सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संग्रहालय के धीरेंद्र मिश्रा, दिनेश दुबे, नसीरुद्दीन बेग और अन्य सदस्यों ने इन कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संक्षिप्त डायरी

बाल सम्मान कोष योजना के पैंडिंग पडे. तीस मामलों में बीस हुये स्वीकृत, जबकि दस मामलों को किया गया खारिज

संवाददाता

हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में उ०प्र० रानी लक्ष्मी बाई महिला, बाल सम्मान कोष योजना के तहत पैंडिंग मामलों में डिस्पोजल के लिये योजनान्तर्गत गठित जिला संचालन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मीटिंग हाल में सम्पन्न हुई। बैठक में 30 मामलों में विचार विमर्श कर किया गया। ये सारे मामले दहेज और पाक्सो एक्ट से जुड़े थे । इन 30 मामलों मे नियमानुसार पाए गए 20 मामलों को स्वीकृत करने के साथ ही 10 मामलों को रिजैक्ट किये जाने का फैसला लिया गया, जबकि स्वीकृत किये गये 20 मामलों में सभी लाभार्थियों को तीन-तीन लाख रुपये की,इसी तरह कुल 60 लाख रुपए की आर्थिक मदद महिला कल्याण विभाग की तरफ से निदेशालय लेबल से दिया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के तहत मामलों को पेंडिंग न रक्खा जाय, बल्कि उनका वक्त से डिस्पोजल तय किया जाये, ताकि पीड़ित ,पात्र व्यक्तियों को वक्त से इस योजना का फायदा दिया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी चंद्र शेखर शुक्ला, सीएमओ डॉ गीतम सिंह , अपर पुलिस अधीक्षक, वरिष्ठ कोषाधिकारी श्रवण कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रतिनिधि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, समर्थ फाउन्डेशन कुरारा एन०जी०ओ०, एलडीएम मौजूद रहे।

बुद्धिस्ट नोबेलाइजेशन फाउंडेशन का कुशीनगर में खुला कार्यालय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुधवार को वार्ड नं. 20 निकट रामाभार स्तूप अनिरुद्धवा में बुद्धिस्ट नोबेलाइजेशन फाउंडेशन का मुख्य अतिथि के द्वारा फीता काट कर उद्घाटन किया गया। इस दौरान बौद्ध श्रद्धालुओ व भिक्षुओं को भोजन दान व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमे सैकड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिद्धार्थ कुमार सिंह (एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट) ने संस्था के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था बौद्ध धर्म के उत्थान के लिए हर संभव मदद करेगी।कुशीनगर में बौद्धों धर्म के सिद्धांत व नियम आदि की शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा बौद्ध धर्म की मूल भाषा पाली का अध्ययन व भिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। बौद्ध साधकों के लिए विपश्यना व रहने खाने की निः शुल्क व्यस्था की जाएगी। कार्यक्रम में आए बौद्ध श्रद्धालुओ व अतिथियों का स्वागत भंते रत्नाकर ने किया। इस दौरान भिक्खू बुद्ध प्रिय बोध गया, डॉ. एल पी जी त्रिरत्न बुद्ध बिहार बिल्लौर, भंते शीलबचन, भंते बीर भद्र गाजीपुर, पूर्व प्रधान रामबिलास यादव, विजय जुआठा, सोनू पासवान, सुनील कुमार सिंह, हृदयप्रकाश तूफानी आदि लोग मौजूद रहे।

अबोहर में पारिवारिक विवाद के बाद पति लापता

अबोहर। पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर में एक होटल कर्मचारी पारिवारिक विवाद के बाद से लापता है। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा होटल कर्मचारी की तलाश की जा रही है, फिलहाल कोई सुराग नहीं मिल पाया है। घरेलू मामले में पति-पत्नी में कहासुनी जानकारी के अनुसार ईदगाह बस्ती का मुकेश पुत्र पूर्ण राम 5 मार्च दोपहर से लापता है। मुकेश एक होटल में काम करता है और उसकी पत्नी एक ज्वैलरी शॉप में कार्यरत है। दोपहर में पति-पत्नी के बीच किसी घरेलू मामले को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद मुकेश अपनी बाइक लेकर घर से निकल गया।जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगली सुबह उसकी बाइक खुईखेड़ा नहर के किनारे खड़ी मिली। परिजन नहर में भी तलाश कर रहे हैं। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है, लेकिन अभी तक मुकेश का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

उप डाकघर में सिस्टम फेल कंप्यूटर खराब होने से दो दिन से लेनदेन ठप, पेंशनधारक परेशान

औरैया। के अछल्दा कस्बा स्थित सराय बाजार उप डाकघर में कंप्यूटर सिस्टम खराब हो गया है। सीपीयू में आई तकनीकी खराबी के कारण पिछले दो दिनों से सभी कार्य प्रभावित हैं। डाकघर में धन जमा करने और निकालने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को सुबह से ही लोग डाकघर में अपने काम के लिए आए। लेकिन सिस्टम खराब होने के कारण कई लोगों को बिना काम के ही वापस लौटना पड़ा। गांव चिंता नगला की रहने वाली लाली देवी ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से लगातार डाकघर के चक्कर काट रही हैं। उन्हें अपनी पेंशन की स्थिति की जानकारी लेनी थी। लेकिन सिस्टम खराब होने के कारण कोई भी काम नहीं हो पा रहा है। बार-बार आने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। सिस्टम सही कराने की मांग स्थानीय लोगों ने डाक विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द कंप्यूटर सिस्टम को ठीक कराया जाए। ताकि डाकघर की सेवाएं सुचारू रूप से चल सकें और लोगों को परेशानी न हो।

भारत को निवेश-अनुकूल माहौल बनाने नियामकीय ढांचे की जरूरत: शीर्ष आर्थिक सलाहकार

- अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील

नई दिल्ली ।

भारतीय आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने देश के लिए निवेश-अनुकूल माहौल बनाने के लिए एक आधुनिक और प्रभावी नियामकीय ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया है। वैश्विक आर्थिक दबावों के कारण विदेशी निवेश पर हुई गिरावट को देखते हुए उन्होंने सरकार से नीतिगत सुधारों की मांग की है। नागेश्वरन ने बजट के बाद आयोजित वेबिनार में बताया कि भारत अब एक आकर्षक निवेश गंतव्य बन रहा है, लेकिन इसके लिए नियामकीय स्पष्टता और व्यापार संचालन को सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील की है। इससे पहले भी सरकार ने एफडीआई नीति में सुधार की घोषणा की थी, जिसमें बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने की प्रस्तावना शामिल है। यह कदम नवाचार और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में देश की आउटवर्ड एफडीआई प्रतिबद्धताएं करीब 2.28 बिलियन कम हो गई हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में हैरान करने वाली है।

यह स्थिति दिखाती है कि नवीन और स्पष्ट नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत को आपसी निवेश बढ़ाने और नए व्यापारिक अवसरों को उद्घाटन करने के लिए रचनात्मक आशावाद को बनाए रखना होगा।

यह न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक विकास में भी मदद करेगा।

ओला ने अपने कर्मचारियों के लिए नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू की

- हर हफ्ते अपने द्वारा गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा

नई दिल्ली ।

ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपनी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की है। क्या चल रहा है? नामक इस पहल के तहत, कर्मचारियों को हर हफ्ते अपने द्वारा पूरे किए गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा। यह रिपोर्ट कंपनी के ईमेल पते और उनके प्रबंधकों को भेजी जाएगी। इंटरनल ईमेल में कहा गया कि आज से हम 'क्या चल रहा है?' शुरू कर रहे हैं, ताकि कर्मचारी सीधे मुझे और अपने प्रबंधकों को अपने साप्ताहिक अपडेट साझा कर सकें। इसमें आगे बताया गया कि सभी को क्या चल रहा है... वेबसाइट पर अपने अपडेट भेजने होंगे। रिपोर्ट की समयसीमा अगले दिन तय की गई, जबकि भविष्य में इसे हर रविवार को जमा करना अनिवार्य होगा। यह पहल ऐसे समय में आई है जब ओला अपने खर्चों में कटौती और मुनाफा बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओला इलेक्ट्रिक 1,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है, जो पांच महीनों में दूसरा बड़ा कटौती अभियान होगा। इससे खरीद, ग्राहक संबंध और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभाग प्रभावित होंगे। इस नई रिपोर्टिंग प्रणाली को एलन मस्क की हाल ही में पेश की गई नीति से जोड़ा जा रहा है, जिसमें उन्होंने यूएस फेडरल कर्मचारियों को साप्ताहिक उपलब्धि रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। मस्क की इस नीति का उद्देश्य सरकारी कार्यों में जवाबदेही बढ़ाना था, हालांकि इसे कर्मचारियों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आलोचना भी झेलनी पड़ी। भाविश अग्रवाल इससे पहले भी कर्मचारियों की परफॉर्मेंस को लेकर सख्त रुख अपना चुके हैं। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने एक इंटरनल ईमेल के जरिए खराब उपस्थिति पर कर्मचारियों को चेतावनी दी थी।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बीमा प्रीमियम में 10 फीसदी की वृद्धि पर रोक

- प्री मियम बढ़ाने से पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने जारी किया एक परिपत्र, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि पर रोक लगाई गई है। 30 जनवरी, 2025 को जारी इस निर्देश के अनुसार कोई भी बीमा कंपनी 10 फीसदी से अधिक प्रीमियम वृद्धि नहीं कर सकेगी, और अगर वृद्धि करनी हो तो पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की वृद्धि को लेकर चिंता करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह निर्देश एक सकारात्मक कदम है। नियामक द्वारा निर्धारित सीमा का पालन करने से उन्हें सुरक्षित महसूस होगा कि उनका प्रीमियम विचारशीलता से निर्धारित है। बीमा कंपनियों को भी इस नए निर्देश का पालन करना होगा और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें स्थिरता और विश्वसनीयता के साथ काम करना होगा। इस निर्देश की मान्यता से बीमा कंपनियों को ग्राहकों का भरोसा भी मिलेगा और इससे वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस निर्देश से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तैराकी और उन्हें खरीदने की ऊर्जा बढ़ेगी। वरिष्ठ नागरिकों को अपने इस खर्च के लिए टेंशन नहीं लेनी पड़ेगी और भविष्य की योजनाएं बनाना और अनुकूलित करने में उन्हें आसानी होगी।

चीन ने 3000 साल पुरानी बुनाई तकनीक से स्टील्थ विमानों की कमजोरी दूर की

बीजिंग ।

चीन ने 3,000 साल पुरानी रेशम बुनाई तकनीक का उपयोग करके स्टील्थ लड़ाकू विमानों की रडार-शोषक कोटिंग को मजबूत करने में सफलता हासिल की है। इस तकनीक से विमान की स्टील्थ कोटिंग में आने वाली दरारों को ठीक किया जा सकता है, जिससे उसकी रडार से बचने की क्षमता बनी रहती है। वहीं अमेरिका अपने एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ विमानों की कोटिंग के क्षरण की समस्या से जूझ रहा है, जिससे विमान की स्टील्थ क्षमता प्रभावित होती है। स्टील्थ विमानों में इस्तेमाल होने वाली कोटिंग की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह तेज गति, उच्च वायुगतिकीय दबाव, रेगिस्तानी तूफानों और नमी के कारण जल्दी खराब हो जाती है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों में हर तीन सप्ताह में इस कोटिंग को दोबारा लगाना पड़ता है, जिससे प्रति उड़ान घंटे 60,000 डॉलर तक की लागत आती है। वहीं चीन का दावा है कि उसने इस समस्या का समाधान प्राचीन बुनाई तकनीक के माध्यम से खोज लिया है। चीनी एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन और तियांगोंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हान राजवंश (206 ईसा पूर्व-220 ईस्वी) की जैक्वार्ड बुनाई तकनीक से प्रेरित एक दोहरे परत वाले मिश्रित कपड़े का विकास किया है। इस कपड़े में ताना-बुनी गई प्रवाहकीय धागों की संरचना है, जो 8-26 जीएसजेड स्पेक्ट्रम की 90.6 फीसदी रडार तरंगों को अवशोषित कर सकती है। यह पारंपरिक कोटिंग की तुलना में अधिक प्रभावी है।

भारत के सेवा क्षेत्र में तेज वृद्धि, उत्पादन और रोजगार में बढ़ोत्तरी: पीएमआई

नई दिल्ली । देश के सेवा क्षेत्र में फरवरी महीने में तेज वृद्धि के चरम पर पहुंचा है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में सुधार के कारण, जिसे 26 महीनों की निकटता में पाया गया है। एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने बताया कि नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार इस माह में सेवा क्षेत्र मे उत्पादन में वृद्धि हो रही है और इससे रोजगार में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। इस अच्छे समाचार का संकेत एचएसबीसी की सूचकांक ने दिया है। पहले 26 महीने में 56.5 से बढ़कर इस महीने में 59.0 तक पहुंच गया है, जिससे साफ होता है कि देश के सेवा क्षेत्र में तेजी सतह पर है। भारतीय अर्थव्यवस्था के इस उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव के बीच, वैश्विक मांग की वृद्धि ने सेवा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे उत्पादन वृद्धि और रोजगार की स्थिरता को प्रोत्साहित किया जा सकता है। इस सुधार के बड़े असर को देखते हुए, सेवा क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ और भी अच्छी गति की उम्मीदें जताई जा रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

10,000 रुपए की एसआईपी से निवेशकों को मिला 28 लाख का फंड

मुंबई ।

सबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड ने अपने 10 साल कर लिए हैं इस दौरान इसने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज पर केंद्रित इस फंड ने लंबी अवधि में स्थिर प्रदर्शन किया है। यदि किसी निवेशक ने फरवरी 2015 में इस स्कीम में सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए 10,000 रुपए का मासिक निवेश शुरू किया होता, तो अब तक उसकी निवेशित राशि की वैल्यू करीब 28 लाख रुपए हो गई होती। इस स्कीम की शुरुआत 26 फरवरी, 2015 में हुई थी। सबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज स्कीम की शुरुआत 26 फरवरी, 2015 में हुई थी। शुरुआत से अब तक एसबीआई बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड का प्रदर्शन शानदार रहा है। इस दौरान इस स्कीम के डायरेक्ट प्लान ने 14.94 फीसदी और रेगुलेर प्लान ने 13.73 फीसदी रिटर्न दिया है। बीते 5 साल में इसका रिटर्न 14.26 फीसदी सीएजीआर रहा।अगर आपने इस स्कीम में इसके लॉन्च के समय 1 लाख रुपए का एकमुश्त निवेश किया होता तो डायरेक्ट प्लान में आपका पैसा बढ़कर 4.03 लाख रुपए और रेगुलर प्लान में 3.62 लाख रुपए हो गया होता। इस फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 31 जनवरी, 2025 को 6,481 करोड़ रुपए था।

टाटा मोटर्स ने शुरू किया हाइड्रोजन ट्रकों का ट्रायल

- 24 महीने तक परखी जाएगी क्षमता

नई दिल्ली ।

वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के भारत के दृष्टिकोण की दिशा में सहायक भारत की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने ट्रकों का पहली बार परीक्षण शुरू किया है। परीक्षण का यह दौर 24 महीने तक चलेगा और इसमें विभिन्न कॉन्फिगुरेशन और पेलोड क्षमताओं वाले 16 एडवांस्ड हाइड्रोजन-संचालित वाहनों का निर्माण शामिल है।

ये वाहन नए जमाने के हाइड्रोजन पेट्रोल-डीजल इंजन (एच2-आईसीई) और फ्यूल सेल (एच2-एफसीईवी) प्रौद्योगिकियों से संपन्न होंगे और इनका भारत के बेहद प्रमुख ढुलाई मार्गों पर परीक्षण किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वड़ोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है जिसमें उत्सर्जन को कम करते हुए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। इस तरह की पहल से बड़े ट्रकों की गतिविधियों में बदलाव आएगा और हम एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने में सक्षम होंगे। मैं हाइड्रोजन-संचालित हरित और स्मार्ट परिवहन को सक्षम करने की दिशा में इस महत्वपूर्ण कदम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए टाटा मोटर्स को बधाई देता हूं।

जियो ने एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एआई प्लेटफॉर्म बनाया

- नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद

नई दिल्ली । जियो प्लेटफॉर्म्स ने स्वामित्व वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एक ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म बनाया है, जिससे प्रौद्योगिकी लागत को कम करने के साथ-साथ नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद है। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि मल्टी-डोमेन इंटेलिजेंस फ्रेमवर्क नेटवर्क संचालन की हर परत में कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन को एकीकृत करेगा। रिलायंस जियो के समूह एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बयान में कहा कि एएमडी, सिस्को और नोकिया के सहयोग से जियो ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ा रहा है ताकि नेटवर्क को स्व-अनुकूलित, ग्राहक-जागरूक पारिस्थितिकी तंत्र में बदल दिया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वचालन से कहीं आगे एआई-संचालित, स्वायत्त नेटवर्क को सक्षम करने के बारे में है जो वास्तविक समय में अनुकूलन करते हैं, उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाते हैं, और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में नई सेवा और राजस्व के अवसर पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि एआई प्लेटफॉर्म एक बड़े भाषा मॉडलसे स्वतंत्र होगा और अपनी कार्यक्षमता और क्षमताओं को अनुकूलित करने के लिए एक खुले एप्लिकेशन इंटरफेस का उपयोग करेगा।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 740 अंक , निफ्टी 254 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पिछले दिनों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। बाजार में ये तेजी एशियाई सहित दुनिया भर के बाजारों से मिल अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। इससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 740.30 अंक करीब 1.01 फीसदी बढ़कर 73,730.23 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 254.65 अंक तकरीबन 1.15 फीसदी ऊपर आकर 22,337.30 पर बंद हुआ

वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.96 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप100 इंडेक्स भी 2.42 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार आज निचले स्तरों पर खरीदार से बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में तेजी से भी घरेलू बाजारों पर अच्छा प्रभाव पड़ा। इसके अलावा आईटी शेयरों में उछाल ने भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 46 आज बढ़त में बंद हुए। अदानी पोर्ट्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इसमें 5 फीसदी की तेजी आई। टाटा स्टील, अदानी एंटरप्राइजेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन 5.15 फीसदी तक बढ़े। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, इंडियन बैंक, एचडीएफसी बैंक और श्रीराम फाइनेंस 3.37 के शेयरों में गिरावट रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने के फैसले से वहां गिरावट आई है। एसएंडपी 500 में 0.7 फीसदी की गिरावट आई, नैस्डैक में 0.6 फीसदी की गिरावट आई और डॉव में 423 अंक या 1 फीसदी की गिरावट आई।

इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स मामूली बढ़त लेकर 73,005.37 पर खुला। इसी तरह निफ्टी50 भी बढ़त में खुला। सुबह की शुरुआत में यह 135.40 अंक की बढ़त लेकर 22,218.05 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.04 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे बढ़कर 87.10 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क बढ़ाने से वैश्विक बाजारों में एक जवाबी प्रतिक्रया शुरू हो गई है। इसके चलते डॉलर में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक व्यापार युद्ध की आशंका वित्तीय दुनिया को जकड़े हुए है, इसलिए रुपये में थोड़ी नकारात्मक प्रवृत्ति के साथ कारोबार का अनुमान है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 87.18 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह बढ़त के साथ 87.10 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे ऊपर है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 87.19 पर बंद हुआ था।

चीन ने इस वर्ष के लिए अपना आर्थिक वृद्धि लक्ष्य तय किया

बीजिंग ।

चीन ने अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध और अन्य प्रतिकूलताओं के बावजूद 2025 के लिए अपना आर्थिक वृद्धि लक्ष्य लगभग पांच प्रतिशत तय किया है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में प्रीमियर ली कियांग ने बुधवार को एक रिपोर्ट पेश की, जिसमें जीडीपी वृद्धि के लक्ष्य की घोषणा की गई। यह इस बात का संकेत देता है कि चुनौतीपूर्ण आर्थिक समय में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सरकार कितनी महत्वाकांक्षी है। चीन सरकार के आंकड़ों के अनुसार आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि इस साल उसकी अर्थव्यवस्था 4.6 प्रतिशत बढ़ेगी। यह आंकड़ा 2024 में पांच प्रतिशत था।रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग पांच प्रतिशत का लक्ष्य हमारे मध्यम और दीर्घकालिक वृद्धि लक्ष्यों के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है और कठिनाइयों का सामना करने तथा उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 69 फीसदी बढ़ा

-औद्योगिक विकास को गति देने सरकार ने प्रमुख क्षेत्रों के लिए बजट बढ़ाया

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कहा है कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 69 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो 98 बिलियन डॉलर (2004-2014) से बढ़कर 165 बिलियन डॉलर (2014-2024) हो गया है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने 2025-26 में पीएलआई योजना के तहत प्रमुख क्षेत्रों के लिए बजट आवंटन बढ़ाया है, जिससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

अगस्त 2024 तक, कुल 1.46 लाख करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश मिला है, अनुमान है कि यह आंकड़ा अगले साल के भीतर 2 लाख करोड़ रुपए को पार कर जाएगा। इन निवेशों से उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है, जो 12.50 लाख करोड़ रुपए है, जबकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 9.5 लाख नौकरियां पैदा हुई हैं, निकट भविष्य में यह संख्या बढ़कर 12 लाख होने की उम्मीद है। कई क्षेत्रों में शानदार वृद्धि हुई है, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी हार्डवेयर के लिए आवंटन 5,777 करोड़ रुपए से बढ़कर 9,000 करोड़ रुपए हो गया है और ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट में 346.87 करोड़ रुपए से 2,818.85 करोड़ रुपए तक की वृद्धि हुई है।

सरकार के मुताबिक कपड़ा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला है, जिसका आवंटन 45 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,148 करोड़ रुपए हो गया है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पीएलआई योजना के तहत फल-फूल रहा है, जो मोबाइल फोन के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में बदल गया है। घरेलू उत्पादन 2014-15 में 5.8 करोड़ यूनिट से बढ़कर 2023-24 में 33 करोड़ यूनिट हो गया है, जबकि आयात में गिरावट आई है। निर्यात 5 करोड़ यूनिट तक पहुंच गया और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 254 फीसदी की बढ़ोरती हुई है, जो मैन्युफैक्चरिंग और निवेश को बढ़ावा देने में योजना की भूमिका को दर्शाता है।

जोमेटो- स्विगी के निवेशक होंगे मालामाल

मुंबई । शेयर बाजार में अगर आप स्विगी और जोमैटो के निवेशक मालामाल हो सकते हैं। दोनों शेयरों में अगले एक साल में 127 फीसदी तक के रिटर्न का अनुमान जताया गया है। एक ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्विगी का टारगेट प्राइस 740 रुपये प्रति शेयर और जोमैटो का टारगेट प्राइस 310 रुपये प्रति शेयर रखा है। अगर ये दोनों टारगेट प्राइस हासिल होते हैं तो स्विगी के शेयरों मौजूदा स्तर से 127 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि जोमैटो के शेयरों में 40 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इन कंपनियों में डिस्काउंट देने का ट्रेंड अब अपने पीक लेवल से नीचे आ चुका है, जो नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच सबसे ऊंचे स्तर पर था। इसके अलावा कंपनियां अब छोटे ऑर्डर्स पर डिस्काउंट देने की बजाय, बड़े ऑर्डर वॉल्यूम को बढ़ावा दे रही हैं। दोनों कंपनियों के परफॉर्मेंस मार्केटिंग खर्चों में भी कटौती हुई है, जिससे संकेत मिलता है कि कंपनियां अब टिकाऊ ग्रोथ की ओर बढ़ रही हैं। अगर ये दोनों टारगेट प्राइस हासिल होते हैं तो स्विगी के शेयरों मौजूदा स्तर से 127 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि जोमैटो के शेयरों में 40 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है।

संदेह की डगर- संचार मंत्रालय और संसदीय समिति के बीच टकराव

नई दिल्ली । संचार मंत्रालय और संसदीय समिति के बीच एक नया विवाद उभरा है, जिसकी शुरुआत हुई है दूरसंचार कंपनियों द्वारा हासिल किए गए स्पेक्ट्रम के मुद्दे पर। एक संसदीय समिति ने संचार मंत्रालय से चिंता व्यक्त की है कि 2022 से पहले यह स्थिति संशोधित होनी चाहिए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली समिति ने मंत्रालय को पत्र भेजकर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। समिति का कहना है कि स्पेक्ट्रम नीलामी की प्रक्रिया में कमी की उचित जांच की जानी चाहिए, और उन्होंने पूर्व में भी इस मुद्दे पर प्रकाश डाला है। सूत्रों के मुताबिक, समिति ने इस मामले में संचार और आईटी क्षेत्र की संतुलित विकास की चिंता व्यक्त की है। उनके अनुसार, 2015 की कैग रिपोर्ट में भी उसी बात का उल्लेख है। इस विवाद में, संचार मंत्रालय को समिति के आवाज को सुनने और उसकी सिफारिशों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दूरसंचार सेवाओं के विस्तार और उनके उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए सही स्पेक्ट्रम का उपयोग महत्वपूर्ण है, और इसलिए इस मुद्दे पर स्पष्टता और समझौता जरूरी है। संचार मंत्रालय और संसदीय समिति के बीच इस विवाद का समाधान होगा, और उम्मीद है कि सही निर्णय लिया जाएगा जो देश के संचार सेवाओं के उत्कृष्टिकरण में मददगार साबित होगा।

MP-MLA के समर्थक आपस में भिड़े, 6 घायल

पप्पू यादव के लोगों ने मारपीट और बंधक बनाने का लगाया आरोप, जमीन विवाद में झड़प

पूर्णिया। के कसबा में मंगलवार को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और कसबा से कांग्रेस विधायक अफाक आलम के समर्थक आपस में भिड़ गए। आपसी भिड़ंत में विधायक समर्थकों ने सांसद समर्थकों को न सिर्फ बुरी तरह पीटा बल्कि उन्हें बंधक भी बना लिया। मारपीट में सांसद के करीब 6 समर्थक घायल हो गए। हालात इतने बिगड़ गए पुलिस की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिसके बाद किसी तरह सिचुएशन अंडर कंट्रोल हो सका। घायलों में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के जिला सचिव मो. रिजवान और मो. मुफ्तार सहित अन्य हैं। मामला कसबा थाना क्षेत्र के सबदलपुर पंचायत से जुड़ा है।

घायल सांसद समर्थक मो. रिजवान ने कहा कि कसबा थाना क्षेत्र के सब्दलपुर पंचायत की जमीन को लेकर मो. मुफ्तार (सांसद समर्थक) का विवाद चल रहा है। विवाद परिवार वालों से है। जमीन के रुपए गबन करने की नीयत से पारिवारिक सदस्य ने 10 दिन पहले मुफ्तार के पिता मो. कालू को बंधक बनाया था। मुफ्तार के पिता की कोई खोज खबर नहीं मिल रही थी। इसी बीच ग्रामीणों से सूचना मिली कि परिवार वाले उन्हें बंधक बनाकर घर में छिपा कर रखा है। जिसके बाद हमलोग अपने कुछ साथियों के साथ उन्हें छुड़ाने के लिए सब्दलपुर पहुंचे। बताया कि गांव में पहुंचते ही कांग्रेस विधायक अफाक आलम के समर्थक विरोधी पक्ष की ओर से खड़े हो गए। विधायक के भाई के इशारे पर मामले को भड़काया गया। विरोध करने पर विधायक के समर्थकों ने मारपीट कर हमें बंधक बना लिया। ये सब राजनीति से प्रेरित होकर किया गया। विधायक समर्थकों के खिलाफ दिया आवेदन मामले की जानकारी मिलते ही कसबा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। हालत इतने खराब थे कि पुलिस की 3 और गाड़ियां मौके पर बुलानी पड़ी। जिसके बाद किसी तरह विधायक समर्थक के चंगुल से हमें निकाला गया। मारपीट में सांसद समर्थकों को काफी चोटें आई हैं। ग्रामीणों और साथियों की मदद से स्थानीय अस्पताल में एडमिट कराया गया। सांसद समर्थकों ने इलाज के बाद स्थानीय कसबा थाना में विधायक समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।मामले को लेकर कांग्रेस विधायक अफाक आलम और उनके भाई का पक्ष रखने के लिए उनसे संपर्क किया गया, पर उनसे बात नहीं हो पाई। कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने कहा कि मामला जमीन से जुड़ा है। मो. मुफ्तार के पिता सब्दलपुर गांव में रिश्तेदार के घर में थे। बेटा मो. मुफ्तार अपने साथी मो. रिजवान के साथ पिता को सब्दलपुर से लाने गया था। इसी दौरान परिवार वालों से उनकी हल्की मारपीट हुई। मामले को शांत करा लिया गया।

डीटीओ के चालक के खिलाफ केस दर्ज

दरभंगा। में 2 मार्च को सिमरी थाना क्षेत्र के शोभन के पास दरभंगा-मुजफ्फरपुर फोरलेन पर डीटीओ की गाड़ी से युवक की मौत हुई थी। मामले में चालक की मुश्किलें बढ़ गई है। सिमरी पासी टोला निवासी हीरा महतो ने दरभंगा के जिला परिवहन पदाधिकारी के चालक के खिलाफ यातायात थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कहा है कि 2 मार्च को मेरा पेटा लालबाबू महतो अपने दोस्त मुजफ्फरपुर जिले के बेनीबाद थाना सुवास निवासी रौशन झा के साथ बाइक से सिमरी बाजार जा रहा था। इस बीच शोभन पुल के पास डीटीओ गाड़ी के चालक ने बेटे की बाइक में ठोकर मार दी थी। हादसे में बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, रौशन जख्मी हो गया था। आरोपी चालक गाड़ी लेकर हो गया था

फरार घटना के बाद डीटीओ का चालक गाड़ी लेकर भाग गया था। रौशन का इलाज अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र हरिहरपुर में चल रहा है। सिमरी थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि यातायात थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई है। उधर, पीड़ित परिवार के घर पर संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा।मुखिया दिनेश महतो गहरी संवेदना व्यक्त कर कबीर अंत्येष्टि के 3 हजार रुपए आश्रित को मुहैया कराया। मौके पर सरपंच अशोक पासवान मौजूद थे।

हल्दी, चुकंदर और पालक से बन रहा गुलाल

समस्तीपुर। होली यानी रंगों का त्यौहार। गुलाल और रंग के बगैर होली फीकी होती है, लेकिन बाजार में उपलब्ध केमिकल वाले गुलाल और रंग चेहरे को नुकसान पहुंचा रहे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अपशिष्ट प्रबंधन विभाग की तरफ से हल्दी, चुकंदर और हरी साग सब्जियों से हर्बल गुलाल तैयार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रोजगार तलाशने वाले खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाओं को गुलाल बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ताकि महिलाएं घर पर रहते हुए हर्बल युक्त गुलाल का निर्माण कर रोजगार कर सकें। कम खर्चे में और बिना चेहरा को नुकसान पहुंचाने वाला गुलाल बन जाता है। इस गुलाल की डिमांड अब बाजारों में भी होने लगी है। विश्वविद्यालय की ओर से खादी ग्राम उद्योग के माध्यम से इसका कारोबार भी देश

के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉक्टर संगीता देव ने कहा कि हल्दी, चुकंदर और पालक से घर में भी छोटे पैमाने पर गुलाल का निर्माण किया जा सकता है। बड़ा कारोबार करने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनों की जरूरत होती है। हल्दी से गुलाल बनाने की विधि के बारे में बताया कि इसके लिए कच्चा हल्दी लिया जाता है। कच्चा हल्दी को साफ कर इसके ऊपर छिलके को हटाया जाता है। छिल्का हटाने के बाद जूसर मशीन के जरिए हल्दी का जूस बाहर निकाला जाता है। जूस को अरारोट में मिलाया जाता है। एक किलो अरारोट के साथ एक किलो हल्दी का जूस भी होना चाहिए। जिसे मशीन या हाथ से मिला सकते हैं। इसके बाद तैयार हुए लेप को 20 से 24 घंटा तक सुखाया जाता है। हल्दी के सुगंध को कम करने के लिए इसमें विभिन्न तरह का फ्लेवर जैसे लेमनग्रास, तुलसी डाल दिया जाता है। लेप को मिक्सी के जरिए पाउडर नुमा बनाकर वजन के हिसाब से पॉली पैक में भर दिया जाता है। अब यह गुलाल बिकने के लिए तैयार है। यह गुलाल पूरी तरह से सुरक्षित है। इसके उपयोग से चेहरे को कोई नुकसान नहीं है। कम खर्चे में अच्छा मुनाफा देने वाला यह साबित होता है।वैज्ञानिक डॉक्टर वीणा शाही बताती है कि इसी तरह गुलाबी गुलाल बनाने के लिए चुकंदर का प्रयोग किया जाता है। हरा गुलाल बनाने के लिए पालक के पत्ते का उपयोग किया जाता है। बाजार की डिमांड के अनुसार अभी विश्वविद्यालय में पीला, हरा और गुलाबी गुलाल का निर्माण किया जा रहा है। इन तीनों के निर्माण से संबंधित ट्रेनिंग भी ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को दी जा रही है ताकि वह आने वाले होली के मौके पर गुलाल का निर्माण कर कारोबार कर सके।

कोचिंग सेंटर के बाहर छात्र की हत्या

बेतिया। में आरडी कोचिंग सेंटर के बाहर एक छात्र की चाकू से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान पूर्वी करगहिया गांव निवासी दिव्यांशु कुमार (17) के रूप में हुई है। वह इंटरमीडिएट का छात्र था। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पूर्वी करगहिया स्थित आरडी लाइब्रेरी के पास की है। मृतक के भाई प्रियांशु ने कहा कि दिव्यांशु मंगलवार की देर शाम घर जा रहा था। इस बीच कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। दिव्यांशु ने फोन करके भाई से मदद मांगी। जब तक प्रियांशु मौके पर पहुंचा तब तक युवक की पिटाई जारी थी। इस दौरान एक आरोपी ने दिव्यांशु की पीठ में चाकू घोंप दिया। चाकू सीने को पार होने से

उसकी मौत हो गई।सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने कहा कि कोचिंग के मौजूदा छात्रों और एक पूर्व छात्र के बीच झड़प हुई थी। घटना के बाद पूर्वी करगहिया के कुछ युवकों ने पेट्रोल छिड़ककर आरडी कोचिंग में आग लगा दिया। मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी डॉ शौर्य सुमन ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। मौके पर अग्निशमन की गाड़ी, फोरेंसिक की टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया। मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम जीएमसीएच में कराया जा रहा है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने आगे कहा कि आरोपियों ने दिव्यांशु को चाकू मार घायल कर दिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

चाकूबाजी की घटना के बाद पूर्वी करगहिया के ही कुछ युवकों ने पेट्रोल छिड़क कर आर डी कोचिंग में आग लगा दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई थी।

भोजपुर में पेड़ से लटकी मिली युवक की लाश

भोजपुर। जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के मलथर गांव के पूरब साइड गेहूं के खेत के पास पेड़ से लटकी एक लाश मिली। मृतक की उम्र करीब 28 साल होगी। गले में गमछा बंधा और काले रंग का निशान पाया गया। पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है।

मैरून रंग की शर्ट, ग्रीन जैकेट और सिल्वर ट्रॉउजर पहने हुए था। पहचान अभी नहीं हो सकी है। स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना उदवंतनगर थाना को दी। उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एफएसएल की टीम को बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य को संकलन किया और लाश

को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस की रिपोर्ट में गमछे से फंदा लगाने के कारण दम घुसने से मौत है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चलेगा। चौकीदार माधव सिंह ने बताया कि खेत की ओर घास गढ़ने जा रही महिलाओं को नजर युवक की लाश पर पड़ी। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। युवक कौन है, कहां रहता है

संक्षिप्त डायरी

युवक ने खुद के अपहरण की रची साजिश, गिरफ्तार

औरंगाबाद। में एक युवक ने खुद के अपहरण की झूठी साजिश रची और अपने पिता से 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी। युवक को ऑनलाइन गेम की लत लगी है। जिसमें वो मोटी रकम गंवा चुका है। उसके ऊपर 14 लाख रुपए कर्ज हो चुका था। कर्ज से मुक्त होने के लिए वो काफी परेशान था। उसके बाद युवक ने अपने अपहरण की प्लानिंग की। 3 मार्च (सोमवार) की सुबह 8 बजे अपने घर से निकला था। 2 घंटे के बाद पिता को व्हाट्सएप कॉलिंग कर फिरौती की मौत की। 3 मार्च को ही पिता ने बेटे के अपहरण की एफआईआर देव थाना में दर्ज कराया। वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने 4 मार्च को अपहृत कृष्णा को रफीगंज इलाके से बरामद कर लिया। युवक कृष्णा ने अपनी झूठी अपहरण की कहानी पुलिस को बताई। जिसके बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। दोस्त के पास जाने की बात कहकर घर से निकला था युवक की पहचान देव थाना क्षेत्र के कुरका गांव निवासी अजीत मिश्रा के बेटे कृष्णा मिश्रा (25) के रूप में की गई है। देव थानाध्यक्ष सौरव कुमार ने बताया कि कृष्णा घर से 15 किमी दूर अंबा जाने के लिए निकला था। अंबा से पहले जीवा बिगहा के पास से उसका अपहरण हुआ था, हालांकि ये एक प्लानिंग थी। कृष्णा ने अपने पिता अजीत को बताया था कि वो अपने किसी दोस्त से मिलने जा रहा है। फिरौती के लिए पिता व्हाट्सअप कॉल आया था। जिसके बाद एसपी अंबरीश राहुल के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया। बताया गया कि कृष्णा ने अपने पढ़ाई पूरी कर ली है। उसने स्नातक तक किया है। उसके बाद वो ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में पड़ गया।

अवैध हथियार के साथ 2 गिरफ्तार

भोजपुर। पुलिस ने अवैध हथियार के साथ 2 युवकों को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। गिरफ्तार युवकों में शाहपुर नगर के वार्ड-10 निवासी रितेश कुमार और प्रकाश कुमार शामिल है। इनके पास से 2 पिस्टल, 4 कारतूस और 2 मोबाइल बरामद किया गया है। आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस पूर्व के आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है।बताया जा रहा कि आरोपितों का पिस्टल के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया था। जिसके बाद इसकी शिकायत पुलिस अफसरों से की गई थी। टीम गठित कर वार्ड संख्या-10 मोहल्ला में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस रितेश कुमार और प्रकाश कुमार को पकड़ा गया। थानाध्यक्ष रजनीकांत ने बताया कि बरामद अवैध हथियारों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है। एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत ने फोटो का सत्यापन किया। सत्यापन के बाद पुलिस को पता चला कि दोनों व्यक्ति शाहपुर नगर के रहने वाले हैं। इसके बाद वरीय पदाधिकारी को इसकी जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टीम गठित कर दोनों के घर पहुंचे। तभी पुलिस को देख दोनों भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस ने जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 2 देसी पिस्टल, 2 मैगजीन, 4 कारतूस और 3 मोबाइल बरामद किया। गिरफ्तार दोनों अपराधियों के खिलाफ शाहपुर थाना में पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

व्यक्ति को अपराधियों ने मारी गोली

भोजपुर। में मंगलवार को अपराधियों ने एक राहगीर को गोली मार दी। घायल की पहचान पटना के रानीतलाब थाना के निसरपुरा गांव निवासी एतवार पासवान के बेटे केशो पासवान (55) के रूप में की गई है। बुलेट दाएं जांघ के लगी है। उन्हें इलाज के लिए रेफरल अस्पताल ले जाया गया।

वहां से सदर अस्पताल आरा रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा कि अपराधी एक बाइक पर 3 की संख्या में थे। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल पर जांच की। इधर, थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि मामला शुरूआती जांच में संदिग्ध लग रहा है। हर एंगल पर जांच चल रही है। केशो पासवान अपने गांव से अखगांव बाजार पर सब्जी की खरीदने गए थे।घटना संदेश थाना क्षेत्र के अखगांव-सारीपुर तटबंध मार्ग की है।अखगांव सोन नदी के बांध के रास्ते वापस जा रहे थे। करीब 200 मीटर पूरब सारीपुर गांव से पश्चिम एक बाइक पर बाइक सवार 3 बदमाशों ने गोली मारकर जख्मी कर दिया। इसके बाद बाइक सवार अपराधी पश्चिम की तरफ भाग निकले।

31 मार्च तक राशन कार्डधारी को आधार सीडिंग करना अनिवार्य

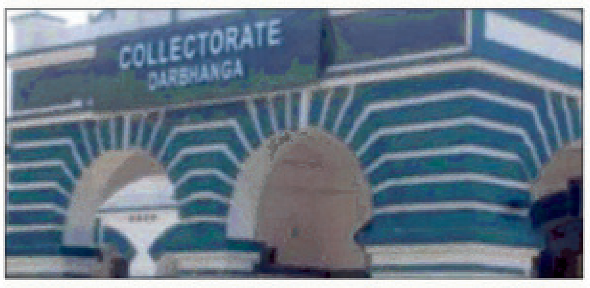

दरभंगा। में राशन कार्डधारियों के लिए आधार सीडिंग की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तय की गई है। डीएम राजीव रौशन ने जिले के सभी राशन कार्डधारियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आधार सीडिंग कराने की अपील की है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत भारत सरकार ने राशन कार्ड में अंकित सभी सदस्यों की आधार सीडिंग अनिवार्य की है। पहले इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया गया है। आधार सीडिंग कराने के लिए नजदीकी राशन दुकानों पर जाकर ी-POS मशीन से निःशुल्क ी-ड उ कराया जा सकता है। लाभ लेने के लिए कराना होगा सिडिंग Mera e-KYC ऐप और Aadhar FaceRD ऐप के जरिए मोबाइल से घर बैठे Facial e-KYC करा सकते हैं। यदि 31 मार्च 2025 तक किसी सदस्य का आधार सीडिंग नहीं होता, तो उसका नाम 01 अप्रैल 2025 से राशन कार्ड से विलोपित कर दिया जाएगा। ऐसे सदस्य सरकारी राशन (खाद्यान्न) के लाभ से वंचित हो जाएंगे। डीएम ने कहा कि सभी राशन कार्डधारी जल्द से जल्द आधार सीडिंग कराएं, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहे। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के निर्देश से17 सितम्बर 2024 से राशन कार्ड में अंकित प्रत्येक सदस्य के लिए 31 दिसंबर 2024 तक आधार संख्या की सीडिंग कराना अनिवार्य था।

पर एकबार फिर भारत सरकार के निदेर्शानुसार राशन कार्ड में अंकित प्रत्येक सदस्य के लिए 31 मार्च 2025 तक आधार संख्या की अनिवार्य सीडिंग के लिए तिथी तय की गई है।

सदन में तेजस्वी यादव पर भड़के CM नीतीश कुमार, कहा- तुम्हारे पिता को मैंने ही बनाया

पटना। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और सीएम नीतीश कुमार के बीच तीखी बहस हुई। तेजस्वी ने सीएम नीतीश से 20 सालों का हिसाब मांगा। वहीं सीएम नीतीश उन्हें बच्चा कहते हुए पूछा कि 2005 से पहले क्या स्थिति थी। सीएम नीतीश बोल ही रहे थे कि विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। आइए जानते हैं बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में क्या क्या हुआ?सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पंचायती राज और नगर निकाय में 50 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया। 2013 में महिला पुलिस को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। बिहार में महिला पुलिस की कितनी संख्या है पूरे देश में किसी राज्य में इतनी संख्या नहीं है। स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसका नाम जीविका रखा। स्वयं सहायता समूह का गठन किया जिसका नाम जीविका रखा। दस लाख नौकरी में 935000 नौकरी दी जा चुकी है। अब इसे 12 लाख कर दिया गया है। 38 लाख रोजगार करने का लक्ष्य रखा है। दोनों मिलकर 50 लाख कर दिया गया है। प्रगति यात्रा के दौरान जहां जो कमी है उसको पूरा करने की घोषणा की। उसने कैबिनेट से भी पास किया गया। सरकार सभी जातियों धर्म के कार्यों के पूरा करने के लिए कृत संकल्पत है। प्रधानमंत्री को उन्होंने धन्यवाद कहा। सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव और बिहार विकास के पद पर अग्रसर रहे। विपक्ष के लोग भाग गए हैं इन्हें भी हम इसको धन्यवाद देते हैं। यह लोग अंड-बंड बोलता रहा है। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। जल नल के बारे में जब मुख्यमंत्री कहने लगे तो विपक्ष ने कहा कि नल का टोंटी टूट गया है। तेज प्रताप यादव ने इशारा किया सब विरोध करो तब पूरा विपक्ष खड़ा हो गया। और, विरोध करने लगा। विपक्षी मुख्यमंत्री गद्दी छोड़ो का नारा लगाने लगे। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग तो भाग गया क्यों कि इन लोगों को समझ में कुछ आ रहा है?सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पहले स्वास्थ्य व्यवस्था की कैसी

हालत थी? पहले स्वास्थ्य केंद्र में एक दिन में एक या दो मरीज आते थे। अस्पताल में दवाई की व्यवस्था करवाई। अब देखिए अस्पतालों में औसतन 11 हजार लोग आए। पहले छह मेडिकल कॉलेज था। हमने आया तो नए नए मेडिकल कॉलेज बनवाएं। इस पर तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया तो सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि तुम्हारे पिता को भी हमने ही मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने क्या काम किया यह सब जानते हैं। चार साल के बाद 1994 हम अलग हो गए।विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जब हम लोग आए थे उसे समय स्थिति क्या थी? शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। कुछ पता है? इंप्रेस वाले सब पूछ लो। मुख्यमंत्री के बोलने पर विपक्ष ने हल्ला किया? समाज में कितना विवाद होता था। हिंदू मुस्लिम का झगड़ा कितना होता था। मुसलमान को कुछ होता था उसको बचाने का कोई उपाय करते थे? पढ़ाई का क्या हाल था? अध्यक्ष ने विपक्ष को कहा कि आपका नेता ने एक लकीर खींची है आप उसको क्यों छोटा करना चाहते हैं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कब्रिस्तान की घेराबंदी करवाई गई। पहले क्या स्थिति थी कोई घर से नहीं निकलता था। अब देखिए 10 बजे, 11 बजे रात में सब घूमता है। हमलोगों ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी काम किया। दो लाख 74 हजार शिक्षकों की बहाली की। नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया। तेजस्वी यादव ने परिवारवाद के मुद्दे पर एनडीए विधायाकों को घेरा। कहा कि चारा घोटाला की बात करते वालों ने पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा के बेटे को मंत्री बना दिया। मंत्री सम्राट चौधरी, संतोष सुमन, नितिन नवीन, अशोक चौधरी समेत कई नेता परिवारवाद का उदाहरण हैं। इन पर क्यों नहीं बोलते। इस पर मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष यह क्यों नहीं बोल रहे हैं कि पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा को अदालत ने बरी कर दिया था। अंत में तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मेरे पत्र का जवाब नहीं दिया इस बात का मुझे दुःख है। नया बिहार बनाने के लिए हमें आप सब का आशीर्वाद चाहिए। इसके बाद विजय सिन्हा ने कहा कि आपके बिहार को गाली देने में आपके पिताजी का काफी योगदान है।बजट पर बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बजट में महिलाओं को 2500 रुपया नहीं दिया गया। न वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी की गई। न बिजली के दर कम किए गए। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। कहा कि केंद्र ने चंद्रबाबू नायडू के लिए पिटारा खोल दिया। 16 एमपी उनके पास हैं। केंद्र उन्हें सबकुछ दे रही है और हमारे मुख्यमंत्री उनके पैरों में गिर जाते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण चोर है। एनडीए सरकार ने बिहार को विशेष पैकेज नहीं दिया। वहां चंद्रबाबू नायडू की सरकार को एनडीए सरकार ने दो लाख करोड़ का पैकेज दिया। बजट पर बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बजट में महिलाओं को 2500 रुपया नहीं दिया गया। न वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी की गई। न बिजली के दर कम किए गए। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। कहा कि केंद्र ने चंद्रबाबू नायडू के लिए पिटारा खोल दिया। 16 एमपी उनके पास हैं। केंद्र उन्हें सबकुछ दे रही है और हमारे मुख्यमंत्री उनके पैरों में गिर जाते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण चोर है। एनडीए सरकार ने बिहार को विशेष पैकेज नहीं दिया। वहां चंद्रबाबू नायडू की सरकार को एनडीए

बादाम का दूध पीने से हो सकते हैं कुछ नुकसान

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है।

आज के समय में लोग दूध में लैक्टोज फ्री ऑप्शन चुनना पसंद करते हैं और ऐसे में वे बादाम के दूध का सेवन करते हैं। यह काफी लाइट होता है और इसका नटी टेस्ट होता है। शायद यही वजह है कि बादाम के दूध को ऐसे ही पीने के साथ-साथ कॉफी व स्मूदी में भी इस्तेमाल करते हैं। चूंकि, इसमें अक्सर रेग्युलर दूध की तुलना में कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने की जद्दोजहद करने वाले लोगों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हर किसी के लिए बादाम का दूध पीना उतना सेहतमंद ऑप्शन नहीं है।

जबकि बादाम के दूध के अपने फ़ायदे हैं, इसके कुछ साइड इफ़ेक्ट भी हैं, जिन्हें बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बादाम का दूध पीने से होने वाले कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं-

थायराइड से जुड़ी समस्याएं

जिन लोगों को थायराइड की शिकायत होती है, उनके लिए बादाम का दूध पीना शायद उतना अच्छा ऑप्शन नहीं है। दरअसल, बादाम में गोइट्रोजन होते हैं, जिन्हें अगर बहुत अधिक मात्रा में लिया जाता है, तो यह थायराइड फ़ंक्शन को बाधित कर सकते हैं। इसलिए, थायराइड से पीड़ित व्यक्ति को हर दिन बादाम का दूध पीने या फिर इसे बहुत अधिक मात्रा में पीने से बचना चाहिए।

किडनी स्टोन का बढ़ सकता है रिस्क

बादाम का दूध किडनी स्टोन की समस्या के रिस्क को भी बढ़ा सकता है। दरअसल, बादाम में ऑक्सालेट होते हैं, जो कुछ लोगों में किडनी स्टोन के गठन में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, जिन लोगों को पहले से ही किडनी स्टोन होने का खतरा है, उन्हें बादाम के दूध सहित बादाम से बने बहुत सारे प्रोडक्ट्स का सेवन करने से बचना चाहिए।

पेट से जुड़ी समस्या

बादाम का दूध कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या का कारण भी बन सकता है। दरअसल, बादाम के दूध में कैरेजीनन होता है, जो एक गाढ़ा करने वाला एजेंट है। इसे पचाना कुछ लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ लोगों को ब्लोटिंग, गैस या पेट में हल्की ऐंठन की शिकायत भी हो सकती है।

चेन्नई पर्यटन स्थल: दक्षिण भारत का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक हब

"महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।"

चेन्नई, जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य की राजधानी है और यह दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। चेन्नई की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, सुंदर समुद्र तट, और आधुनिक जीवनशैली इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह शहर न केवल अपने व्यापारिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, संगीत, नृत्य और काव्य कला के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं चेन्नई के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. महाबलीपुरम

महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। विशेष रूप से फ्पंच रथफ्र और फ्अरजुन की तपस्याफ्र जैसे स्थल यहाँ की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर करते हैं।

2. कापालेश्वर मंदिर

चेन्नई में स्थित कापालेश्वर मंदिर एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के आसपास का वातावरण भक्तों को शांति और ध्यान की अनुभूति कराता है। यह मंदिर चेन्नई के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

3. सेंट थॉमस चर्च

सेंट थॉमस चर्च, जो चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट पर स्थित है, एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह चर्च ईसाई धर्म के एक प्रमुख स्थल के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि कहा जाता है कि यहां सेंट थॉमस की ममी दफनाई गई थी। यहां का शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

4. विवेकानंद हाउस

विवेकानंद हाउस, जो चेन्नई के समुद्र तट के पास स्थित है, स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान को समर्पित एक संग्रहालय है। यहां आप स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके कार्यों के बारे में जान सकते हैं। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय संतों और उनके विचारों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

5. अन्ना सलाई

अन्ना सलाई, जिसे मार्सल रोड भी कहा जाता है, चेन्नई का एक प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न व्यापारिक केंद्र, शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं, जो इसे शॉपिंग और खाने-पीने के शौकिनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह क्षेत्र चेन्नई की आधुनिक जीवनशैली को दर्शाता है।

6. ईक्विनॉक्स बीच

चेन्नई के समुद्र तटों में एक प्रमुख नाम ईक्विनॉक्स बीच का है। यह बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ पर शांति और सुकून का अनुभव होता है। सुबह और शाम के समय समुद्र के पास घूमना या बैठना एक अद्भुत अनुभव होता है। यहां का वातावरण स्वच्छ और शांतिपूर्ण होता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

7. वेलाचेरी झील

यदि आप प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं, तो वेलाचेरी झील एक बेहतरीन स्थल है। यह एक शांत और सुंदर झील है, जहाँ आप पैदल चलने, बोटिंग करने या सिर्फ दृश्य का आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। यह स्थल शहर के शोर-शराबे से दूर आराम और सुकून का अनुभव प्रदान करता है।

8. मरीना बीच

मरीना बीच, चेन्नई का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है और यह भारत का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यहां पर घूमने का अनुभव बहुत ही अद्भुत होता है। खासकर सुबह और शाम के समय यहाँ की हवा और समुद्र का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यहाँ के किनारे पर चलना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखना एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

9. चित्तारन मंदिर

चित्तारन मंदिर चेन्नई के पास स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान शिव के नटराज रूप की पूजा की जाती है और यह स्थान भारतीय हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों में से एक है।

10. कांची काचीयमंगलम

कांची काचीयमंगलम, जो चेन्नई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है, तमिलनाडु का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहाँ के प्राचीन मंदिर और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए कांची काचीयमंगलम प्रसिद्ध है। यह स्थल इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श है।

चेन्नई एक विविधताओं से भरा हुआ शहर है, जहां पर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। यहां का प्रत्येक स्थल अपनी अलग पहचान और आकर्षण से भरपूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए जाएं या समुद्र के किनारे शांति का अनुभव करना चाहें, चेन्नई हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आदर्श गंतव्य है।

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन का लेवल कितना होना चाहिए?

2-5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

डॉक्टर और विशेषज्ञ हमेशा जरूरी मात्रा में स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने की सलाह देते हैं. दरअसल, आहार से प्राप्त पोषण इम्यून सिस्टम और हमारे शरीर की सभी प्रणालियों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. आहार से मिलने वाले न्यूट्रिएंट्स और मिनरल्स जैसे कि आयरन, प्रोटीन, विटामिन और कैल्शियम आदि शरीर की सभी इंटरनल सिस्टम को सही और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. साथ ही, इन न्यूट्रिएंट्स और कई आंतरिक शारीरिक गतिविधियों के कारण हमारे शरीर में कुछ खास तरह के तत्व और तरल पदार्थ भी बनते हैं, जो शरीर को अलग-अलग तरह से पूरी तरह स्वस्थ रखने में अपनी भूमिका निभाते हैं.

हीमोग्लोबिन भी एक तरह का प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है. खून में हीमोग्लोबिन की कमी एनीमिया यानी खून की कमी का संकेत माना जाता है. वहीं, अगर खून में हीमोग्लोबिन जरूरत से ज्यादा कम होने लगे तो इससे न सिर्फ हमारी शारीरिक और मानसिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं बल्कि कई बार कम या ज्यादा गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं.

खून में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर होना महत्वपूर्ण है

दिल्ली की पोषण विशेषज्ञ डॉ दिव्या शर्मा बताती हैं कि हीमोग्लोबिन हमारी रेड ब्लड सेल्स यानी (आरबीसी) में पाया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है, जो खून के माध्यम से हमारे पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य करता है. शरीर में जब हीमोग्लोबिन की मात्रा ज्यादा कम हो जाती है, तो शरीर के सभी अंगों, उत्तकों और कोशिकाओं में आवश्यक ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने लगती हैं. यह स्थिति कई रोगों तथा समस्याओं का कारण बन सकती हैं.

उम्र के हिसाब से हीमोग्लोबिन कितना होना चाहिए

डॉ. दिव्या बताती हैं कि पुरुष, महिला और बच्चों में इसकी आदर्श मात्रा अलग-अलग होती है, उदाहरण के लिए सामान्य स्थिति में नवजात शिशु में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर 17.22 ग्राम/डीएल माना जाता है, जबकि बच्चों में यह 11.13 ग्राम/डीएल होता है. वही, एक वयस्क पुरुष के रक्त में हीमोग्लोबिन का आदर्श स्तर 14 से 18 ग्राम/डीएल और एक वयस्क महिला में 12 से 16 ग्राम/डीएल माना जाता है. वयस्कों में इस संख्या में एक या दो अंकों की कमी आमतौर पर बहुत गंभीर नहीं मानी जाती है, लेकिन अगर रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर 8 ग्राम या उससे नीचे चला जाए तो इसे चिंताजनक स्थिति माना जाता है. इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी हो जाता है.

2 से 5 वर्ष के बच्चे में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए?

2 से 5 साल की उम्र के बच्चे में हीमोग्लोबिन का स्तर 11.5 से 13.5 ग्राम प्रति डेसीलिटर होना चाहिए. यह स्तर बच्चे के विकास और अच्छे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है.

शरीर में एनीमिया के लक्षण

रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी या एनीमिया की समस्या होने पर पीड़ित लोगों में कई बार कम या ज्यादा तीव्रता में कुछ शारीरिक व मानसिक समस्याएं नजर आने लगती हैं. जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं.

लगातार या जल्दी जल्दी सिर दर्द होना

सांस फूलना तथा चक्कर आना
थकान और कमजोरी
शरीर में अकड़न महसूस होना
लो ब्लड प्रेशर या लो बीपी
शरीर में एनर्जी में कमी
चिड़चिड़ापन तथा घबराहट होना
सीने में दर्द
तेज या अनियमित दिल की धड़कन
खून की कमी
ज्यादा ठंड लगना और हाथ और पैर ठंडे होना
एकाग्रता में कमी
हड्डियों में कमजोरी
कमजोर इम्यूनिटी या इम्यूनिटी से संबंधित रोग

महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान ज्यादा दर्द होना , आदि.

ये हैं खून की कमी के कारण

डॉ. दिव्या बताती हैं कि हमेशा शरीर में पोषण की कमी ही ब्लड में हीमोग्लोबिन कम होने का कारण नहीं होती. कई बार आनुवंशिक कारणों, सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवंशिक समस्याओं, कैंसर, थैलेसीमिया, किडनी की समस्याओं, लिवर की बीमारी जैसी कुछ बीमारियों या शारीरिक समस्याओं, ऑटोइम्यून बीमारी, बोन मैरो डिसऑर्डर और थायरॉयड रोग जैसी कुछ पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो सकता है. इसके अलावा, जिन लोगों के ब्लड में हीमोग्लोबिन की मात्रा अपेक्षित संख्या से कम होती है, उन्हें कभी-कभी अवसाद, उदासीनता, उनींदापन और चिड़चिड़ापन और संज्ञानात्मक और तार्किक क्षमता में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है.

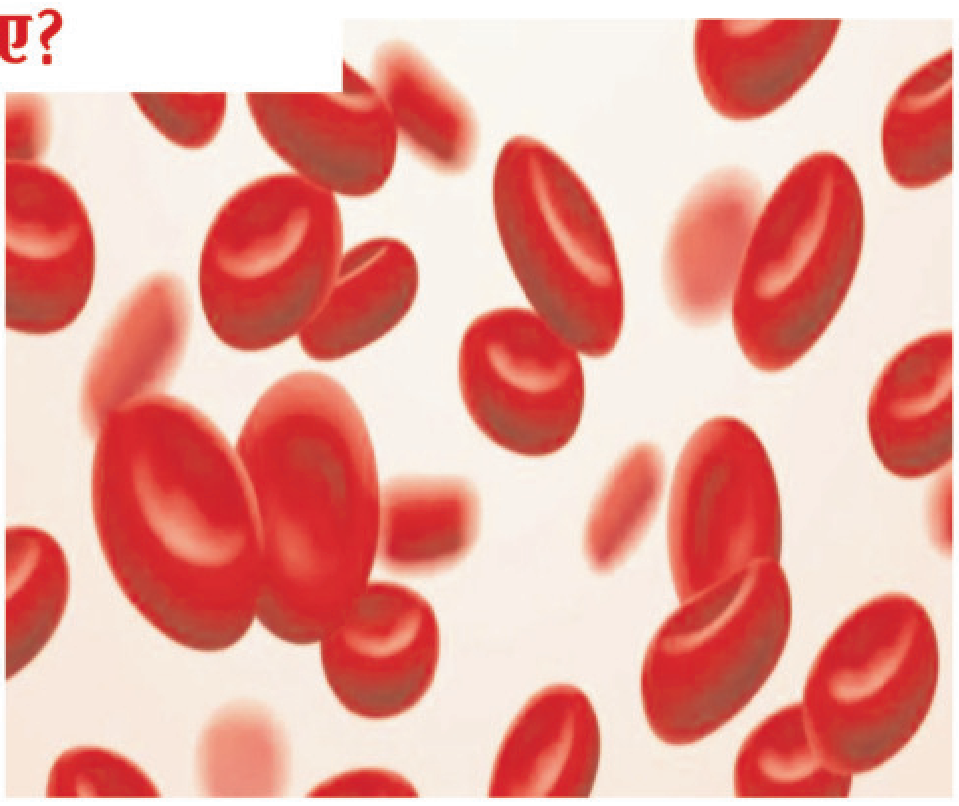

आईसीसी रैंकिंग: विराट कोहली ने रोहित शर्मा को पछाड़ा, अफगानिस्तान के उमरजई बने नंबर-1 ऑलराउंडर, अक्षर पटेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने बुधवार को वनडे प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई नंबर-1 वनडे ऑलराउंडर बन गए हैं। उन्होंने हमवतन मोहम्मद नबी को दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। उमरजई के खाते में फिलहाल 296 रेटिंग अंक हैं। ये उनके करियर के सर्वोच्च रेटिंग अंक हैं। उमरजई ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट हॉल लेने के अलावा 41 रनों की पारी खेली थी। अफगानिस्तान से हारने के कारण इंग्लैंड का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर बंध गया। उमरजई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 67 रन बनाए थे लेकिन मैच बारिश में धुल गया।

वहीं भारत के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बड़ा फायदा हुआ है। वह 17 स्थान की छलांग लगाकर 13वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने करियर के सर्वोच्च 194 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 42 और ऑस्ट्रेलिया के सामने 27 रन बनाए थे। उन्होंने एक-एक विकेट भी निकाला था। बल्लेबाजों की रैंकिंग में विराट कोहली को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह 747 अंकों के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा को दो स्थान का नुकसान हुआ है। रोहित टूर्नामेंट में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। ओपनर शुभमन गिल (791) टॉप पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम (770) दूसरे स्थान पर हैं। टॉप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज हैं।

वहीं गेंदबाजी की रैंकिंग में भारत के अनुभवी पेसर मोहम्मद शमी (609) को तीन स्थान का लाभ मिला है। वह अब 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 48 रन देकर तीन विकेट चटकाए। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराने के बाद फाइनल में एंट्री की है। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (649) तीन स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ आखिरी लीग मैच में पांच विकेट हॉल लिया था। श्रीलंकाई स्पिनर महेश तीक्षणा (680) नंबर वन गेंदबाज हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (660) दूसरे पायदान पर हैं। स्पिन कुलदीप यादव (637) टॉप-10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। वह छठे स्थान पर काबिज हैं।

लेब्रोन जेम्स ने रचा इतिहास, 50,000 करियर पॉइंट बनाने वाले पहले एनबीए खिलाड़ी बने

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता लेब्रोन जेम्स 50,000 करियर पॉइंट बनाने वाले इतिहास के पहले एनबीए खिलाड़ी बन गए हैं। 40 वर्षीय लॉस एंजिल्स लेकर्स स्टार ने मंगलवार को न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स के खिलाफ घर पर एनबीए रेगुलर सीजन गेम के दौरान तीन-पॉइंटर स्कोर करने के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

न्यू ऑरलियन्स पेलिकन्स के खिलाफ लेकर्स के मैचअप में जेम्स को सिर्फ एक पॉइंट की जरूरत थी। उन्होंने पहले क्वार्टर में 8-34 मिनट शेष रहते लुका डोनसिक फीड से लेफ्ट विंग से तीन-पॉइंटर लगाया। उन्होंने 34 पॉइंट, 8 रिबाउंड और 6 असिस्ट किए, जिससे लेकर्स ने पेलिकन्स पर 136-115 से जीत हासिल की।

अमेरिकी खिलाड़ी के संयुक्त स्कोर में अब 41,871 नियमित-सीजन अंक और 8,162 पोस्टसीजन अंक शामिल हैं। वह एनबीए के इतिहास में एक किशोर के रूप में और 40 वर्ष की आयु के बाद खेलने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। पिछले महीने जेम्स एनबीए के इतिहास में 40 या उससे अधिक उम्र में एक खेल में कई 40 से अधिक अंक हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बने।

दिग्गज माइकल जॉर्डन एकमात्र अन्य 40 वर्षीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने 40 से अधिक अंक हासिल किए हैं। पिछले साल दिसंबर में जेम्स ने लॉस एंजिल्स लेकर्स की सैक्रामेंटो किंग्स पर जीत के दौरान लीग के इतिहास में सबसे अधिक मिनट खेलते हुए छह बार के एनबीए एमवीपी करीम अब्दुल-जब्बार को पीछे छोड़ दिया। वह 7 फरवरी, 2023 को अब्दुल-जब्बार के नियमित-सीज़न स्कोरिंग रिकॉर्ड को पार करने के बाद पहले से ही लीग के शीर्ष स्कोरर थे और 25 मई, 2017 को माइकल जॉर्डन के प्लेऑफ स्कोरिंग रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाएगी टीम : गंभीर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर लगता है अब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन से पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हुए हैं। गंभीर का मानना है कि टीम रविवार को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में विराट कोहली के 84 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। इससे पहले टीम ने तीनो लीग मुकाबले भी जीते थे।

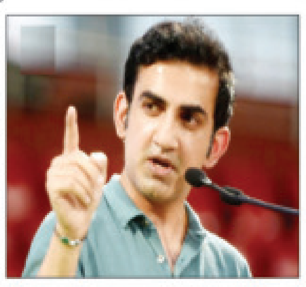

गंभीर ने मैच के बाद कहा, 'अंतरराष्ट्रीय खेल में आप लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। आप यह नहीं कह सकते कि पूरी तरह से सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। अभी तक हमने ऐसा नहीं किया है। मैं कभी भी प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं होऊंगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय टीम 9 मार्च को चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, 'अभी हमें एक मैच और खेलना है। उम्मीद है कि वह सर्वश्रेष्ठ खेल होगा। हम लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और क्रिकेट के मैदान पर बेरहम लेकिन मैदान से बाहर विनम्र रहना चाहते हैं।

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अबतक चार स्पिनरों को उतारा है। वहीं अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने और केएल राहुल को छठे नंबर पर उतारने जैसे कई साहसिक फैसले भी लिए हैं। इसी को लेकर गंभीर ने कहा कि ये बदलाव इसलिए किया गया है ताकि खिलाड़ी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर अपना सर्वश्रेष्ठ करने प्रेरित हों। गंभीर ने कहा, 'क्रिकेट का मतलब अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना ही है। आप इसी तरह से निखरते हैं। अगर सभी कम्फर्ट जोन में रहेंगे तो जड़ता आ जाएगी। हमारे ड्रेसिंग रूम में सब कम्फर्ट जोन से बाहर रहते हैं, चाहे कोचिंग स्टाफ हो या खिलाड़ी और आगे भी वही करेंगे जो भारतीय क्रिकेट के लिये जरुरी है।

आईपीएल में इस बार आईसीसी नियमों के अनुसार मिलेगी सजा

मुम्बई (एजेंसी)। अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट कार्उंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गवर्निंग कार्उंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर का रूल जारी रहेगा। हालांकि इम्पैक्ट प्लेयर रूल को लेकर पिछले साल काफी बवाल भी हुआ था। रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों ने इस रूल की आलोचना की थी। बावजूद इसके आगामी सीजन में इम्पैक्ट खिलाड़ियों का रूल जारी रहेगा।

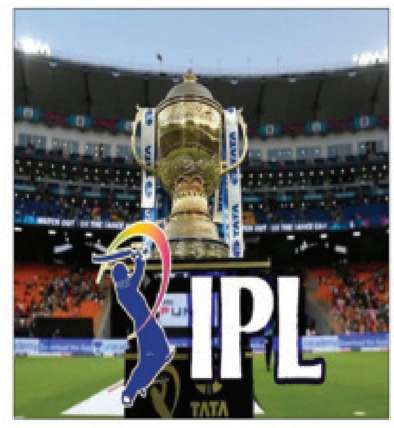

फियाटपे ने मुंबई इंडियंस के साथ करार किया

मुम्बई (एजेंसी)। 22 मार्च से शुरु होने वाले आईपीएल 2025 के लिए तैयारियों जोरों पर हैं। आईपीएल अब खेल के साथ ही बड़ा करोबार भी बना गया है। इसमें क्रिकेट के रोमांच के साथ ही तकनीक भी जुड़ गयी है। टीम के साथ ही मैदान में आने वाले दर्शकों को भी तेजी से भुगतान के लिए अच्छी सेवाएं मिलेंगी क्योंकि डिजिटल भुगतान की नामी कंपनी फियाटपे ने मुंबई इंडियंस के साथ करार किया है। यह साझेदारी सिर्फ ब्रांडिंग तक ही नहीं रहेगी। इसमें गति, सटीकता और उत्कृष्ट सेवा से पूरा ध्यान रहेगा। फियाटपे को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में तेज़ और सुरक्षित ट्रांजैक्शन्स के लिए जाना जाता है। अब मुंबई इंडियंस के साथ मैदान के भीतर और बाहर भुगतान के मामले वह देखेगी। फियाटपे ने पूरे देश में डिजिटल भुगतान को सरल और सहज बना दिया है। कंपनी का मानना है कि कि हर लेन-देन आसान अनुभव बने, ठीक वैसे ही जैसे क्रिकेट में एक बेहतरीन स्ट्रोक बिना किसी परेशानी के बल्ले से निकलता है।

मुंबई इंडियंस की गिनती आईपीएल की सबसे सफल टीमों में होती है। उनकी पहचान सिर्फ जीत से नहीं, बल्कि खेल की बारीकियों को समझने, रणनीतिक फैसले लेने और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने से है। यही मूल्य फियाटपे भी अपने ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के माध्यम से प्रदान करता है। कंपनी का मानना है किजब मैदान पर मुंबई इंडियंस का कोई बल्लेबाज़ चौका या छक्का लगाता है, तो वह जितनी तेज़ी और सहजता से गेंद को बाउंड्री के पार भेजता है, फियाटपे उतनी ही गति और सटीकता से आपके पैसे के लेन-देन को पूरा करता है। फियाटपे को उम्मीद है कि इस करार से उसे काफी लाभ होगा क्योंकि पांच बार की विजेता मुम्बई इंडिया के प्रशंसकों की तादाद काफी बड़ी है।

खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरु होगा

KHELO INDIA WINTER GAMES 2025 JAMMU & KASHMIR | LADAKH

गुलमर्ग । जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडब्ल्यूजी) 2025 के दूसरे चरण का आयोजन अब नये कार्यक्रम के अनुसार इसी माह नौ से 12 मार्च तक होगा। पहले ये खेल फरवरी में रखे गये थे पर कम बर्फबारी के कारण तब इनका आयोजन टाल दिया गया था। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उसने नौ से 12 मार्च तक खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 की मेजबानी की पूरी तैयारी कर ली है। इस टूर्नामेंट में देशभर के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे। यह शीतकालीन खेलों का दूसरा चरण है जहां स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। वही इससे पहले खेलों का पहला चरण इसी साल जनवरी में लद्दाख के लेह जिले में आयोजित किया गया था जहां आइस-स्केटिंग और आइस-हॉकी स्पर्धाओं का आयोजन हुआ था।

स्मिथ ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लिया

दुबई । ऑस्ट्रेलिया के स्टार क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया। स्मिथ की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलियाई टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरी थी। स्मिथ ने सेमीफाइनल में 73 रनों की अहम पारी खेली पर उनकी टीम के गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाये। एकदिवसीय प्रारुप में स्मिथ के करियर को देखते तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 170 मैचों में 5800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 164 रन का रहा। स्मिथ ने अपने करियर में कई ऐतिहासिक पारियां खेलीं और दो बार एकदिवसीय विश्वप कप विजेता टीम का वह हिस्सा रहे हैं। स्मिथ ने कहा, यह मेरे लिए एक अविश्वसनीय सफर रहा। मैंने एकदिवसीय क्रिकेट में कई बेहतरीन यादें बनाई हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि अगली पीढ़ी 2027 एकदिवसीय विश्वकप की तैयारी करे। स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ 30 एकदिवसीस मैचों में 1383 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा। वहीं उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 40 मैचों में 1245 रन बनाए, जिसमें 1 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं।

आईपीएल के पहले मैच में कप्तानी करते दिखेंगे सूर्या !

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकते हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे।

सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं।

सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज ईडन गार्डंस में 22 मार्च को गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबले से होगा।

दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने संन्यास का फैसला लिया, जानें कब खेलेंगे आखिरी मैच

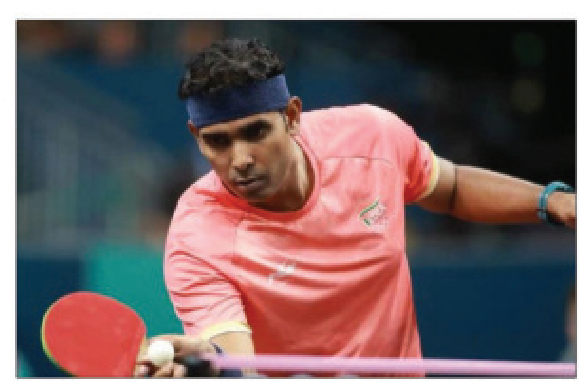

चेन्नई । भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने बुधवार को घोषणा की कि चेन्नई में इस महीने के आखिर में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) टूर्नामेंट 25 से 30 मार्च तक खेला जाएगा। 42 वर्ष के शरत कमल ने कहा, 'मैंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा।' शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में छह स्वर्ण पदक जीते हैं जबकि एशियाई खेलों में दो कांस्य अपने नाम किए। पिछले साल पेरिस में पांचवां और आखिरी ओलंपिक खेलने वाले इस दिग्गज ने कहा, 'मैंने राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। ओलंपिक पदक मैं नहीं जीत सका।' उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि मैं आने वाली युवा प्रतिभाओं के जरिए अपना सपना पूरा कर सकूंगा।'

धोनी ने भरोसा किया इतना ही बहुत है... सीएसके के कप्तान बनने पर बोले रुतुराज गायकवाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने उस पल को याद किया जब महेंद्र सिंह धोनी ने खुलासा किया था कि वह अब टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे और अपनी जिम्मेदारियां सलामी बल्लेबाज को सौंप दी। धोनी ने आईपीएल 2024 सीजन से पहले कप्तानी छोड़ दी थी। सीएसके ने गायकवाड़ को कप्तान बनाया जो 2019 से फ्रेंचाइजी के साथ है। 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से धोनी ने 212 मैचों में सीएसके का नेतृत्व किया, जिसमें 128 मैच जीते जबकि 82 मैच हारे। 2022 सीजन की शुरुआत में धोनी ने रवींद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी, लेकिन 8 मैचों के बाद वह कप्तान के रूप में लौट आए।

गायकवाड़ ने कहा कि वह भरोसा मेरे लिए बहुत मायने रखता है। पिछले साल टूर्नामेंट से ठीक एक हफ्ते पहले एमएस धोनी मेरे पास आए और कहा कि मैं इस साल कप्तानी नहीं कर रहा हूं - आप कर रहे हैं। मैं आश्चर्यचकित रह गया और पूछा- पहले गेम से? क्या आपको यकीन है? तैयारी के लिए बस कुछ ही दिन बचे थे, यह जबरदस्त था। लेकिन उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि यह आपकी टीम है। आप अपने निर्णय स्वयं लें। मैं हस्तक्षेप नहीं करूंगा - सिवाय इसके कि जब फील्ड प्लेसमेंट 50-50 कॉल हो। फिर भी मेरी सलाह मानना कोई मजबूरी नहीं है। सीएसके की कप्तान करते हुए धोनी ने पांच आईपीएल जीते। उन्होंने 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर अपना पूरा करियर सुपर किंग्स के साथ बिताया है। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा कि जब एक अत्यधिक अनुभवी कप्तान अभी भी मैदान पर है, तो उसकी उपस्थिति या तो फायदेमंद हो सकती है या जबरदस्त हो सकती है। कुछ खिलाड़ी आश्चर्यचकित हो सकते हैं। लेकिन धोनी का व्यक्तित्व असाधारण है - वह सुनिश्चित करते हैं कि बदलाव नए नेता पर हावी हुए बिना निर्बाध हो। कप्तान के रूप में गायकवाड़ के पहले सीजन में सीएसके 2024 आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। चेन्नई की टीम को अपने 14 मैचों के अभियान में सात जीत और हार मिली, जिससे वह नेट रन रेट के आधार पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से पांचवें स्थान पर रही। धोनी 2025 में टूर्नामेंट में अपना 18वां सीजन खेलेंगे और उन्होंने अब तक 264 मैच खेले हैं और 24 अर्धशतकों के साथ 5234 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने भी उनकी लंबी उम्र का श्रेय धोनी को दिया और उम्मीद जताई कि यह सिलसिला आने वाले कई वर्षों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि लाखों प्रशंसकों को क्रिकेट देखने और प्रेरित होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें श्रेय देना होगा।

वाणी कपूर ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 5वें चरण में बनाई बढ़त

गुरुग्राम। वाणी कपूर अंतिम लम्हों में दो बोगी करने के बावजूद बुधवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर के पांचवें चरण में पहले दौर के बाद शीर्ष पर हैं। पिछले महीने चौथा चरण जीतने वाली वाणी दो अंडर 70 के स्कोर से शीर्ष पर हैं। उन्होंने अमनदीप द्राल पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है जिन्होंने पहले दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। बेहद तेज हवा के बीच सिर्फ वाणी और अमनदीप ही अंडर पार का स्कोर बना पाई। रिया झा दो ओवर 74 के स्कोर से तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने एक ईगल और एक बर्डी की लेकिन पांच बोगी कर गईं जिससे उनका स्कोर दो ओवर रहा। एमेच्योर कीरत कांग, अनाहिता सिंह, ओविया रेड्डी, नेहा त्रिपाठी और रिद्धिमा दिलावरी चार ओवर 76 के स्कोर से संयुक्त रूप से चौथे पायदान पर हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बोले एश्टन एगर, आप कोहली पर दबाव नहीं बना सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। गेंदबाज अक्सर एकदिवसीय क्रिकेट में विराट कोहली को बांधने के लिए संघर्ष करते हैं और ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एश्टन एगर के अनुसार, इसका एक प्रमुख कारण स्ट्राइक रोटेट करने की उनकी बेजोड़ क्षमता है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की सेमीफाइनल जीत के बाद एगर ने कोहली की 84 रन की पारी को खेल प्रबंधन में 'मास्टरक्लास' बताया, और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे अंतराल ढूंढने और स्कोरबोर्ड को चालू रखने की उनकी क्षमता दबाव बनाना लगभग असंभव बना देती है।

एगर ने कहा, 'उन्हें गेंदबाजी करने का यह निराशाजनक हिस्सा है। बात यह नहीं है कि वह बाउंड्री से कितना नुकसान करता है - बात यह है कि आप उस पर दबाव नहीं बना सकते। जब तक गेंद वास्तव में घूम नहीं रही हो तब तक आपको ऐसा कभी महसूस नहीं होता कि आप उसके ऊपर हैं। और आपको एकदिवसीय क्रिकेट में इस तरह की बहुत सारी पिचें नहीं मिलती हैं।'

कोहली की 98 गेंदों में 84 रन की पारी भारत के लक्ष्य का पीछा करने में अहम भूमिका रही क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 264 रन को 4 विकेट शेष रहते ही पार कर लिया। स्ट्रोकप्ले से अधिक, स्कोरबोर्ड को चालू रखने की उनकी क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को निराश किया। कोहली की पारी विकेटों के बीच दौड़ में मास्टरक्लास थी। उनके 84 रनों में से 64 रन एकल और दो रनों से आए, जो अनावश्यक जोखिम उठाए बिना पारी को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता का प्रमाण है।

एगर ने बताया कि स्पिन के खिलाफ कोहली की तकनीक, विशेष रूप से गेंद को पूरी तरह से रखने की उनकी क्षमता, उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन बल्लेबाजों में से एक बनाती है। उन्होंने कहा, 'उसके पास आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंद को हिट करने की शानदार क्षमता है - मध्य स्टंप के शीर्ष पर, थोड़ा दूर घूमती हुई - बल्ले का चेहरा दूसरों की तुलना में थोड़ा अधिक समय तक पकड़कर। वह इसे आखिरी सेकंड में खोलता है और इसे कवर-पॉइंट गैप में मारता है। ऐसा करने में वह शायद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है, और उस पर दबाव बनाना बहुत मुश्किल है।'

होली से पहले बिहार में 12 अवैध देशी शराब की भट्ठियों को खत्म किया

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद होली पर अवैध शराब कारोबारियों की सक्रियता को देखकर पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोन नदी के तटीय क्षेत्र में छापेमारी कर करीब 12 अवैध देशी शराब की भट्ठियों को खत्म किया है। इस कार्रवाई में शराब बनाने के सभी उपकरणों को जब्त कर आग के हवाले कर दिया। साथ ही अर्ध निर्मित शराब को भी नष्ट किया गया। पुलिस की सूचना मिलते ही शराब माफिया सोन नदी के रास्ते फरार हो गए। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि सोन नदी के इलाके में अवैध रूप से देशी शराब की भट्ठियां चल रही हैं। इस पर थाना प्रभारी ने तीन टीमें गठित कर छापेमारी की थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को कई शराब भट्ठियां चलते हुए मिलीं। इधर, पूरे मामले पर पुलिस अधिकारी ने बताया कि होली को लेकर अवैध शराब के खिलाफ अभियान चल रहा है। सोन नदी के किनारे पुलिस काफी कम पहुंच पाती है। इसकारण शराब माफिया अपना साम्राज्य कायम किए हुए थे। लेकिन, पुलिस लगातार अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। करीब हजारों लीटर अंग्रेजी शराब को नष्ट किया गया है। कई शराब के भट्ठियों को ध्वस्त किया गया है।

राहुल गांधी के मामले में कोर्ट में दाखिल हुआ वकालतनामा

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर वाद के मामले में उनके वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी बुधवार को बरेली पहुंचे। लखनऊ से आए वकीलों ने कोर्ट में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए के विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकीलों ने जवाब देने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने दो अप्रैल की तारीख दी है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया गया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से जून 2024 में निजी कोर्ट में अर्जी दी गई थी, जिसमें राहुल गांधी के बयान से भावनाएं आहत होने का आरोप लगाकर मुकदमा कायम करने की अपील की गई थी। उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने रिवीजन याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसकी निगरानी स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए में चल रही है। मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके हैं। विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि समन पर राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए। पिछली तारीख पर उनके वकील द्वारा यह दलील दी गई कि राहुल गांधी के खिलाफ जो समन भेजे गए हैं, वो तामील हो गए हैं। डाक से स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट दाखिल की गई थी। जिसके बाद बुधवार को राहुल गांधी के वकीलों ने वकालतनामा दाखिल किया है।

बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश की 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण में पुलिस के साथ एक एनजीओ ने विभिन्न जगहों पर ऑर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त करवाया गया है। सभी लड़कियां बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं, जिन्हें एलबम में काम करने के नाम पर लाया गया था। इन लड़कियों को आर्केस्ट्रा में डांस कराया जाता था। मामले में एनजीओं ने संचालकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवेदन दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रेस्क्यू की गई लड़कियों को सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान एलबम में काम कराने के बहाने पटना बुलाया गया। फिर एक दो एलबम में डांसर के रूप में काम करवाया गया। फिर आर्केस्ट्रा में पैसे का लालच देकर डांस कराया जाने लगा। ये सभी गरीब परिवार से हैं। मजबूरी में इन्हें आर्केस्ट्रा में काम करना पड़ रहा था। एनजीओ संचालक ने बताया कि जिले के तीन थाना क्षेत्र से 14 लड़कियों को रेस्क्यू किया है, इसमें अधिकतर लड़कियां उत्तर प्रदेश और बंगाल की रहने वाली हैं। यहां काम कर रहीं नाबालिग लड़कियों के बारे में सूचना मिली थी।

मिजोरम में बीयर बिक्री की इजाजत दे सकती है सरकार

आईजोल (एजेंसी)। मिजोरम राज्य में फल और चावल से बनी शराब और बीयर की बिक्री की अनुमति दी जा सकती है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, सीएम ने साफ कहा कि मौजूदा शराबबंदी कानून को हटाने के बारे में वह नहीं सोच रहे हैं। मिजोरम की जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार बुधवार को शराब और बीयर पर संशोधन बिल लाने जा रही है। विभागीय मंत्री लालनगिहलोवा हमार उस बिल पेश करेंगे, जिसमें राज्य के भीतर उत्पादन होने वाले चावल और फल से बनी शराब और बीयर की बिक्री, वितरण और निर्माण की अनुमति देने का प्रस्ताव है। यह केवल लाइसेंस धारकों के लिए होगा। साथ ही यह बिल राज्य में पारंपरिक मिजो शराब की बिक्री की भी इजाजत देगा। सीएम ने विधानसभा में 2025-26 के बजट को पेश करने के बाद पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार शराब की दुकानों को खोलने की इजाजत नहीं देगी, लेकिन राज्य में स्थानीय रूप से उत्पादित शराब और बीयर की बिक्री को नियंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर चर्चों से परामर्श लिया गया है और उन्होंने इस फैसले पर अपनी सहमति दी है। सरकार ने मार्च 2024 में विधानसभा में यह जानकारी दी थी कि वह राज्य के शराब प्रतिबंध कानून की समीक्षा करेगी, जो राज्य में शराब की बिक्री और खपत को प्रतिबंधित करता है। कई क्षेत्रों से शराब प्रतिबंध को हटाने और शराब की दुकानों को खोलने की मांग उठ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ऐसी अपीलों पर विचार नहीं करेगी। बता दें कि 2019 में मिजोरम में शराब पर प्रतिबंध फिर से लागू किया गया था। इससे पहले भी राज्य में शराब प्रतिबंध थे। 1984 में मिजोरम निषेध अधिनियम, 1973 के तहत शराब की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई थी, लेकिन 1987 में उन्हें बंद कर दिया गया था।

उद्धव ठाकरे ने अबू आजमी के स्थायी निलंबन की मांग की, अखिलेश यादव को भी दे डाली नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने औरंगजेब के संबंध में अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी की आलोचना की और राज्य विधानसभा से उनके स्थायी निलंबन की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें स्थायी रूप से निलंबित किया जाना चाहिए। यह सिर्फ बजट सत्र के लिए नहीं होना चाहिए, निलंबन स्थायी होना चाहिए। इससे पहले दिन में, अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष ने निलंबित कर दिया था।

इस बीच, ठाकरे ने अपने निलंबन पर आपत्ति जताने वाले विधायक अबू आजमी का समर्थन करने के लिए यूपी के पूर्व सीएम और एसपी प्रमुख अखिलेश यादव की भी आलोचना की। उन्होंने अखिलेश यादव से कहा कि अगर वे चाहें तो आजमी को यूपी से चुनाव लड़वा दें, क्योंकि पूरे महाराष्ट्र ने उनके बयान पर आपत्ति जताई है। मीडिया से बात करते हुए, ठाकरे ने अखिलेश पर हमला किया और कहा, ÷अगर वह आपत्ति करना चाहते हैं तो उन्हें आपत्ति करने दें। पूरे महाराष्ट्र ने उनके खिलाफ आपत्ति जताई है। अगर वह चाहते हैं, तो उन्हें वहां (यूपी) से चुनाव लड़ना चाहिए। वह सच्चाई नहीं जानते हैं।÷

शिव सेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर कोई औरंगजेब की प्रशंसा करता है या छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करता है, तो उस व्यक्ति के लिए भारत या महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। अबू आजमी बीजेपी की बी टीम हैं। उन्होंने कहा कि जब भी बीजेपी महाराष्ट्र में मुसीबत में आती है, वे अबू आजमी को सक्रिय करते हैं। पिछले सत्र में यही हुआ था। महाराष्ट्र में बीजेपी मुसीबत में आ गई, इसलिए उन्होंने अबू आजमी को सक्रिय किया। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए निलंबन पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने लिखा कि निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा। हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेखौफ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि 'निलंबन' से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच का बचपना है। आज़ाद खयाल कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

योगी ने अबू आजमी को बुलाया यूपी, मैं करता हूं उनका इलाज

मुंबई। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के बाद महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी को पूरे बजट सत्र से सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र का बजट सत्र 3 को शुरू होकर 26 मार्च को खत्म होगा। महाराष्ट्र सरकार में संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सदन में एक प्रस्ताव पेश कर कहा कि आजमी ने जो टिप्पणी की, उससे सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, इसकारण उनकी सदस्यता को बजट सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव को सदन में अध्यक्ष ने पारित कर दिया।

उधर यूपी बजट सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विधान परिषद में अबू आजमी के बयान का जिक्र किया। योगी ने कहा कि भारत की आस्था को रौंदने वाले का महिमामंडन करने वाले सदस्य को सपा से बाहर निकाल देना चाहिए। उन्हें (अबू आजमी) यहां बुलाइए। उत्तर प्रदेश इसतरह के लोगों का उपचार करने में देर नही करता।

शाहरुख खान के साथ 'डंकी' के सफर पर चलने के लिए हो जाइए तैयार

मुंबई : अपने प्लान्स को दीजिए एक खास ट्विस्ट, क्योंकि एंड पिक्चर्स पर, शनिवार 8 मार्च को रात 8 बजे शाहरुख खान की डंकी का चैनल प्रीमियर होने जा रहा है। राजकुमार हिरानी के बेमिसाल निर्देशन में बनी यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि जज्बात, हंसी और समाज का आईना भी है, जो हर दिल को छू जाएगी। शाहरुख खान, बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर जैसे दमदार कलाकार इस कहानी को असली रंग देते हैं, जो सपनों, संघर्षों और अपनों के बीच बंधे रिश्तों की गहराई को बखूबी दिखाती है। हर किरदार अपनी खासियत से इस फिल्म को खास बनाता है, जो दर्शकों को एक यादगार सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म 'डंकी' का प्रीमियर एंड पिक्चर्स के उस वादे को दोहराता है, जो भारत के जोश, महत्वाकांक्षा और युवा सोच से जुड़ीं दमदार कहानियां दर्शकों तक पहुंचाने के लिए समर्पित है। डंकी उस कुख्यात रास्ते की कहानी है, जिसे बेहतर ज़िंदगी की तलाश में लोग विदेश जाने के लिए अपनाते हैं। यह सिर्फ अवैध प्रवास की उलझनों को नहीं दिखाती, बल्कि उन रिश्तों को भी उजागर करती है, जो संघर्षों के बीच पनपते हैं, और उस अटूट उम्मीद को सलाम करती है, जो इंसान को आगे बढ़ने की ताकत देती है। यह संवेदनशील कहानी नए सिरे से ज़िंदगी शुरू करने की चाहत और सरहद पार करने की तकलीफों पर रोशनी डालती है, जिससे दर्शक गहराई से खुद को जुदा हुआ पाते हैं। तो आप भी अपने सपनों को नई उड़ान देने के लिए तैयार हो जाइए! शनिवार, 8 मार्च, रात 8 बजे, एंड पिक्चर्स पर। देखिए 'डंकी', एक ऐसी कहानी, जो होंसले, जज्बात और ज़िंदगी के असली संघर्षों को पर्दे पर उतारती है।

मोदी सरकार सहकार से शक्ति, सहयोग और समृद्धि : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यह संदेश दिया कि, ग्रामीण पलायन की समस्या का समाधान करने के साथ छोटे किसानों को समृद्ध बनाने के लिए डेयरी एक महत्त्वपूर्ण विकल्प है। डेयरी सेक्टर ने आज सर्कुलरिटी के संबंध में गुड प्रैक्टिसिस को 250 दूध उत्पादक संघों तक पहुँचाने की विजनरी शुरूआत की है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि देश के साथ-साथ ग्रामीण विकास और भूमिहीन छोटे किसानों को समृद्ध बनाने में भारत का डेयरी क्षेत्र बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। पोषण की चिंता, देश को दुनिया का नंबर एक दूध उत्पादक बनाने में योगदान देना और किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करने में डेयरी क्षेत्र अहम भूमिका निभाता है। कृषि, डेयरी, मत्स्यपालन, बुनाई, ऋण और व्यापार सहित कई प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सहकारिता क्षेत्र को आजादी के बाद भी वर्षों तक उपेक्षा का शिकार बना कर रखा गया था, जबकि देश की आधी से ज्यादा आबादी किसी-न-किसी रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है। ऐसे में, सकारिता क्षेत्र को एक नया क्षितिज प्रदान करने के लिए मोदी सरकार ने जुलाई, 2021 में सहकारिता मंत्रालय के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, जिसका कार्य भार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया। जहाँ मोदी जी ने स्वायत्त सहकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने का काम किया, वहीं जन कल्याण से जुड़ी नीतियों के लिए प्रसिद्ध भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता की नींव को मजबूत बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में हिंदी भाषा को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने

स्थानीय पार्टियां भाषा या जाप-पात के नाम पर बनती हैं- अर्जुन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदी भाषा को लेकर तमिलनाडु की सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया है कि वह नई शिक्षा नीति 2020 के तहत तीन भाषाओं के फॉर्मूले पर हिंदी भाषा जबरन थोप रही है। तमिलनाडु में भाषा विवाद पर बीजेपी और कांग्रेस नेता आमने-सामने आ गए हैं। तमिलनाडु में भाषा विवाद को लेकर बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने कहा कि इस देश में संविधान ने 22 भाषाओं को मान्यता दी है। निश्चित रूप हिंदी भाषा देश की भाषा है। इस देश का दुर्भाग्य है कि जितनी भी स्थानीय पार्टियां बनती हैं, वह या तो भाषा के नाम पर बनती हैं या जात-पात के नाम पर, लेकिन जब राजनीतिक शासन करने की बात आई तो लोगों ने कहीं धर्म के नाम पर, कहीं जाति के नाम पर या फिर भाषा के नाम पर लड़वाया जाता है। हमारे देश के जवान हैं, वह हर प्रांत से आते हैं और हर भाषा को बोलने वाले होते हैं, फिर भी एक साथ काम करते हैं।

तमिलनाडु में भाषा विवाद पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि बीजेपी कुछ भी कर सकती है। वे हिंदी थोप सकते हैं, धर्म थोप सकते हैं। भाषा की लड़ाई पहले भी होती रही है। उन्होंने कहा कि पहले यह तय किया गया था कि तीन भाषा का फॉर्मूला रहेगा। अंग्रेजी, मातृ भाषा और हिंदी। जिस तरह से बीजेपी हिंदी भाषा को थोपकर जनाधार खड़ा करना चाहती है, वह सही नहीं है, आप उन पर हिंदी नहीं थोप सकते हैं।

बता दें कि तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कहा था कि केंद्र सरकार स्कूली छात्रों के लिए धन मुहैया कराने के लिए त्रिभाषा नीति लागू कर रही है, लेकिन तमिलनाडु ने अपनी सफलता के लिए दो-भाषा नीति को अपनाया है। सीएम ने कहा कि तमिलनाडु ने अपनी मातृभाषा तमिल के साथ-साथ अंग्रेजी को तरजीह दी है, हिंदी की बजाय अंग्रेजी को अपनाकर राज्य ने दुनिया से संवाद स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने

हिंदी को थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाई है और अब उत्तरी राज्यों से भी इसे समर्थन मिल रहा है।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर सफाई में उतरी कांग्रेस, हरीश रावत ने बताया फ्रस्टेटेड व्यक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी ने बुधवार को एक नया विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को पहले कैम्ब्रिज में और फिर इंपीरियल कॉलेज में दो बार शिक्षाविदों में असफल बताया। अपनी ही पार्टी के प्रधान मंत्री की आलोचना करने वाले अय्यर की टिप्पणी ने सत्तारूढ़ भाजपा को सबसे पुरानी पार्टी पर हमले को तेज करने के लिए नया हथियार दे दिया है। हालांकि, अब कांग्रेस मणिशंकर अय्यर के इस बयान के बाद सफाई में आ गई है और भाजपा पर निशाना भी साध रही है।

कांग्रेस सांसद कुँवर दानिश अली ने कहा कि राजीव गांधी को देश में आईटी क्रांति और आधुनिकीकरण लाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत भी की थी। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो फ्रस्टेटेड व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि मैं राजीव गांधी को जानता था, जिन्होंने देश को आधुनिक दृष्टिकोण दिया।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के लिए भी ठोस कदम उठाये। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी (कांग्रेस) का एक वर्ग उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, वरना देश का इतिहास कुछ और होता। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके भाषण आज भी नेताओं का मार्गदर्शन करते हैं।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि अमित मालवीय को चीजों को संपादित करने की आदत है। इसमें कितना सही है और कितना गलत ये तो मणिशंकर ही बता सकते हैं। लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी कैसे थे? प्रधानमंत्री बनने के बाद राजीव गांधी ने किस तरह के काम किये? अगर आपको राजीव गांधी का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा।

उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि बीजेपी वाले पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं। पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे और मैट्रिक पास कर चुके हैं, लेकिन हम उन्हें उनकी शिक्षा के कारण नहीं देखते हैं। हम उन्हें पीएम के तौर पर उनके काम की वजह से देखते हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री कभी कैम्ब्रिज नहीं गए लेकिन वह एक सक्षम प्रधान मंत्री थे। इसलिए राजीव गांधी एक सक्षम प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है।

एफआईआर में जाति का जिक्र क्यों? हाईकोर्ट ने यूपी डीजीपी से मांगा जवाब

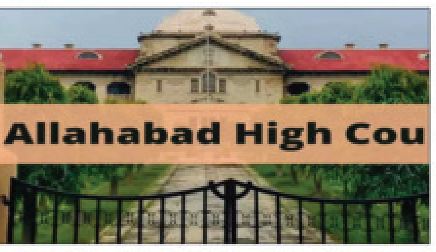

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी के डीजीपी से सवाल पूछा है। कोर्ट ने कहा है कि वे बताएं कि आखिर एफआईआर में जाति लिखने की क्या जरूरत है और इससे क्या फायदा होता है। जस्टिस विनोद दिवाकर ने संस्थागत पूर्वाग्रह और कुछ समुदाय के साथ सौतेले बर्ताव के खतरे को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने डीजीपी को आदेश दिया कि वह पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें। अगली तारीख पर वह बताएं कि आखिर किसी मामले की एफआईआर में संदिग्धों की जाति लिखने की क्या जरूरत है। एक ऐसे समाज में ऐसा क्यों जरूरी है, जहां जाति एक संवेदनशील मसला है और उसके नाम पर समाज में विभाजन की स्थिति पैदा हो सकती है।

जज ने कहा कि संविधान इस बात की गारंटी देता है कि देश में जातिगत भेदभाव खत्म हो। सभी के लिए समानता और गरिमा के साथ बर्ताव किया जाएगा। पक्षपात के साथ न्याय की परिभाषा पूरी नहीं होती है। न्याय सभी के लिए एक समान और एक जैसे तरीके से होना चाहिए। जस्टिस दिवाकर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं में जाति और धर्म के उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि था कि याचिका में जाति या धर्म लिखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होता। इसकी बजाय भेदभाव को ही बढ़ा देता है। दरअसल यह मामला 2023 में दायर एक केस को लेकर सुनवाई का है। इटावा पुलिस ने 2013 में आईपीसी और एक्साइज एक्ट के तहत एक केस दर्ज किया था। इस मामले में आरोपी बनाए गए शख्स को लेकर पुलिस का दावा था कि वह एक अन्य शख्स के साथ कार में सवार था। जांच के दौरान गाड़ी से व्हिस्की की 106 बोतलें पाई गईं। इन बोतलों पर लिखा था- केवल हरियाणा में बिक्री के लिए। उससे पूछताछ के बाद एक और कार को पकड़ा, जिससे 237 बोतलें बरामद हुई थीं। इस मामले में पुलिस का दावा था कि आरोपी गैंग लीडर है, जो हरियाणा से शराब लाता है और उसकी बिहार में बिक्री होती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि हरियाणा से सस्ती शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामों पर बेची जाए, जहां शराब पर बैन है। इस काम से वे मोटा मुनाफा कमा रहे थे।

ऐसा करने के लिए आरोपियों की ओर से अलग-अलग गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाता था। कई बार एक ही गाड़ी को नंबर प्लेट बदलकर इस्तेमाल किया जाता था। इस मामले की एफआईआर पढ़ने के बाद कोर्ट ने पाया कि सभी आरोपियों की जाति का भी जिक्र किया गया है। इसको अदालत ने आपत्तिजनक माना और डीजीपी से जवाब मांगा है।

केजरीवाल के वीआईपी कल्चर पर स्वाति मालीवाल का तंज, ट्रंप से बड़ा काफिला लेकर चल रहे

-भाजपा का आरोप, विपासना के नाम पर ढोंग और नौटंकी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार के करीब एक माह बाद पूर्व सीएम और आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे हैं। वे अपनी पत्नी सुनीता के साथ आनंदगढ़ में 10 दिवसीय विपश्यना सत्र में शामिल होकर ध्यान लगाएंगे। इस बीच केजरीवाल के काफिले का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

दरअसल केजरीवाल कभी नेताओं के वीआईपी कल्चर का विरोध करते थे, लेकिन जब वे पंजाब पहुंचे, तब उनकी गाड़ियों का लंबा काफिला दिखाई दिया। पूर्व सीएम के काफिले का वीडियो वायरल होने पर आप की बागी और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल पर तंज कसा है।

स्वाति ने काफिले का वीडियो शेयर कर लिखा कि केजरीवाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। राज्यसभा सांसद स्वाती ने लिखा, जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को? सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज खुद ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं।

वहीं बीजेपी भी केजरीवाल के काफिले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेर रही है। बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ऐसी विपासना का क्या फायदा जहां सादगी और आत्मचिंतन की जगह 50 गाड़ियों के काफिले में अहंकार और दिखावा हो? केजरीवाल की ये नकली सादगी एक और नौटंकी है, जो व्यक्ति भ्रष्टाचार और अहंकार में डूबा हो, वहां विपासना के असली अर्थ को क्या समझेगा? जनता सब देख रही है!

वहीं आम आदमी पार्टी की ओर से बताया गया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने केजरीवाल को सुरक्षा दी है। कांग्रेस और बीजेपी वाले मिले हुए हैं। केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं और न ही पंजाब के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं।

बैंक से लोन लेने में महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नहीं, हर साल बढ़ रही दर

-रिपोर्ट से हुआ खुलासा, 38 फीसदी ने सोना गिरवी रखकर लिया पर्सनल लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोन लेने के मामले में अब महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। वे बैंकों से पैसा उठा रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लोन लेने वाली महिलाओं की संख्या पिछले पांच सालों में 22 फीसदी सालाना दर से बढ़ी है। महिलाओं ने 42 फीसदी पर्सनल लोन अपने उपभोग से जुड़ी वस्तुओं और घर खरीदने के लिए लिया है। बैंक से लोन लेने वाली महिलाएं मुख्य रूप से सेमी-अर्बन और रूरल इलाकों से आती हैं। ये भी पता चला है कि महिलाओं में अपने क्रेडिट स्कोर को लेकर भी जागरूकता बढ़ी है। क्रेडिट स्कोर चेक करने वाली युवा लड़कियों की दर सालाना करीब 56 फीसदी से बढ़ रही है।

सोमवार को प्रकाशित हुई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि महज तीन फीसदी महिलाओं ने बिजनेस के लिए लोन लिया है। पर्सनल लोन, कंज्यूमर लोन, होम लोन का हिस्?सा 42 फीसदी था। गोल्?ड लोन सबसे ज?यादा लिया गया। 38 फीसदी महिलाओं ने सोना गिरवी रखकर लोन लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 से कारोबार के इरादे से खोले गए लोन अकाउंट की संख्या में 4.6 गुना बढ़ोतरी हुई है लेकिन ये लोन 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए कुल लोन का सिर्फ तीन फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ज्यादातर महिलाएं लोन लेना चाह रही हैं और सक्रिय रूप से अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी भी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला उधारकर्ताओं में से 60 फीसदी कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों से थीं। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में इस दौरान महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा लोन लिया है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि बैंक और फाइनेंशियल कंपनियों के पास महिलाओं को लोन देने का मौका है। महिलाएं लोन लेकर अपनी फाइनेंशियल पावर बढ़ाना चाहती हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**